अरब में हंगामा

- सुरेंद्र मोहन पाठक

007 JAMES BOND KE NOVELS

A JAMES BOND ADVENTURE

अरब में हंगामा

दुनिया भर से आई लड़कियां बनेंगी बंधक!

₹5/-

अरब में हंगामा
--- सुरेन्द्र मोहन

पाठक

'हाय ब्यूटीफल'

'एम' की सैक्रेट्री मिल मनीपेनी ने सिर उठाकर देखा । सामने जेम्स बांड बड़ा मुस्करा रहा था। उसके नेत्र शरारत से चमक रहे थे।

फिर वह मुस्कराता हुआ सैक्रेट्री की ओर बढ़ा।

सैक्रेट्री ने जेम्स बांड के चेहरे के भाव देखे फिर 'एम' के आफिस के अधखुले द्वार पर दृष्टिपात किया और फिर एकदम हड़बड़ा कर बोली
'मेरे पास मत आना ।'

'एक छोटे से चुम्बन के लिए भी नहीं?' - जेम्स बांड पूर्ववत उसकी ओर बढ़ता हुआ बोला ।

'नहीं।' - सैक्रेट्री बोली - 'यहां नहीं ।'

लेकिन जब जेम्स बांड की गति में कोई अन्तर नहीं आया तो एकाएक उसने इन्टरकम्यूनिकेशन सैट का स्विच आनं कर दिया और माइक के पास मुंह ले जाकर बोली - 'मिस्टर बांड इज हेयर, सर!'

'उसे फौरन भीतर भेजो।' इन्टर कम्यूनिकेशन सैट पर 'एम' का भारी स्वर सुनाई दिया।

सैक्रेट्री मुस्कराई और उसने बड़े शरारती अन्दाज से भीतर की ओर संकेत कर दिया ।

जेम्स बांड सैक्रेट्री के डैस्क की ओर बढ़ता हुआ रुक गया और फिर नाराजगी का प्रदर्शन करता हुआ बोला 'आल राइट, सी यू सम अदर टाइम बेबी ।

'प्लीज डू।' मिस मनीपेनी मुस्कराती हुई बोली-'बट नाट हेयर! नाट ड्यूरिंग बिजनेस आवर्स । कम टु माई अपार्टमेंट । यू विल बी मोस्ट वेलकम ।'

'प्रामिस?'

'प्रामिस ।'

'तो फिर डेट है।'

और जेम्स बांड 'एम' के आफिस में प्रवेश कर गया। उसने वनूस की लकड़ी का भारी द्वार बन्द कर दिया। फिर वह 'एम' की ओर घूमा, मुस्कराता हुआ बोला- 'गुड आफ्टरनून सर ।'

'एम' ने गम्भीरता से उसकी ओर देखा और अपनी विशाल मेज के सामने बिछी कुसियों की दिशा में संकेत कर दिया ।

जेम्स बांड 'एम' के इस मूड को खूब पहचानता था । वह समझ गया कि उसे फौरन कोई काम सौंपा जाने वाला था।

वह लम्बे डग भरता हुआ मेज की ओर बढ़ा और मेज के सामने पड़ी कुर्सियों में से एक पर बैठ गया ।

'एम' कुछ क्षण चेहरे को देखता रहा, और फिर सहज स्वर में बोला- 'तुम्हें काहिरा जाना है।'

'वैरी गुड ।' - जेम्स बांड भावहीन स्वर में बोला-'कब?'

'आज ही ।'

ओ० के०!'

'एम' कुछ क्षण चुप रह्य और फिर बड़ी सावधानी से शब्द चयन करता हुआ बोला- 'हर साल, अठठारह से लेकर तेइस साल तक की आयु के बीच की कम से कम पचास-लड़कियां इंगलैंड को छोड़कर बाहर के देशों को जाती है और फिर उसके बाद हमें उनकी हवा भी नहीं मिलती ।'

जेम्स बांड चुप रहा ।

'इसी प्रकार योरोप के दूसरे मुल्कों से, अमेरिका से और अन्य देशों से हर साल सैकड़ों खूबसूरत और जवान लड़कियां कहीं गायब हो जाती हैं। हमें सूत्रों से पता लगा है कि वे लड़कियां पेशेवर लड़कियां भगाने वालों के एक गिरोह के लोगों के द्वारा बहला फुसला कर ले जाई जाती हैं। किसी को फिल्म अभिनेत्री बनाने का लालच दिया जाता हैं, किसी को केंद्र डांसर या किसी को निग थियेट्रिकल कम्पनी में अभि-नेत्री बनाने का लालच दिया जाता है तो किसी से यह वादा किया जाता है कि सुन्दरता को हथियार के रूप में इस्तेमाल करके कुछ ऐसा इन्तजाम किया जायेगा कि कोई विश्व प्रसिद्ध धनी आदमी उससे शादी कर लेगा। हर स्थिति में लड़की को ख्याति और बेशुमार दौलत की प्राप्ति की गारण्टी दी जाती है और साथ ही उसे यह विश्वास दिलाया जाता है कि अगर उसे किसी भी स्टेज पर ऐसा लगे कि जो वादा उसके साथ किया गया है, वह पूरा नहीं किया जा रहा तो वह तत्काल वापिस स्वदेश लौट सकती है। लेकिन पिछले कितने ही महीनों से कोई भी लड़की वापिस लौट कर नहीं आई है। यह योरोप और अमेरिका के हर 'देश की सीक्रेट सर्विस के लिये चिन्ता का विषय बना हुआ है और इस दिशा में बहुत छान-बीन हो रही है।'

'एम' एक क्षण के लिये रुका और फिर बोला - 'विभिन्न देशों की सीक्रेट सर्विस के सामूहिक प्रयत्नों से इतनी जान-कारी हासिल हो चुकी है कि वे लड़कियों यूनाइटिंड अरब रिपब्लिक की राजधानी काहिरा (कैरो) में ले जाई जाती हैं । हमें विश्वस्त सूत्रों से मालूम हुआ है कि काहिरा में वे लड़कियां गुलामों की तरह बेच दी जाती हैं। सफेद गुलामों की उस मंडी में से खरीदी गई लड़कियां पेशेवर लोगों द्वारा मिडल ईस्ट के बड़े-बड़े अरब शेखों के हरमों में सप्लाई कर दी जाती हैं। अरब देशों के रइस लोगों द्वारा अपने प्राइवेट हरम बना कर रखने की परम्परा अभी भी है। कानूनी तौर पर इस बात पर कोई आपत्ति नहीं की जाती । परिणामस्वरूप मिडल इस्ट के कई अरब शेखों और पुराने शासकों के हरमों में सौ-सौ, दो-दो सौ जवान लड़कियां मौजूद हैं जिनमें अधिक गिनती योरोप और अमेरिका की गोरी नसल की औरतों की होती हैं।

'आपके पास इस बात का कोई सबूत है कि योरोप और अन्य देशों से गायब हुई लड़कियां काहिरा ले जाकर अरब शेखों के प्राइवेट हरमों में सप्लाइ की जाती हैं।'

'अमेरिका की सैन्ट्रल इन्टेलीजेस एजेन्सी (सी० आई० ए०) का एक आदमी एक लम्बे अरसे से काहिरा में रह रहा है और इसी विषय में खोजबीन कर रहा है। वह नियमित रूप से सी० आई० ए० को अपनी रिपोर्ट भेजता है। क्योंकि

१११

इस आपरेशन में हम भी सी० आई० ए० के सहयोगी हैं इस-लिये उसकी छान-बीन की सूचना हमें भी मिलती है। उसकी रिपोर्ट के अनुसार काहिरा में सफेद औरतों के इस व्यापार का संचालक एक अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह है जिनमें काहिरा के बड़े सम्भ्रांत और धनी मानी लोग भी मिले हुये हैं। उस गिरोह को पूर्वी देशों के रीति रिवाजों का संरक्षण तो प्राप्त है ही, साथ ही वहां के सरकारी अफसर भी उनकी सहायता करते हैं। सुना है कि वहां की पुलिस के बड़े-बड़े अधिकारी भी खूबसूरत और जवान विदेशी लड़कियों के उपहार के लालच में उस गिरोह से मिले हुये हैं।'

'सी० आई० ए० के उस एजेन्ट का नाम क्या है?'

'एंथनी बुचर।'

'वह काहिरा में कब से काम कर रहा है?'

'पिछले दो महीने से।'

'सर ।' - जेम्स बांड गम्भीर स्वर से बोला - "अगर यह मान भी लिया जाये कि बूचर की सूचना सही है और काहिरा में किसी अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह द्वारा कोई सफेद औरतों की नीलामी का धन्धा चलाया जा रहा है लेकिन इस विषय में कुछ सिद्ध कैसे किया जा सकता है? योरोप और अमेरिका से लड़कियां ढेर सारी धन हासिल करने के लालच में अपनी मर्जी से बाहर जाती हैं। तफ्तीश के बाद आधी लड़कियां तो आप को ऐसी मिलेंगी जो अपनी उस स्थिति से भी सन्तुष्ट होंगी और बाकी आधी ऐसी होंगी जो अपनी मूर्खता से किसी बखेड़े में फंसी हैं और जिसके लिये किसी दूसरी पार्टी को अपराधी नहीं ठहराया जा सकता।'

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[['[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[''

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[?'

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[, [[[[[

[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[, [[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[, [[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[, [[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[?'

' [[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[??

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[''

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[' [[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[?'

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[' [''

'[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[[

'नहीं। रोलेंड ते तुम सम्पर्क तो स्थापित कर सकते हो लेकिन अगर तुम अकेले उसके पास जाओगे तो वह बूचर के बारे में तुमसे बात भी नहीं करेगा ।'

'तो फिर!'- जेम्स बांड तनिक अप्रितभ् स्वर में बोला ।

'काहिरा की इब्राहम पाश स्ट्रीट को चौदह नम्बर इमारत में यासमीन नाम की एक बैली डांसर रहती है। काहिरा में वह हमारी इन्टेलीजेंस की आपरेटर है। वह तुम्हें रौलेंड के पास ले जायेगी और फिर रोलेन्ड तुम्हें बूचर

११३

से मिलवा देगा ।'

'यह तो वाकई बड़ा पेचीदा तरीका है।'- जेम्स बांड बोला - क्या कोई ऐसा इन्तजाम नहीं हो सकता कि मैं बूचर के पास सीधे पहुंच जाऊं ।

'नहीं। सी० आई ए० वालों को यही तरीका पसन्द है। जेम्स, काहिरा शत प्रतिशत अपराधियों की बस्ती है। दुनिया का कोई ऐसा जुर्म नहीं है जो वहां नहीं होता। दंगा फसाद खून-खराबा वहां की आम घटनायें हैं। ऐसे स्थान पर रह कर अपराधियों की एक पूरी आर्गेनाइजेशन से टक्कर लेना और फिर जीवित रह पाना बड़ा जटिल काम है। बूचर की सुरक्षा के लिए ही सी० आई० ए० इतनी सावधानी बरत रही है। क्योंकि बूचर और रोलैंड में से कोई भी तुम्हें पहचानता नहीं है इसीलिए बूचर तक तुम्हें पहुंचाने का इतना पेचीदा तरीका सोचा गया है। रौलैंड बूचर और यासमीन दोनों को जानता है। इसलिए वह एक तरह से दो पार्टियों में मीडियम का काम करेगा।"

'यासमीन मुझे कैसे पहचानेगी?'

'उसको तुम्हारे बारे में सूचना भिजवाई जा चुकी है।

वह तुम्हारी सूरत नहीं पहचानती लेकिन एक कोड वर्ड के माध्यम से वह तुम्हें पहचान लेगी।'

'कोड वर्ड क्या होगा?'

'आपरेशन काहिरा।'

'ओ० के० । मैं तैयार हूं।'
'गुड ।' 'एम' सन्तुष्टि पूर्ण स्वर से बोला ।

****

जिस समय बी० ओ० ए० सी० का विशाल बोइंग प्लेन काहिरा के अलमाजा एयरपोर्ट पर उतरा उस समय रात के ग्यारह बजे थे ।
प्लेन को सीढ़ी लगाई गई।
जेम्स बांड प्लेन से उत्तरा और अन्य यात्रियों के साथ एयरपोर्ट की इमारत की ओर बढ़ा ।
इमारत्न के कस्टम के काउन्टर पर एक अरब आफिसर
११४

यात्रियों के पासपोर्ट चक कर रहा था।
जेम्स बांड ने अपना पासपोर्ट कस्टम के काउन्टर पर रख दिया।
अरब आफिसर ने एक उड़ती हुई दृष्टि जेम्स बांड पर डाली और फिर पासपोर्ट का निरीक्षण करते हुए भावहीन स्वर में बोला 'मिस्टर जेम्स नांड?'
दैट्स राइट ।' - 'जेम्स नांड बोला ।
'ब्रिटिश?'
'राइट अगेन ।'
'बिजनेस?'
'नो। टूरिस्ट ।'
'प्लीज वेट हेयर फार ए मुमेन्ट ।' - 'आफिसर बोला और फिर काउन्टर से हट कर पिछले भाग में वने छोट कमरों में से एक में गुम गया।
जेम्स बांड के चेहरे पर गम्भीरता के लक्षण परिलक्षित होने लगे ।

उसकी सतर्क दृष्टि अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन कर रही थी।

कस्टम के एयरपोर्ट से बाहर वाले बैरियर के पास एक अरब पुलिस सार्जेन्ट खड़ा था जो निचित्न नेत्रों से उसे घूर रहा था। जेम्स बांड से दृष्टि मिलते ही वह फौरन विपरीत "दिशा में देखने लगा ।

जेम्स बांड को यूं अनुभव हुआ जैसे वह काहिरा के हवाई अड्डे पर कदम रखले ही कई लोगों की दिलचस्पी का केन्द्र बन गया था ।

लगभग पांच मिनट के बाद कस्टम आफिसर वापिस लौटा । उसने पासपोर्ट जेम्स बांड के सामने रख दिया और फिर मुस्कराता हुआ बोला- 'यूअर पासपोर्ट, सर।'

'ऐनी थिग स्पेशल?' जेम्स बांड ने पूछा ।

'नाट एट आल, सर ।' कस्टम आफिसर बोला-'जस्ट रूटीन चैक अप । आई एम सारी फार इनकनवी-नियन्स ।'

'आई सी।'- जेम्स बांड पासपोर्ट कोट को जेब में

११५

रखता हुआ बोला ।

'य आर मोस्ट वैलकम टु कैरो।' कस्टम आफिसर बोला ।

जेम्स बांड फिर मुस्कराया। और पतलून की जेबों में हाथ डाले बाहर की ओरे चल दिया।

वह एकदम बैरियर के पास खड़े सार्जेन्ट की बगल में से गुजरा'

सार्जेन्ट एक ओर हट गया । जेम्स बांड बाहर आ गया।

उसका सूटकेस कस्टम से चक होकर बाहर पहुंच चुका था।

उसने सूटकेस सम्भाला और एयर पोर्ट की इमारत की लाबी के सिरे पर पहुंच गया ।

उसके आवाज दिए बिना ही एक टेक्सी उसके सामने आ रुकी ।

जेम्स बांड पिछली सीट का द्वार खोलकर भीतर बैठ गया और ड्राइवर से बोला- 'इब्राहीम पाशा स्ट्रीट ।

ड्राइवर ने सहमति सूचक ढंग से सिर हिलाया और टैक्सी चल पड़ी।

जेम्स वांड ने पिछली खिड़की से बाहर झांका।।

पुलिस सार्जेन्ट लाबी में खड़ा जेम्स बांड की जाती हुई टैक्सी को देख रहा था।

टैक्सी एयरोड्रोम की हद से बाहर निकल कर लम्बी सड़क पर दौड़ने लगी ।

दो मिनट बाद एकाएक जेम्स बांड को टैक्सी के पीछे विदेशी मेक की एक काली कार दिखाई दी ।

वह सतर्क हो गया।

अगले पांच मिनटों में उसे विश्वास हो गया कि उसका पीछा किया जा रहा था।

बह काली कार हर समय उसे अपनी टैक्सों के पीछे ही दिखाई दी ।

टैक्सी उस समय एकदम सुनसान रास्ते से गुजर रही थी।

116

एकाएक एक गोली सनसनाती हुई टैक्सी की बगल में से गुजर गई.

पिछली कार में से कोई साइलेंसर लगी रिवाल्वर से फायर कर रहा था।

'तत्काल ही दूसरी गोली चली और टैक्सी के पिछले शीशे के परखने उड़ गये ।

शीशा टूटने की आवाज से टैक्सी ड्राइवर एकदम घबरा गया और उसने टैक्सी का ब्रैक पैडल दबाना आरम्भ कर दिया ।

फौरन ही काली कार उनके समीप होने लगी ।

'ब्रेक मत दबाओ, ईडियट ।'- जेम्स बांड चिल्लाकर बोला- 'स्पीड बढ़ाओ ।'

ड्राइवर ने ब्रेक से पांव हटा लिया, लेकिन गाड़ी ज्यादा तेज नहीं हुई ।

जेम्स बांड लपक कर पिछली सीट से आगे आ गया और ड्राइवर के हाथ से स्टेयरिंग लेता हुआ बोला--'एक और हृटो।'

लेकिन ड्राइव्र ने स्टेयरिंग नहीं छोड़ा। 'नहीं साहब - ।' वह बोला- 'गाड़ी मैं ही चलाऊंगा।'
जेम्स बांड का नपा-तुला दायां हाथ कैरेट चाप को सूरत में ड्राइवर की गर्दन से टकराया। ड्राइवर के मुंह से हाय भी नहीं निकली और उसका निश्चेष्ट शरीर एक ओर झूल गया।

उसी क्षण एक गोली सनसनाती हुई आई और टैक्सी की बाडी से कहीं टकराई।

जेम्स बांड ने एक हाथ से स्टेयरिंग सम्भाला और दूसरे हाथ से ड्राइवर को एक ओर धकेल दिया।

गाड़ी सड़क पर बुरी तरह लहराई। पहले वह एक पेड से और फिर सामने से आते हुए एक ट्रक से टकराते टकराते बची।

ट्रक की वजह से ही पिछली कार वालों को कार की गति कम करनी पड़ी और फिर एक बार फिर टैक्सी और कार में फासला बढ़ गया ।

जेम्स बांड ड्राइविंग सीट पर बैठ गया और उसने स्टेयरिंग को बड़ी मजबूती से अपने हाथों में थाम लिया।

११७

जेम्स बांड ने एक्सीलेटर पर पांव का दबाव बढ़ाना आरम्भ कर दिया।
टैक्सी सुनसान सड़क पर बन्दूक से छूटी गोली की तरह भाग निकली ।

पिछली काली कार की रफ्तार भी बढ़ गई ।

शीघ्र ही जेम्स बांड को अनुभव होने लगा कि टैक्सी के मुकाबले में पिछली कार का इन्जन ज्यादा शक्तिशाली था। पिछली कार की स्पीड बढ़ती जा रही थी और वह किसी भी क्षण टैक्सी को पकड़ सकती थी ।

दो मिनट में ही पिछली कार टैक्सी के एकदम पीछे पहुंच गई।

जेम्स बांड ने रिवर व्यू 'मिरर में देखा। एक आदमी कार की खिड़की में से हाथ निकालकर उसे रिवाल्वर का निशाना बनाने के लिए फायर कर रहा था ।

दो गोलियां सनतनाती हुई पीछे की टूटी हुई खिड़की में से होती हुई उसके कान के पास से गुजर गयी और फिर सामने की विड स्क्रीन के परखचे उड़ गये ।

उस मुसीबत से बचने का जेम्स बांड को एक ही रास्ता नजर आया।

एकाएक उसने पूरी शक्ति से ब्रेक का पैडल दबा दिया । कार के पहियों की चरचराहट से वातावरण गूंज गया।

सड़क से रगड़ खाकर पहियों के रबड़ के जलने की दुर्गन्ध चारों ओर फैल गई और फिर सत्तर मील की रफ्तार से भागती हुई टैक्सी एकदम गति शून्य हो गई ।

जेम्स बांड ने अपना सूटकेस सम्भाला, फिर ड्राइविंग सीट का द्वार खोला और अपने शरीर को फेंक दिया।

पिछली कार की ब्रेकों की चरचराहट की आवार्ज जेम्स बांड के कानों में पड़ी, फिर किसी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी और फिर एक गगनभेदी आवाज के साथ पिछली कार टैक्सी से जा टकराई।

जेम्स बांड का शरीर कुछ क्षण लुढ़कनियां खाता रहा और फिर वह सम्भल गया ।

कुछ क्षण दोनों कारें एक-दूसरे को लपेटे दिखाई दी फिर टैक्सी उलट गई और काली कार टैक्सी से उलझी उसे अपने साथ लपेटती सड़क से उतरकर एक पेड़ से जा टकराई।

कोई जोर से चिल्लाया और फिर काली कार की पैट्रोल की टंकी में से आग का शोला सा लपकता हुआ दिखाई दिया।

काली कार का पिछला द्वार भड़ाक से खुला और उसमें दो आदमी लड़खड़ाते हुए बाहर निकल आये ।

अगली सीट पर दो और आदमी दिखाई दे रहे थे। उनमें से एक का शरीर निश्चेष्ट था लेकिन दूसरा पिछली सीट और स्टेयरिंग व्हील के बीच में

फंसा हुआ आतंकित स्वर में बुरी तरह चिल्ला रहा था । कार का अगला भाग जल रहा था और आग की लपटें उस तक पहुंचने ही वाली थी ।

कार की पिछली सीट से बाहर निकले उसके दो साथियों ने उसे बचाने का उपक्रम नहीं किया। वे दोनों आदमी कार से दूर उस दिशा में भागे जिधर जेम्स बांड सड़क से नीचे खड्डे में लेटा हुआ था।

वे जेम्स बांड से थोड़ी दूर आकर रुक गये और एक पेड़ का सहारा लेकर हांफने लगे उनमें से एक आदमी के हाथ में रिवाल्वर थी और जलती हुई कार की लपटों के प्रकाश में उसका सारा चेहरा खून से लथपथ दिखाई दे रहा था।

जेम्स बांड दबे पांव आगे बढ़ा और फिर उसने रिवाल्वर वाले पर छलांग लगा दी। रिवाल्वर वाले को सम्भलने का भी मौका नहीं मिला कि रिवाल्वर उसके हाथ से निकल कर दूर सड़क पर जा पड़ी। वो आदमी जिसने शायद एक्सीडेंट में कम चोट खाई थी, जेम्स बांड पर झपटा।

जेम्स बांड के दोनों हाथ रिवाल्वर वाले की गरदन से लिपटे हुए थे। उसके पांव की ठोकर उस पर झपटते हुए दूसरे आदमी के पेट से टकराई और वह एकदम पीछे की ओर उलट गया।

जेम्स बांड ने रिवाल्वर वाले की गर्दन पर एक शक्ति-शाली प्रहार किया। रिवाल्वर वाले का भारी शरीर जेम्स बांड के हाथों में लहरा गया। जेम्स बांड ने उसके शरीर से अपनी पकड़ ढीली कर दी। रिवाल्वर वाले का अचेत शरीर 'धम्म की आवाज से पथरीली सड़क पर आ गिरा।

दूसरा आदमी सड़क से उठ चुका था और बिजली की तेजो से रिवाल्वर की और भाग रहा था। जेम्स बांड भी उसके पीछे झपटा।

119

रिवाल्वर पर उसका हाथ पहुंचने से पहले ही जेम्स बांड का पांव उसकी पसलियों से टकराया और वह फुटबाल को तरह दूसरी ओर उछल गया।

जेम्स बांड ने उसे दुबारा सम्भलने का मौका नहीं दिया। वह फिर उसके सिर पर पहुंच गया। उसने उस आदमी का गिरहह्वान पकड़कर उठाया और फिर उसके पेट में तीन चार वजनी घूंसे जड़ दिए ।

उस आदमी के नेत्न उबल पड़े। उसका चेहरा सुर्ख हो गया और आंखों में से पीड़ा के आंसू निकलने लगे ।

जेम्स बांड ने उसके शरीर को एक जारदार झटका दिया और फिर कठोर स्वर में पूछा 'कौन हो तुम?'
उत्तर में वह आदमी घिघियाता हुआ अरवी में कुछ बोला ।
'अंग्रेजी में बोलो।'- जेम्स बांड डपटकर बोला । वह फिर अरबी में कुछ बोला । जेम्स बांड का दांया हाथ घूंसे की सूरत में उसके चेहरे की ओर बढ़ा ।
"मुझे छोड़ दो। मुझे छोड़ दो।'- एकाएक वह आतंकित स्वर से चिल्लाया।
इस बार वह अंग्रेजी में बोला था।
'कौन हो तुम?' 'जेम्स बांड ने अपना प्रश्न दोह-राया।
'मैं इन लोगों का साथी हूं।' - 'वह आदमी टूटी-फूटी अंग्रेजी में जलती हुई कार और सड़क पर गिरे रिवाल्वर वाले आदमी की ओर संकेत करता हुआ बोला ।
तुम लोग जानते हो, मैं कौन हूं?'
'नहीं!'
'फिर तुम मुझे मारने की कोशिश क्यों कर रहे थे?'
'हमें एयरोड्रोम पर पासपोर्ट पर लगीं आपकी तस्वीर दिखाई गई थी और आदेश दिया गया था कि एयरोड्रोम से बाहर की सुनसान सड़क पर कहीं हम आपकी हत्या कर दें।'
'तुम्हें पासपोर्ट की तस्वीर किसने दिखाई थी?'
'मुझे नहीं मालूम वह कौन था।'
'वह कस्टम आफिसर था ।'
'नहीं!'
'तुम किसके लिए काम करते हो? मेरी हत्या का आदेश १२०

तुम्हें किसने दिया था? तुम्हारा बास कौन है?'

'मुझे कुछ नहीं मालूम, साहब। हम लोग तो किराये के आदमी हैं। हमें सौ पौंड के बदले में आपकी हत्या करने के लिए कहा गया था?'

'किसने कहा था?'

'हमने उस आदमी की सूरत नहीं देखी ।'

'तुम लोग कहां मिले थे उसे?'

'नील नदी में कैसर-अल-नील ब्रिज के पास एक बहुत बड़ी हाउसबोट खड़ी थी। हमें उसी में बुलाया गया था। जिस आदमी ने हमें सौ पाउन्ड और आपकी हत्या का आदेश दिया वह अन्धेरे में था इसलिए हम उसकी सूरत नहीं देख पाये थे ।'

'उस हाउस बोट की कोई पहचान बताओ।'

'नील नदी में खड़ी वह सबसे बड़ी हाउस बोट है। पूरा महल मालूम होता है। उसका आकार ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है, मास्टर ।'

जेम्स बांड सोचने लगा। वह आदमी भयभीत सा उसकी पकड़ में दबा हुआ था ।

फिर एकाएक बिना किसी चेतावनी के जेम्स बांड का हाथ घूमाः।

उस आदमी के मुंह से एक हल्की सी सिसकारी निकली और वह बेहोश हो गया।

जेम्स बांड ने उसके शरीर को सड़क पर डाल दिया । कार से निकलते हुए शोलो की लपेट में अब टैक्सी भी आ गई थी। काली कार के स्टेरिंग-व्हील के पीछे फंसे हुए आदमी की चीख पुकार न जाने कब वन्द हो गई थी।

जेम्स बांड ने अपने कपड़ों पर दृष्टि डाली । उसकी कमीज मैली हो गई थी। टैक्सी से गिरने के बाद सड़क पर रगड खाने की वजह से सूट कइ जगह से उधड़ गया था। उसके शरीर और चेहरे पर भी कई स्थानी पर खरोचे आ गई थीं। उसने अपने कपड़ों को झटककर उनमें से धूल उड़ाईं और फिर सड़क पर गिरी हुई रिवाल्वर उठा ली। उसने रिवाल्वर का चैम्बर खोल कर देखा उसमें अभी भी तीन गोलियां बाकी थीं। रिवाल्वर को उसने अपनी पैंट की बैल्ट में घोंस लिया ।

१२१

उसने अपना सूटकेस सम्भाला और सड़क पर एयरो-ड्रोम से विपरीत दिशा की ओर चल दिया।

पूरे दो मील चलते रहने के ही बाद उसे आबादी के दर्शन हुए।

सौभाग्यवश वहीं उसे एक खाली टैक्सी मिल गई ।

जेम्स बांड टैक्सी की पिछली सीट पर बैठ गया।

टैक्सी ड्राइवर ने विचिव नेत्रों से उसके छिले हुए चेहरे और फटे हुए धूल भरे कपड़ों को देखा लेकिन वह मुंह से कुछ नहीं बोला ।

इब्राहीम पाशा स्ट्रीट ।'- 'जेम्स बांड बोला और फिर उसने सीट की पीठ के साथ सिर टिकाकर नेत्र बन्द कर लिए ।

टैक्सी एक हल्के से झटके के साथ आगे बढ़ गई।

****

इब्राहीम पाश स्ट्रीट में चौदह नम्बर इमारत एक पुरानी सी चार मन्जिली इमारत थी ।

जेम्स बांड ने टैक्सी वाले का किराया चुकाया और सूटकेस हाथ में लिए इमारत की ओर बढ़ा ।

इमारत में सन्नाटा छाया हुआ था ।

इमारत के मुख्य द्वार के साथ लगी अपना राष्ट्रीय परि-धान पहने हुए दो अरब लड़कियां खड़ी थीं। उनमें से एक जेम्स बांड को देखकर मुस्कराई।

जेम्स बांड ने इमारत की लाबी में दृष्टि दौड़ाई। लाबी 'उजाड़ पड़ी थी। इतनी बड़ी इमारत में यासमीन का फ्लैट तलाश कर पाना आसान काम

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

'[illegible] [illegible] [illegible]'- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

'[illegible] [illegible] !'- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]- '[illegible] [illegible] [illegible]..!'

'[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]'- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

'थैंक्यू ।'- जेम्स बांड उनकी और झुकता हुआ बोला और फिर इमारत के भीतर घुस गया।

वह सीढ़ियों रास्ते तीसरी मंजिल पर पहुंच गया ।

फिर उसने लड़कियों द्वारा बताये हुए फ़्लैट के प्रवेशद्वार की पैनल में लगे बैल पुश पर उंगली रख दी।

दूसरी ओर से किसी द्वार के समीप आने की आवाज सुनाई दी। कोई चलता हुआ द्वार के दूसरी तरफ आकर रुक गया।

फिर एकाएक द्वार खुल गया।

१२३

जेम्स बांड क अपने सामने औरिएंटल सुन्दरता का एक अद्वितीय उदाहरण खड़ा दिखाई दिया। वह एक संग मरमर में से तराशे हुए से नाक-नक्शों वाली एक बेहद' कमसिन युवती थी। उसकी गहरी काली आंखों में जवानी की गहरी चमक थी, होंठ गुलाब की पंखड़ियों की तरह खिले हुए थे और उसके लम्बे, गहरे काले बाल उनके कन्धों पर बिखरे हुए थे। वह एक ढीला सा यूरोपियन स्टाइल का लम्बा गाउन पहने हुए थी। जिसमें से उसके पुष्ट वक्ष का उभार अलग दृष्टिगोचर हो रहा था ।

'हल्लो ।' जेम्स बांड अपने चेहरेपर एक आश्वासन-पूर्ण मुस्कराहट लाता हुआ बोला ।

लड़की के नेत्रों में संदेह की छाया तैर गई।

'यस?'- वह संदिग्ध स्वर से बोली ।

'मैं यासमीन से मिलना चाहता हूं।'- जेम्स बांड बोला ।

लड़की एक क्षण चुप रही और फिर बोली- यासमीन से क्यों मिलना चाहते हैं आप.?'

'यह मैं यासनीन को ही बताऊंगा!'

'फरमाइये । मैं ही यासमीन हूं।'

जेम्स बांस अर्थपूर्ण ढंग से 'उसके नेत्रों में झांकता हुआ बोला - 'आप्रेशन काहिरा।'
लड़की के चेहरे के भाव एकदम बदल गये। वह फौरन द्वार से एक ओर हट गई और गम्भीर स्वर में बोली-'प्लीज कम इन ।'
जेम्स बांड भीतर प्रवेश कर गया।
यासमीन ने तत्काल द्वार वन्द कर दिया ।
'मेरा नाम जेम्स बांड है-' जेम्स वांड बोला ।
यासमीन ने एक बार सिर से पांव तक उसको देखा और फिर बोली- 'तुम्हारी यह हालत कैसे हुई मिस्टर बांड?''
'रास्ते में एक हादसा हो गया था।" - जेम्स बांड बोला और उसने घटना यासमीन को कह सुनाई ।।
'मतलब यह कि तुम शत्रुओं की निगाहों में आ चुके हो?'
'ऐसा ही मालूम होता है।'
तुम एरोड्रोम से सीधे यहीं आ रहे हो?'
१२४
'हां!'
'तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिये था ।'
'क्यों?'
'शायद किसी ने तुम्हारा यहां तक पीछा किया हो।'
'मेरा किसी ने पीछा नहीं किया है-' जेम्स बांड निश्चयपूर्ण स्वर से बोला- 'और फिर उन चारों आदमियों में से किसी को मैंने पीछा करने के काबिल छोड़ा ही कहां था।'
यासमीन एक क्षण चुप रही और फिर बोली- 'तुम्हारे पास और कपड़े हैं?' जेम्स बांड ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

'प्लीज चेंज-' यासमीन कमरे के कोने के एक द्वार की और संकेत करती हुई बोली ।

जेम्स बांड ने अपना सूटकेस उठाया और उस द्वार की ओर बढ़ गया।

वह एक बाथरूम था!

जेम्स बांड ने स्नान किया, नया सूट पहना और फिर सूटकेस हाथ में थामे बाहर निकल आया ।

यासमीन एक कुर्सी पर बैठी हुई थी।

'फाइन ।' वह बोली ।

जेम्स बांड उसके सामने की एक कुर्सी पर आकर बैठ गया।

मेरे बास ने मुझे बताया था' जेम्स बांड ने कहना किया - 'कि तुम नील होटल के रौलैंड नाम के किसी आस्ट्रलियन को जानती हो जो मुझे सी० आई० ए० एजेन्ट एन्थोनी बूचर से..।'

'मुझे मालूम है-' यासमीन उसकी बात काटकर बोली। फिर उसने अपनी नन्ही- सी घड़ी पर दृष्टि डाली और बोली- 'एक बज चुका है। इस वक्त रौलैंड से मिलना तो सम्भव हो सकता है - वह अभी नील होटल में ही होगा लेकिन वह आज ही तुम्हें बूचर से मिलवा पायेगा, इसका मुझे भरोसा नहीं है। तुम रौलैंड से आज ही मिलना चाहते हो?

'हां।'

'क्या यह अच्छा नहीं होगा कि आज तुम किसी होटल:में जाकर आराम करो और कल हम..।'

'नहीं, अभी मिलना ठीक रहेगा। जो काम जितनी जल्दी हो जाये उतना ही अच्छा है।'

'आल राइट ।' - यासमीन अपने स्थान से उठती हुई बोली- 'तुम यहीं ठहरो। मैं कपड़े बदलकर आती हूं।'

'ओ० के०!!

यासमीन अपने स्थान से उठी और पीछे के कमरे की ओर बढ़ी जो वास्तव में बैडरूम आ ।

उसी क्षण कालबैल की तीव्र आवाज से वातावरण गूंज गया।

यासमीन अपने स्थान पर ठिठककर खड़ी हो गई।
जेम्स बांड ने प्रश्नसूचक दृष्टि से यासमीन की ओर देखा।

यासमीन ने अनभिज्ञतापूर्ण ढंग से कन्धे उचकाने और फिर निःशब्द द्वार की ओर बड़ी ।

जेम्स बांड ने देखा, द्वार में आंख के लैवल में एक लगभग आधा इंच व्यास का लैस लगा हुआ था। जेम्स बांड को इस इन्तजाम की पूरी जानकारी थी । उस लैंस की सहायता से भीतर से बाहर तो देखा जा सकता था लेकिन बाहर से भीतर देख पाना सम्भव नहीं था।

यासमीन ने उस लैंस पर अपनी आंख लगा दी। एकाएक बह द्वार के समीप से हट गई और जेम्स बांड के पास आकर धीमे स्वर से बोली- 'पुलिस!'

जेम्स बांड तत्काल अपने स्थान से उठकर बड़ा हो गया। उसी क्षण फ्लैट की अन्टी फिर बज उठी। इस बार घन्टी पहले से बहुत ज्यादा देर तक बजती रही ।

जेम्स बांड दबे पांव द्वार की ओर लपका। उसने द्वार में लगे लैंस में से बाहर शांका।

बाहर वही सार्जेन्ट खड़ा था जो जेम्स बांड को अलमाजा एयरपोर्ट पर कस्टम के बैरियर के समीप बड़ा दिखाई दिया। सार्जेन्ट का हाथ अपनी बैल्ट में लगी रिवाल्वर पर था । सार्जेन्ट के पीछे तीन सिपाही खड़े थे जो सूरत से कानूनः के रक्षक कम और गुंडे ज्यादा लग रहे थे।

जेम्स बांड को आसार अच्छे दिखाई नहीं दे रहे थे। वह द्वार से हट गया।

१२६

उसी क्षण किसी ने जोर से द्वार को भड़भड़ा दिया ।

'यहां से बाहर निकलने के लिये कोई दूसरा दरवाजा है?'- जेम्स बांड ने जल्दी से पूछा ।

यासमीन ने नकारात्मक ढंग से सिर हिला दिया ।

'फायर ऐस्केप?'

'नहीं है।'

'यहां कोई छुपने की जगह ?'

'नहीं।'

'नहीं हैं।'

उसी क्षण द्वार फिर भड़भड़ाया गया।

जेम्स बांड लपक कर बैडरूम में घुस गया और पिछवाड़े की खिड़की के पास पहुंचा। उसने खिड़की से बाहर झांका ।

नीचे गली अन्धेरी और सुनतान पड़ी थी। उधर से नीचे गली उतर पाने की कोई सम्भावना नहीं थी। गली लगभग पन्द्रह फुट चौड़ी थी और उसकी दूसरी ओर खिड़की के सामने ही एक इमारत. की खपरैल की बनी ढलुवा छत थी जिस पर एक लोहे के पोल के सहारे अरब गणतन्त्र का एक बहुत बड़ा झंडा लहरा रहा था। पोल छत पर एक इस प्रकार गड़ा हुआ था कि झंडे का कंपड़ा दोनों इमारतों के बीच तक पहुंच रहा था। जेम्स बांड ने मन ही मन झंडे के कपड़े की मजबूती का अनुमान लगाया और फिर फौरन ही एक निश्चय कर लिया ।

वह वापिस यासमीन के समीप लौटा ।

'तुम मेरे सूटकेस को छुपाने का तो कोई इन्तजाम कर सकती हो?'

यासमीन ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

द्वार फिर बड़ी जोर से भड़भड़ाया गया और साथ ही कोई गरजती हुई आवाज में अरबी में कुछ बोला।

'मैं तीन बजे तक नील होटल में तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा अगर आज आ सको तो आ जाना, वर्ना कल मुझे सेमीरामिस होटल में मिलना।'

'ओ० के० ।'

'तुम दरवाजा जल्दी न खोलने के बारे में क्या दलील दोगी?' जेम्स बांड ने तनिक चिन्तित स्वर में पूछा।

'मैं नहा रही थी। पानी के शोर में घन्टी की आवाज

१२७

नहीं सुन सकी और फिर वाथरूम से फौरन निकलकर द्वार कैसे खोल सकती थी मैं? -' यासमीन भोले स्वर से बोली ।

जेम्स बांड ने सन्तुष्टिपूर्ण ढंग से सिर हिलाया और बैडरूम की ओर बढ़ गया ।

बैडरूम की खिड़की के समीप पहुंचकर उसने घूमकर अपने पीछे देखा । यासमीन का गाऊन उसके शरीर से अलग हो चुका था और अव एक कुर्सी की पीठ पर झूल रहा था। उस । कुन्दन जैसी नग्न देह की 'एक झलक जेम्स बांड को मिली और फिर वह बाथरूम में प्रविष्ट हो गई ।

जेम्स बांड खिड़की की चौखट पर चढ़ गया और सतं-र्कता से प्रतीक्षा करने लगा।

सामने इमारत पर लहराते हुए झण्डे का कपड़ा जब हवा में फड़फड़ाता हुआ उसके पास से गुजरने लगा तो जेम्स बांड ने चीते की तरह उसकी ओर हवा में छलांग लगा दी।

झण्डे का एक छोर उसके हाथ आ गया और अगले ही क्षण वह लण्डे को पकड़े हुए दोनों इमारतों के बीच जमींन से चालीस फुट ऊपर हवा में झूल रहा था।

जेम्स वांड ने अपने शरीर को सरकस के ट्रेपीज के खिलाड़ी की तरह हवा में सामने की इमारत की खपरैल की छत की ओर झुलाया।

उसी क्षण एक अप्रत्याशित बात हो गई ।

झण्डे का कपड़ा उतना मजबूत नहीं था, जितना जेम्स बांड ने सोचा था।
एकाएक कपड़ा एक चरचराहट की आवाज से फटने लगा और जेम्स बांड का शरीर फटते हुये झण्डे के साथ तेजी से नीचे गली की ओर झुकने लगा।

इससे पहले कि झण्डा फट जाता और जेम्स बांड के हाथ मैं थमे कपड़े को सम्पर्क लोहे के पोल से समाप्त हो जाता और वह चालीस फूट नीचे गली में जा गिरता, जेम्स बांड ने अपने शरीर को एक आखिरी झटका दिया, उसका

शरीर सामने की इमारत की ओर लहराया और फिर उसने फटते हुए झण्डे को हाथ से छोड़ दिया।

उसका शरीर एक भड़ाक की आवाज के साथ जाकर खपरैल की छत पर गिरा । जेम्स बांड तत्काल अपना बैलेंस नहीं सम्भाल पाया और वह खपरैल की ढालुवां छत पर से फिसलता हुआ फिर नीचे गली की ओर गिरने लगा।

128

ढलुचां छत के कोने पर एक लगभग छः इन्च ऊंचीं पथरीली मुंडेर थी जिससे जेम्स बांड के पांव टकराये और वह एकदम् गली की ओर उलट गया ।

उसके हाथ हवा में लहराये और फिर सौभाग्य वश छत के कोने की उसी मुंडेर पर उसका एक हाथ जा पड़ा ।

अगले ही क्षण जेम्स बांड केवल एक हाथ के सहारे अधर में लटका हुआ था।

शीघ्र ही उसका दूसरा हाथ भी मुंडेर पर पहुंच गया । उसने एक सतर्क दृष्टि नीचे गली की ओर डाली और फिर उसके शरीर में झुरझुरी सी दौड़ गई। उसने उस ओर से फौरन दृष्टि हटा ली और अपनी बांहों के सहारे ऊपर उठने का प्रयत्न करने लगा।

पहले एक पांव मुंडेर पर पहुंचा, फिर दूसरा और फिर जेम्स बांड इमारत की खपरैल की ढलुत्रां छत पर पेट के बल लेटा हुआ हांफ रहा था और अपनी सांस व्यवस्थित करने का प्रयत्न कर रहा था।

सारा कुछ एक मिनट से भी कम समय में हो गया था।
जेम्स बांड ने सिर घुमाकर यासमीन के फ्लैट की ओर देखा ।

बैडरूम की रौशनी जल उठी थी। फिर उस खिड़की में साजेंन्ट दिखाई दिया।
उसके पीछे ही यासमीन खड़ी थी। उसने अपने शरीर पर एक बड़ा-सा तौलिया लपेटा हुआ था। उसके बाल गीले थे और पानी की बूंदें अभी भी उसके बालों से टपक-टपक कर उसके नंगे कन्धों पर गिर रही थी।

सार्जेन्ट ने खिड़की से बाहर सिर निकाल कर नीचे झांकी, फिर यासमीन से कुछ कहा, फिर एक उड़ती-सी दृष्टि जेम्स बांड की दिशा में डाली और फिर वह खिड़की पर से हट गया।

अन्धकार में खपरैल की छत पर पड़ा हुआ, जेम्स बांड उसे दिखाई नहीं दिया था।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□

□□□

□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□-□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□

□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □ □□□ □□ □□□ □

□□□□□□ □□□□ □□□ □

□□□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□. □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□

□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □ □□□□□□ □□□□ □□ □

□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□, □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □

□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □

□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□

'□□□□□□□□□□ □□□□ □'-- □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □

□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □

□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□

131

के लिये न जाने क्यों उसका मन गवाही नही दे रहा था।

रात को नौ बजे यासमीन आई। उसके पीछे-पीछे हट कर एक वेटर जेम्स बांड का सूटकेस उठाये चला रहा था।

'इतनी देर?'- जेम्स बांड ने प्रश्न किया।

इससे पहले यहां आ पाना सम्भव नहीं था।'- यासमीन खोली। वह योरोपियन ड्रेस पहने हुये थी उसके चेहरे पर हल्का सा मेकअप भी था और इस समय वह पिछली रात से कई गुना सुन्दर लग रही थी।

'कोई विशेष बात?'

'मैंने दो वार इस ओर आने का इरादा किया और दोनों ही बार किसी न किसी को अपना पीछा करते पाया ।'

'तुम्हारा पीछा कौन कर रहा था?'

'एक बार वही पुलिस सार्जेन्ट जो पिछली रात को मेरे फ्लैट पर आया था और दूसरी बार एक अन्य व्यवित जो जरूर उसी का ही आदमी होगा।"

'कल सार्जेन्ट क्या चाहता था?'

'उसने विशेष कुछ नहीं बताया। उसने कहा कि वह एक ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जो एक अन्तर्राष्ट्रीयॅ स्मग-लर है और जो पुलिस को डाज देकर चौदह नम्बर इमारत में घुस गया है और वे उसी की तलाश में हर फ्लैट की सलाशी ले रहे हैं।'

'उन्हें तुम पर सन्देह तो नहीं हुआ?'

'नहीं। सार्जेन्ट ने तुम्हें इमारत में प्रविष्ट होते जरूर देखा था लेकिन उसके बाद तुम कहां गये, इस विषय में वह निश्चित कुछ नहीं कह सकता था। लेकिन साजेंन्ट के हर एक्शन से यही मालूम होता था कि अगर तुम अभी तक मेरे फ्लैट में आये नहीं हो तो आ जओगे जरूर । इसलिये दो आदमियों को हर समय मैंने अपने फ्लैट की निगरानी करते पाया था। मेरा पीछा भी वह इसीलिये करते हैं कि शायद मैं तुमसे सम्पर्क स्थापित करूं।'

'लेकिन मेरी समझ में यह नहीं आता कि मेरे काहिरा में प्रवेश करते ही काहिरा की पुलिस क्यों मुझ में इतनी दिल-'चस्पी लेने लगी है?' यासमीन एक क्षण चुप रही और बोली- 'मेरे ख्याल से
१३२

काहिरा की पुलिस तुम में दिलचस्पी नहीं ले रही है।'
'तो फिर वह पुलिस सार्जेन्ट?'
'वह पुलिस सार्जेन्ट नही मालूम होता। मेरे ख्याल से' तो वह कोई बदमाश है जो पुलिस साजेन्ट के रूप में तुम्हारे पीछे पड़ने में अपनी सुरक्षा और सहूलियत महसूस करता है। अपने हाव-भाव से वह मुझे कतई पुलिस का आदमी नहीं मालूम हुआ।'
'सम्भव है।'- जेम्स बांड स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिलाता हुआ बोला। उसे सार्जेन्ट के साथी सिपाहियों की' सूरते याद आ गयी । वे तो एकदम छटे हुये बदमाश मालूम होते थे ।
'काहिरा में आते ही तुम्हारा शत्रु के आदमियों की नजर में आ जाना कोई अच्छी बात नहीं है।'- यासमीन चिन्तित स्वर में बोली ।
'देखा जायेगा।' जेम्स बांड लापरवाही से बोला-'फिलहाल तो तुम मुझे रोलैंड से मिलवाओ।'
चलो ।'- यासमीन बोली ।
'यहाँ तक किसी ने तुम्हारा पीछा तो नहीं किया?"
'नहीं।'
'तुम्हें पूरा विश्वास है?'
'हां!'
'चलो।' जेम्स बांड बोला ।
दोनों बाहर निकल आए ।

कमरे से निकलने से पहले जेम्स बांड अपनी पतलून की बेल्ट में वह रिवाल्वर खोंसना नहीं भूला था जो उसने एयरोड्रोम के रास्ते में बदमाशों से छीनी थी और जिसमें अभी भी तीन गोलियां बाकी थी ।

दोनों होटल से बाहर निकल आये ।

यासमीन कार लाई थी। वह ड्राइविंग सीट पर बैठ गई । जेम्स बांड उसकी बगल में बैठ गया।.

यासमीन ने कार आगे बढ़ा दी ।

कार ड्राइव करते समय उसकी स्कर्ट उसके घुटनों से काफी ऊपर जांघों तक सरक आयी थी। जेम्स बांड की प्रशंसात्मक निगाहें उसकी खूबसूरत और सुडौल टांगों पर टिकी हुई थीं।

१३३

थोड़ी देर बाद यासमीन ने जेम्स बांड की ओर देखा उसने जेम्स बांड की निगाहों का अनुसरण किया और कर स्टेयरिंग से हाथ हटा कर बड़े नर्वस ढंग से स्कर्ट को थोड़ा नीचे सरका लिया ।

जेम्स बांड ने एक गहरी सांस ली और धीमे स्वर में बोला- 'तुम बहुत खूबसूरत हो।'

'हां, शायद -- 'यासमीन सहज स्वर में बोली- काफी लोगों ने यह बात बताई है मुझे ।'

'तुम वाकई बहुत खूबसूरत हो!'

थैंक्यू फार दि काम्पली मैंट।'

'क्या यहां की बाकी लड़कियां भी तुम्हारी ही जैसी खूबसूरत होती हैं?'

""मैंने कभी ध्यान नहीं दिया। जिन्हें मैं जानती हूं वे तो खूबसूरत ही हैं।'

'तुम्हारे ही जैसी?'

'मुझसे ज्यादा!'

'असंभव! तुमसे ज्यादा खूबसूरत कोई लड़की कैसे हो सकती है?'
यासमीन चुप रही ।
'मुझे बताया गया है कि तुम बैली डान्स'र हो?'
'तुम्हें ठीक बताया गया है।'
'क्या कभी तुम्हारी परफारमेंस देखने का सौभाग्य प्राप्त हो सकता है ?'
'जरूर हो सकता है।'
'कब? कहां?'
'सप्ताह' में तीन दिन नील होटल मैं ही रात को मेरी दो परफारमेंस होती है। एक दस बजे और दूसरी बारह बजे ।'
"लेकिन आज मैं तुम्हारा नृत्य कैसे देख पाऊंगा? आज तो रोलैंड मुझे बूचर से मिलवाने ले जाने वाला है?'
'सब कुछ हो जायेगा ।' - यासमीन शान्त स्वर में बोली ।
'लेकिन मैं तो तुम्हारी प्राइवेट परफारमेंस का जिक्र कर रहा था।' जेम्स बांड बोला।
'क्या मतलब?'
१३४

'मतलब यह कि क्या ऐसा नहीं हो सकता कि कभी तुम्हारा नृत्य देखने का सौभाग्य मुझे केवल मुझे - प्राप्त हो? बहां तुम्हारे और मेरे सिवाय कोई न हो। तुम नाचो, ..."
'आई एम सारी, मिस्टर बांड - 'यासमीन उसकी बात काट कर बोली --ऐसा सम्भव नहीं होगा।'
'क्यों?'

'मुझे डर है कि एकान्त में मेरे नृत्त्य का तुम्हारे दिल की धड़कन पर कोई अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

'मेरा दिल बहुत मजबूत है।' - जेम्स बांड बोला और एकाएक उसने अपनी बांहें यासमीन के गले में डाल दी।

उसने यासमीन के शरीर में एक हल्की सी सिहरन महसूस की, फिर कार ने एक गहरा अर्धवृत्ताकार मोड़ काटा और फिर एकाएक ब्रेकों की चरचमराइट की आवाज हवा में गूँजी और कार रुक गयी।

'नील होटल आ गया मिस्टर बांड' यासमीन बोली। जेम्स बांड ने एक गहरी सांस ली और अपनों हाथ यासमीन के कन्धे से हटा लिया ।

यासमीन ने कार का इग्नीशन ऑफ कर दिया लेकिन चाबी बाहर नहीं निकाली।

एक ड़ोर मैंन ने आगे बढ़कर कार का द्वार खोला।

जेम्स बांड बाहर निकल अग्या।

यासमीन भी कार से निकली और जेम्स बांड की बगल में आ गई।

होटल का ही एक कर्मचारी कार के स्टियरिंग पर जा बैठा और कार को पार्किंग की ओर बढ़ा ले गया ।

डोरमैन ने यासमीन को ठोक कर सलाम किया।

फिर होटल का मैनेजर यासमीन को स्वयं रिसीव करने के लिये आया।:

मैनेजर उन्हें बैडस्टैण्ड के समीप कोने की एक सेज, की ओर ले चला।

रास्ते में यासमीन लोगों के अभिवादनों का उत्तर एक मीठी मुस्कराहट से देती हुई मैनेजर के साथ चलती रही ।

यासमीन वर्हा जानी पहचानी सूरत थी और सब लोग उसे सम्मान की दृष्टि से देख रहे थे ।

१३५

'अक्सर लोग यासमीन को विश करने के बाद जेम्स बॉन्ड को बडे विचित्र नेत्रों से देखते थे ।

मैनेजर उन्हें उनकी टेबल पर ले आया।

फौरन उन्हें ड्रिंक्स सर्व हो गये ।

मैनेजर ने यासमीन को अरबी में कुछ कहा और फिर वहां से हट गया।

बैडस्टैण्ड पर एक विलायती लड़की हाथ में माइक लेकर खड़ी थी और बड़े उत्तेजक हाव-भाव के साथ एक प्रणय गीत गा रही थी। गीत के ताल-मेल के साथ आर्केस्ट्रा वातवरण में पाश्चात्य संगीत की उत्तेजक स्वर लहरियां प्रवाहित कर रहा था।

'यही रोलैण्ड है न?' जेम्स बांड ने ड्रमर की ओर एक गुप्त संकेत करते हुये यासमीन से पूछा ।

यासमीन ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिलाया ।

कल जेम्स बांड का अनुमान ठीक था ।

उसी समय गीत समाप्त हो गया। बैड बजना बन्द हो `गया।

लोगों ने औपचारिक रूप से तालियां बजायी ।

रौलैंड ने बैटन को ड्रम की साइड में फंसा दिया और अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। फिर उसने यासमीन की दिशा में देखा ।

रोलैंड मुस्कराया।

यासमीन ने भी मुस्कराहट का उत्तर मुस्कराहट से दिया। फिर उसने रोलैंड को संकेत किया ।

रोलैंड कुछ क्षण वहीं खड़ा रहा और फिर लापरवाही से टहलता हुआ यासमीन की मेज की ओर बढ़ा।

'हां, बेबी!'- समीप आकर वह यासमीन से बोला । जैस्म बांड की ओर उसने दृष्टिपात करने की भी तकलीफ नहीं की थी।

यासमीन मुस्कराई और बोली - 'बैठो।'

रौलैंड एक कुर्सी खींचकर बैठ गया ।

वेटर बिना कहे ही रोलैंड को ड्रिंक सर्वे कर गया।
'रोलैंड ।' यासमीन बोली- 'मीट मिस्टर जेस्म बांड।'
रोलैंड ने एक बार यासमीन की ओर देखा, फिर जेस्म
१३६

बांड की ओर देखा और फिर बोला- 'हलो देयर!'
रोलैंड के चेहरे के भावों में तनिक भी परिवर्तन नही हुआ था । 'हेलो.'- जेम्स बॉन्ड ने मुस्कुराते हुए कहा।
रोलैण्ड ने फिर यासमीन की और मुंह फेर लिया। प्रत्यक्षतः यासमीन की मौजूदगी में उसे जेम्स बांड दिलचस्पी का विषय नहीं मालूम हो रहा था।
:

"रोलैण्ड ।'- यासमीन बोली- 'मिस्टर बाँड काहिरा में तुम्हीं से मिलने आये हैं?'
'मुझसे?' रौलैंड अप्रितभ स्वर में बोला। उसने एक बार फिर जेम्स बाँड की ओर दृष्टिपात किया ।
'हां।'
'क्यों?'
'आपरेशन काहिरा ।'- यासमीन धीमे स्वर से बोली ।
'ओह, आई सी -' रौलँड बोला- 'आई सी ।'
फिर उसने जेम्स बांड की ओर हाथ बढ़ा दिया और बोला- 'प्लीज्ड टू सी यू मिस्टर बांड ।'
जेम्स बांड ने मुस्कराते हुये उससे हाथ मिलाया ।
'कब ?' रोलैंड ने यासमीन से प्रश्न किया।
यासमीन ने जेम्स बांड की ओर देखा।

'□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□ ! □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □' □□□□□ □□□□ □□□□ □

'□□ □□□ □□□ □□' □□□□□□ □□□□ □

□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ ?' - □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□

'□□ □□□□ □□□- '□□□□□□ □□□□ □

'□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□' - □□□□□□ □□□□ □

'□□ □□□ □'- □□□□□□ □□□□ □

'□□ □□□, □□□□□□ □□□□ ? - □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ *

'□□!'

□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□- '□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □'

□□□

□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □

'□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□ ? □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□

'□□□ □□ □□' - □□□□□□ □□□□- '□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ ?'

'□□□ □□□ □□□'- □□□□□ □□□ □□□□ □ □□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □

□□ □□ □□□ □

□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□

लगभग फौरन ही स्पॉट लाइट के दायरे में डिनर सूट पहने हुये एक आदमी दिखायी दिया। उसके हाथ में माइक था।

'लेडीज एण्ड जन्टलमैन।' - माइक वाला बोला- 'नाउ वी प्रजेंट बिफोर यू दि.परफानमैंस आफ अवर इनकम्पेय-रेबल ओरियन्टल डान्सर मिस यासमीन । प्लीज गिव ए बिग हैण्ड टू मिस यासमीन ।'

फिर माइक वाले की बगल में यासमीन दिखाई दी और सारा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रत्यक्ष था नील होटल में यासमीन का नृत्य बहुत पसंद किया जाता था।

माइक वाला स्टेज से हट गया ।.

यासमीन स्पाट लाइट के दायरे के मध्य में आ खड़ी हुई।

स्टेज के पास से ही कहीं से औरियन्टल संगीत की स्वर लहरियां प्रवाहित होनी आरम्भ हो गई थी। जेम्स बांड ने आंखें फाड़ कर स्पाट लाइट के बाहर के अम्धकार में देखा और उसे रोलैण्ड की धुंधली-सी सूरत दिखाई दी। वह बोन्गों जैसा कोई साज बजा रहा था।

यासमीन एक पारदर्शक रेशमी परिधान पहने हुये थी जिसका शरीर पर होना न होना एक जैसा था। उसका सांचे में ढला हुआ गुलाबी शरीर स्पाट लाइट के प्रकाश में सितारों की तरह चमक रहा था। स्टेज पर खड़ी यासमीन उस्र

१३८
यासमीन से हजार गुणा सुन्दर और उत्तेजक लग रही थी जों अभी-अभी जेम्स बांड की मेज से उठकर गई थी ।

एकाएक यासमीन ने अपनी बांहें ऊपर की ओर उठाकर एक मादक अंगड़ाईली और फिर उसका शरीर पारे की तरह थिरकने लगा।

/ संगीत के स्वर तीव्र हो उठे ।

धीरे-धीरे संगीत के स्वर तीव्र होते जा रहे थे और उसके साथ-साथ यासमीन के शरीर की थिरकन बढ़ती जा थी । उसके पेट के इर्द-गिर्द यूं बल पड़ रहे थे जैसे ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंक देने से गोल-गोल लहरें उठने लगती हैं। जेम्स बांड को ऐसी ही लहरें यासमीन के नग्न पेट पर नाभी के इर्द-गिर्द उठती दिखाई दे रही थीं। यासमीन के चेहरे पर उत्तेजनापूर्ण भाव थे और वह अपने शरीर से एकदम बेखबर मदहोश-सी नाचे जा रही थी।

हाल में मौजूद लोग सांस रोके यासमीन का उतेजक नृत्य देख रहे थे।

एकाएक रोलैण्ड भी प्रकाश के दायरे में आ गया। वह अपना बोन्गों जैसा साज एक दम यासमीन के बिजली की तरह तड़पते हुए पेट के समीप ले आया और फिर उसकी उंगलियां मशीन की सी तेजी से बोन्गो पर थाप देने लगीं ।

उसी थाप के तालमेल के साथ यासमीन का पेट हिल रहा था।

ज्यों-ज्यों थाप तेज होती जा रही थी, यासमीन के मक्खन जैसे मुलायम पेट की हरकत तेज होती जा रहीं थी।

जेम्स बांड अपलक-सा वह करिश्मा देख रहा था। यासमीन का अपने पेट की शिराओं पर इतना कन्ट्रोल जेम्स बांड को करिश्मा ही मालूम हो रहा था।

एकाएक न जाने कैसे एक क्षण के लिये जेम्स बांड की दृष्टि नाचती हुई यासमीन से हटकर हाल के मुख्यद्वार की ओर उठ गई। शीशे के विशाल द्वार के समीप बाहर की रोशनियों की वजह से काफी उजाला था और उस रोशनी में जेम्स बांड की एक पहचानी हुई सूरत दिखायी दी।

द्वार पर वही सार्जेन्ट खड़ा था, जिसे जेम्स बांड ने पहले हवाई अड्डे पर और फिर यासमीन के फ्लैट के बाहर खड़ा देखा था। उस समय उसने पुलिस की वर्दी के स्थान पर हल्के

139

रंग का सूट पहना हुआ था, उसके होठों में एक सुलगा हुआ सिगरेट लटका हुआ था। और उसकी सतर्क दृष्टि हाल के लगभग अंधेरे वातावरण में घूम रही थी।

यासमीन की ओर उसका तनिक भी ध्यान नहीं था। जेम्स बांड को उसकी उस समय वहां मौजूदगी बढ़ी असुविधाजनक लगी ।

उसने रटेज की ओर देखा ।

बोन्गो पर थाप पड़ रही थी। यासमीन का खूबसूरत शरीर बड़े उत्तेजक ढंग से झटके खा रहा था, नृत्य धीरे-धीरे अपने क्लाइमैक्स की और बढ़ रहा था।

जेम्स बांड ने मन ही मन एक निश्चय किया और फिर अपने स्थान से उठ खड़ा हुआ। उसने अपनी जेब से एक सिगरेट निकालकर होंठों में लगा लिया लेकिन उसे सुलगाने का उपक्रम नहीं किया। फिर वह चुपचाप मेजों के बीच में से होता हुआ हाल के मुख्यद्वार की ओर बढ़ा।

'लाइट ।'- वह सार्जेन्ट के समीप आकर बोला ।

सार्जेन्ट ने अनमने भाव से जेब से सिगरेट लाइटर निकाला। उसने लाइटर जला कर उसकी लौ जेम्स बांड के होंठों में लगे सिगरेट की ओर बढ़ाई।

एक क्षण के लिए दोनों के नेत्र मिले, सार्जेन्ट तनिक चौंका लेकिन तत्काल ही उसके नेत्र भावहीन हो गये ।

'थैंक्यू ।' - जेम्स बांड सिगरेट सुलगा चुकने के बाद बोला।

'डोन्ट मैन्शन ।' - सार्जेन्ट बोला और उसने लाइटर बन्द करके जेब में रख लिया।

जेम्स बांड धुआं उड़ाता हुआ लापरवाही से होटल से बाहर की ओर चल दिया।

होटल से बाहर आकर वह एक क्षण के लिये रुका। उसने एक गुप्त दृष्टि अपने पीछे डाली।

सार्जेन्ट लाबी में खड़ा था और उसी ओर देख रहा था। जेम्स बांड होटल की इमारत के पिछवाड़े की और चल दिया।

पीछे कार पार्क था। वहां कई कारें खड़ी थीं और विशाल कार पार्क को प्रकाशित करने के लिये इमारत की दीवार में लगा केवल एक छोटा-सा बल्ब जल रहा था। कार पार्क के

१४०

दूसरे सिरे पर एक अटैन्डेण्ट खड़ा था ।

जेम्स बांड चुपचाप कारों की कतारों के बीच में प्रवेश कर गया।

उसे अपने पीछे हल्की-सी पदचाप सुनाई दे रही थी। साजेंन्ट उधर ही आ रहा था ।

जेम्स बांड कारों की एकदम पिछली कतार में पहुंच गया जहां लगभग अन्धकार ही था।

एक कार की ओट में से जेम्स बांड ने घूमकरे पीछे देखा।

सार्जेन्ट उससे आठ-नौ कारें दूर था। अब उसके साथ में एक रिवाल्वर थी जिसकी नाल पर साइलेन्सर लगा हुआ था।

जेम्स बांड को अपनी पैन्ट की बैल्ट में लगे रिवाल्वर का ख्याल आया लेकिन उसको प्रयोग में लाने का वह उचित अवसर नहीं था। बिना साइलेन्सरं की रिवाल्वर से फायर करने में बहुत गड़बड़ हो सकती थी ।

सार्जेन्ट के हाथ में साइलेन्सर लगी रिवाल्वर देखकर उसे पूरा विश्वास हो गया था कि यासमीन का सन्देह सच था। वह पुलिस अधिकारी नहीं था। सार्जेन्ट की वर्दी में कोई बदमाश था ।

सार्जेन्ट बड़ा सतर्कता से उसी और बढ़ रहा था, जिधर जेम्स बांड था।

जेम्स बांड ने बड़ी सावधानी से एक कार का हैंडिल ट्राई किया।

द्वार को ताला लगा हुआ था ।

इसी प्रकार जे स बांड ने दूसरी फिर तीसरी फिर चौथी कार का द्वार ट्राई किया ।

संयोगवश पांचवी कार का द्वार खुला था ।

जेम्स बांड ने निशब्द द्वार खोला और कार के भीतर प्रवेश कर गया। वह कार के फर्श पर दुवक कर बैठ गया।

सार्जेन्ट बहुत समीप आ गया था और कारों की दूसरी कतार में उसे तलाश कर रहा था।

फिर वह कौने की ओर बढ़ा और दूसरी कतार में से घुमकर उस कतार में आ गया जिसकी एक कार में जेम्स बांड छुपा बैठा था ।

सार्जेन्ट बड़ी सावधानी से आगे बढ़ रहा था।

कारों के भीतर झाकने का ख्याल उसे नहीं आया था।

ज्यों ही वह जेम्स बांड वाली कार के समीप से गुजरा जेम्स बांड ने धीरे से कार के द्वार का कैच लूंज किया और फिर पूरी शक्ति से द्वार को बाहर की ओर धक्का दे दिया।

द्वार भड़ाक से सार्जेन्ट की पीठ से टकराया। उसके मुंह से एक सिसकारी सी निकली और वह कारों के बीच में फर्श पर ढेर हो गया। रिवाल्वर उसके हाथ से निकल गई और उछल कर कारों के नीचे कहीं जा पड़ी।

जेम्स बांड फुर्ती से कार से बाहर निकल आया। उसने अपने दायें पांव की एक भरपूर ठोकर उठने का उपक्रम करते हुए सार्जेन्ट की पसलियों से टकराई। सार्जेन्ट के मुंह से एक कराह निकली, उसका शरीर फुटबाल की तरह उछला और भड़ाक से एक कार की बाड़ी से जा टकराया।

जेम्स बांड का पांव फिर हवा में लहराया। इस बार पांब की ठोकर उसके मुंह पर पड़ी। उसका चेहरा कई स्थानों छिल गया और वहां से खून छलकने लगा।

जेम्स बांड ने फिर लात चलाई।

लेकिन इस बार उसने झपट कर जेम्स बांड के पांव को ठखने के समीप से पकड़ लिया। जेम्स बांड ने अपने पांव को झटका दिया, लेकिन पांव सार्जेन्ट की पकड़ से नहीं छूटा।

फिर सार्जेन्ट ने अपनी पूरी शक्ति से उसके पांव को मरोड़ा और फिर उसे पीछे की ओर उछाल दिया।

जैम्स बांड का बैलेंस बिगड़ चुका था। वह भरभरा कर अपने पीछे खड़ी कार के हुड पर जा गिरा।

सार्जेन्ट तत्काल स्प्रिंग लगे खिलौने की तरह अपने पैरों पर उठ खड़ा हुआ और उसने कार के हुड पर गिरे जेम्स बांड पर छलांग लगा दी।

जेम्स बांड ने तत्काल करवट बदल ली और सार्जेन्ट का शरीर जेम्स बांड के ऊपर आकर गिरने के स्थान पर कार के हुड से आकर टकराया।

जेम्स बांड उछलकर कार से अलग हट गया।

फिर वह सार्जेन्ट की और झंपटा लेकिन तत्काल ही उसने अपने उस एक्शन पर कन्ट्रोल कर लिया।

सार्जेन्ट के हाथ में एक लम्बे फल वाला चाकू था ।

१४२

सार्जेन्ट के लहूलुहान चेहरे पर कहर बरस रहा था। वह अपना चाकू वाला हाथ बाहर की ओर फैलाये धीरे-धीरे जेम्स बांड की ओर बढ़ने लगा ।

जेम्स बांड सतर्क हो गया।

एकाएक चाकू वाला हाथ हवा में लहराया और पेम्स बांड को चाकू की नोक अपने नेत्नों से आधा इंच दूर से गुजरती हुई दिखाई दी।

जेम्स बांड सावधानी से पीछे हटने लगा ।

सार्जेन्ट के नेत्रों से खून टपक रहा था ।

दो बार और सार्जेन्ट ने वार किया और दोनों बार जेम्स बांड वार बचा गया।

जेम्स बांड पीछे हटता-हटता फिर उसी कार के साथ आ लगा जिसका द्वार उसने सार्जेन्ट पर देकर मारा था ।

द्वार अभी भी खुला था।

जेम्स बांड ने द्वार को मजबूती से अपने दोनों हाथों में आम लिया और फिर बड़े धैर्य से सार्जेन्ट के और समीप आने की प्रतीक्षा करने लगा।

सार्जेन्ट के खून से सने होंठों पर एक विषैली मुस्कराहट दौड़ गई।
जेम्स बांड की स्थिति से उसे महसूस होगया था कि अब वह और पीछे नहीं हट सकता था। वह पहले से अधिक आत्मविश्वास के साथ जेम्स बांड पर वार करने के लिए बढ़ा ।

इससे पहले कि वह वार कर पाता जेम्स बांड कार के सहारे हवा में उछला और उसके दोनों पांव दुलत्ती. की सूरत में सार्जेन्ट की छाती से टकराये ।

सार्जेन्ट के गले से एक घुटी हुई सी चीख निकली और वह पीछे की ओर उलट गया। उसका सिर एक कार की साइड से टकराया और फिर वह फर्श पर लौट गया।

दुर्भाग्यवश उसकी पकड़ में से चाकू नहीं निकाल पाया था।

जेम्स बांड ने उसके गिरे हुई शरीर पर छलांग लगा दी।

अगले ही क्षण जेम्म बांड उसके ऊपर था, उसके चाकू वाले हाथ की कलाई जेम्स बांड के बायें हाथ की पकड़ में थी, अपने दूसरे हाथ से उसने उसकी दूसरी बांह थामी हुई थी। और उसके घुटने साजेंन्ट की पसलियों में घुसे जा रहे थे ।

१४३

सार्जेन्ट उसके नीचे दबा हुआ छटपटा रहा था और अपने चाकू वाले हाथ को उसकी पकड़ से मुक्त कराने का प्रयत्न कर रहा था।...

जेम्स बांड पूरी शक्ति से उसे अपने नीचे दबाये उसके चाकू वाले हाथ की कलाई मरोड़ रहा था।

अन्त में सार्जेन्ट को चाकू पर से अपनी पकड़ ढीली कर देनी पड़ी ।

चाकू उसके हाथ से निकलते ही जेम्स बांड ने एकाएक उसके दोनों हाथ छोड़ दिये और अपने दायें हाथ का एक वज्र प्रहार सार्जेन्ट की गरदन पर पड़ा ।

सार्जेन्ट की आंखें उबल पड़ीं, उसका शरीर ढीला पड़ने लगा।

जेम्स बांड ने अपने बांयें हाथ से उसका गिरहबान दबोच लिया और फिर बड़ी बेरहमी से उसे घसीटकर उसके पैरों पर खड़ा कर दिया। तत्काल ही जेम्स बांड के दायें हाथ का प्रचण्ड प्रहार कैरेट चाप की सूरत में सार्जेन्ट को गर्दन की साइड में पड़ा। जेम्स बांड के कानों में साजेंन्ट की गर्दन टूटने की आवाज आई और सार्जेन्ट का निर्जीव शरीर उसकी बांहों में झूल गया।

जेम्स बांड ने उसे वहीं जमीन पर ढेर हो जाने दिया।

सार्जेन्ट मर चुका था।

जेम्स बांड ने पांव की ठोकर से चाकू को परे उछाल दिया। उसने सार्जेन्ट की साइलेन्सर लगी रिवाल्वर को तलाश करने का पयत्न किया लेकिन वह न जाने कहां जा जा गिरी थी।

जेम्स बांड ने रिवाल्वर का ध्यान छोड़ दिया। उसने अपने कपड़े झाड़े और अपने बालों में उंगली फिरा कर उन्हें व्यवस्थित किया ।

और जेब में हाथ डाले लापरवाही से चलता हुआ वापिस इमारत की ओर चल दिया।

जिस समय वह वापिस होटल के मेन गेट में प्रविष्ट हुआ उस समय उसका चेहरा एकदम शान्त था और उसे देखकर कोई सोच भी नहीं सकता था कि अभी- अभी वह एक आदमी का खून करके आया है।

जेम्स बांड हाल में वापिस आकर अपनी टेबल पर बैठ गया । नृत्य अभी भी जारी था।

यासमीन का शरीर अभी भी बैली नृत्य की उत्तेजनात्मक मुद्राओं में तड़प रहा था। बोन्गो पर पड़ती हुई थाप इतनी तेज हो गई थी कि जेम्स बांड को बोन्गों पर पड़ते हुए रौलैंड के हाथ की उंगलियां नहीं दिखाई दे रही थीं।

एकाएक हाल में सन्नाटा छा गया। बोन्गो पर थाप पड़नी बन्द हो गई ।
रौलैंड स्पाट लाइट के प्रकाश के दायरे से तत्काल बाहर निकल गया ।

यासमीन का बिजली की तरह तड़पता हुआ शरीर एक-दम शान्त हो गया ।

हाल में एकदम सन्नाटा छाया हुआ था। कितनी ही देर तक किसी को ताली बजाने की भी सुध नहीं आई ।

यासमीन ने झुककर सलाम किया।

एकदम हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

क्षण भर के लिए स्पाट लाइट आफ हो गईं।

लोग तालियां बजाते रहे।

दुबारा जब हाल की बत्तियां जलीं तब तक यासमीन स्टेज से गायब हो चुकी थी ।

माइक वाला आदमी फिर स्टेज पर प्रकट हुआ और बोला - 'लेडीज एण्ड जन्टलमैन। थैंक्यू वैरी मच फार दि अपलोस । नैक्स्ट परफारमेंस आफ मिस् यासमीन विल बी आफ्टर एबाउट टू अवर्स ।'.

दस मिनट बाद यासमीन फिर अपने पहले वाले परिघान में जेम्स बाण्ड के समीप आ बैठी। श्रम से उसका चेहरा सुर्ख हो रहा था।
वेटर ने फौरन उसे ड्रिंक सर्व कर दी।
'यू आर वन्डरफुल'- जेम्स बांड गरे प्रशन्सात्मक स्वर में बोला।'
' थैंक्यू ।'- यासमीन मुस्कराती हुई बोली ।
'मैंने अपनी जिन्दगी में इतना शानदार बैली नृत्य नहीं देखा ।
'हो सकता है।'
जेम्स बांड ने देखा प्रशंसात्त्मक शब्दों से यासमीन कोई विशेष प्रभावित नहीं होती थी। शायद प्रशंसा सुनने की वह आदी हो चुकी थी।
'आओ चलें ।'- एकाएक यासमीन कोली ।
जेम्स बांड उठ खड़ा हुआ ।
दोनों हाल से बाहर निकल आये ।,
द्वार पर उन्हें रोलैंड भी मिल गया।
अटेन्डेन्ट तुम्हारी गाड़ी लेने गया है।'--- रोलैंड में बताया।
'गुड ।'- यासमीन बोली ।
दो तीन मिनट बाद वह अटैन्डेन्ट उनके सामने आ खड़ा हुया जो उनके आगमन के समय यासमीन की कार को पार्क करने ले गया था। उसके चेहरे से परेशानी टपक रही थी। उसने अपनी भाषा में जल्दी जल्दी यासमीन को कुछ कहा, उत्तर में यासमीन ने भी उसी भाषा में कुछ कहा और अटे-न्डेन्ट वहां से हट गया।
'क्या बात थी?' जेम्स बांड ने पूछा ।
'गाडी स्टार्ट नहीं हो रही है।' यासमीन ने बताया - 'गाड़ी में पैट्रोल अटकने लगता है। अक्सर ऐसा हो जाता है। अटैन्डेक्ट टैक्सी लेने गया है।'
'आई सी।'- जेम्स वांड बोला ।

एक टैक्सी उनके सामने आकर रुक गई। तीनों टैक्सी की पिछली सीट पर जा बैठे।

रोलैण्ड ने ड्राइवर को पता बताया। ड्राइवर ने स्वीकृति-सूचक ढंग से सिर हिलाया। टैक्सी स्टार्ट हो गई और ड्राइव वे से निकल कर मेन रोड पर आ गई।

जब तक टैक्सी एक स्थान पर आकर रुक न गई, कोई कुछ नहीं बोला।

तीनों टॅक्सी से बाहर निकल आये। रोलैण्ड के पीछे हो लिए ।

रोलैंड उन्हें एक बड़े से अहाते में ले आया जहां तीन ओर इमारतें थीं और चौथी और वह सड़क थी जिस पर टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें उतारा था।
रोलैण्ड बाई और की इमारतों की कतार में स्थित एक दुमंजिली इमारत की और बढ़ा जिसकी दूसरी मंजिल के लिए रेलिंग लगी सीढ़ियां बाहर फुटपाथ से ही दूसरी मंजिल की ओर उठ रही थीं। वे इन सीढ़ियों को तय करके ऊपर पहुंच गए ।

एक बड़ी सी टैरेस थी जिस पर वे सीढ़ियां खत्म होती थीं ।

'ओह!'- ऊपर पहुंचते ही रोलैंड के मुंह से निकला ।

द्वार पर ताला झूल रहा था ।

'अब?' जेम्स बांड ने प्रश्न किया ।

'चलो, कहीं और तलाश करते हैं।'- रोलैंड बोला।

तीनों फिर सीढ़ियां उतरकर सड़क पर आ गये ।

उन्होंने फिर एक दूसरी टैक्सी पकड़ ली।

उसके बाद रोलैंड उन्हें तीन चार नाइट क्लबों और होटलों में ले गया लेकिन सी० आई० ए० के एजेन्ट एन्चोगी बूचर के उन् हें कही दर्शन नहीं हुए।

अन्त में वे वापिस वहीं लौट आये जहां, एन्थोनी बूचर का फ्लैट था ।

बूचर अभी तक नहीं लौटा था ।

'अभी सवा ग्यारह बजे हैं।'- रोलैंड अपनी कलाई घड़ी पर दृष्टिपात करता हुआ बोला- 'पन्द्रह वींस मिनट यही इन्तजार करते हैं, तब तक बूचर आया तो ठीक है, नहीं हो यासमीन की दूसरी परफारमेंस के बाद साढ़े बारह, पौने एक बजे के करीब यहां फिर आ जायेंगे ।'

यासमीन ने जेम्स बांड की ओर देखा।

"ठीक है । - जेम्स बांड बोला ।

तीनों इमारतों के तीन ब्लाकों के बीच में बने एक छोटे से पार्क में प्रवेश कर गए। पार्क के बीच में एक छोटा सा फव्वारा था जो उस समय चला नहीं था। तीनों फव्वारे की मुंडेर पर आकर बैठ गए ।

जेम्स बांड ने अपनी जेब से सिगरेट का पैकेट निकाल लिया।

तीनों ने एक एक सिगरेट सुलगाया और फिर वह सिगरेट के धुयेँ का आनन्द लेते हुए बूचर के लौटने की प्रतीक्षा करने लगे ।

साढ़े ग्यारह बजे के बाद जब वे उठने का उपक्रम कर रहे थे तो एक टैक्सी सामने सड़क पर आकर रुकी। टैक्सी की पिछली सीट से एक आदमी बाहर निकला। उसने टैक्सी ड्राइवर के पैसे चुकायें और फिर इमारतों की बायीं ओर वाली कतार की और बढ़ा जिधर बूचर का फ्लैट था। उसकी

१४७

चाल में हल्की सी लड़खड़ाहट थी और वह बड़ी सावधानी से आगे बढ़ रहा था।

'यह बूचर है। --'उसके थोड़ा और समीप आ जाने पर रोलैण्ड बोला । -

'शुक्र है। - 'जेम्स बांड गहरी सांस लेकर बोला। उसने सिगरेट फेंक दिया और फञ्वारे की मुंडेर से उठ खड़ा हुआ।

'आओ चलें । - रोलैण्ड बोला और तीनों उठकर पार्क से बाहर की ओर चल दिये ।

दूचर अपने फ्लैट की सीढ़ियों की ओर बढ़ रहा था। वे लोग पार्क से निकल कर उस ओर बढ़े।.

बूचर रेलिंग का सहारा लेकर लड़खड़ाता हुआ सीढ़ियां चढ़ रहा था।

उसी क्षण एक अप्रत्याशित घटना घटी ।

रिवाल्वर के फायर की आंवाज से वातावरण गूंज उटा ।

एकाएक बूचर के मुंह से एक हल्की सी चीख निकली और उसका शरीर धनुश की तरह पीछे की ओर मुड़ गया।

जेम्स बांड ने एक बार बूचर की ओर देखा और फिर तेजी से उस ओर घूमा जिधर से फायर की आवाज आई थी।

तभी दूसरा फाय'र हुआ ।

खूचर का शरीर कटे वृक्ष की तरह सीढ़ियों की रेलिंग पूर ढेर हो गया।
एक क्षण के लिए उसका शरीर रेलिंग पर टिका रहा और फिर वह धीरे से वहां से सरका और धम्म से सीढ़ियों पर आ गिरा।

जेम्स बांड ने उसका शरीर सीढ़ियों से नीचे लुढ़कता देखा। उसने अपनी बैल्ट में खूसी हुई रिवाल्वर निकाल ली और भागता हुआ बोला - 'रौलैंड, हत्यारा सामने की इमारत मैं है। तुम इमारत के पिछवाड़े की ओर भागो ।

लेकिन हत्यारा पिछवाड़े की ओर नही भागा। सामने की इमारत की बालकनी से वह नीचे प्रोजेक्शन पर कूद गया और अन्य इमारतों के बड़े हुए प्रोजेक्शनों को फांदता हुआ तेजी से सड़क वाली दिशा में भागा।

जेम्स बांड नीचे गली में उसके पीछे भागा।

एकाएक हत्यारा घूमा और उसने जेम्स बांड पर फायर किय।

जेम्स बांड को हत्यारे की रिवाल्वर से निकली चिंगारी

१४८

दिखायी दी और उसने उसको निशाना बना कर फायर झोंक दिया ।

तभी हत्यारे के मुंह से निवली एक चीख उसके कानों में पड़ी। उसकी रिवाल्वर उसके हाथ से छूटकर नीचे सड़क पर आ गिरी और वह अपने एक हाथ को दूसरे हाथ में थामे फिर सड़क की ओर भाग।।

जेम्स बांड ने फिर फायर किया ।

लेकिन निशाना चूक गया।

हत्यारा प्रोजेक्शन से नीचे सड़क पर कूद गया और सड़का से दूसरी ओर खड़ी एक कार की ओर भागा।

जेम्स बांड ने अपनी रिवाल्वर का तीसरा और आखिरी फायर उस पर झोंक दिया।

हत्यारा लड़खड़ाया और सड़क पर ढेर हो गया।

कार का पिछला द्वार खुला और उसमें से एक आदमी बाहर निकला। तभी कार में मौजूद किसी दूसरे आदमी ने उसकी बांह पकड़ कर वापिस कार के भीतर खींच लिया। कार फौरन स्टार्ट हो गयी और फिर तीव्र गति से चलती हुई दृष्टि से ओझल हो । यी।

जेम्स बांड लपक कर सड़क पर गिरे हत्यारे के समीप पहुंचा।

हत्यारा लड़खड़ाता हुआ उठने का प्रयत्न कर रहा था। गोली उसकी टांग में लगी थी।

वह एक लम्बा तगड़ा अरब था। उसका सिर घुटा हुआ था और उसके चेहरे से गहन पीड़ा के भाव परिलक्षित हो रहे थे।

जेम्स ने खाली रिवाल्वर ही उसकी ओर तान दी।

हत्यारे ने वार बचाने के से अंदाज से अपना एक हाथ उस की ओर फैला दिया।

तभी रोलैण्ड भागता हुआ उसके समीप पहुंचा।
'क्या हुआ?'- उसने निरर्थक सा प्रश्न किया।

जेम्स बांड ने सड़क पर पड़े हत्यारे की ओर संकेत कर दिया ।

'मैं पुलिस को फोन करता हूं।'- 'रोलैण्ड बोला ।

'हां, और फिर बूचर को देखना । तब तक मैं इसे संभालता हूं।'- 'जेम्स बांड बोला।

149

'ओ० के ०।- रौलैंड बोला और वापिस इमारतों को कोर भागा।

'खड़े हो जाओ।'-- जेम्स कांड ने हत्यारे को आदेश दिया।

हत्यारा बिना विरोध किए उठने का प्रयत्न करने लगा।

वह लड़खड़ाता हुआ उठ खड़ा हुआ। उसकी टांग और हाथ दोनों से खून बह रहा था।

'तुमनें किसके आदेश पर बूचर की हत्या की है?'-जेम्स बांड ने इंगलिश में पूछा ।

हत्यारा चुप रहा।

"चूप रहने से कुछ फायदा नहीं होगा। 'जेम्स बांड फिर बोला- 'तुम्हारे साथी-तो तुम्हें मेरी दया पर छोड़ कर भाग ही गए हैं। अभी पुलिस आयेगी और तुम बिल्कुल फिट हो जाओगे। ऐसी स्थिति में क्या यह अच्छा नहीं होगा कि तुम मेरे कुछ सवालों का जवाब दे दो।'

.. हृत्त्यारे ने जेम्स बांड की ओर देखा और फिर मूरखों की तरह पलकें झंपायी।

जेम्स बांड को तब अपनी गलती का अहसास. हुआ । अरब उसकी बात नहीं समझ रहा था। वह शायद अंग्रेजी नहीं जानता था।

.. जेम्स वांड उसे सहारा देकर सड़क के किनारे. ले आया और फिर पुलिस के आगमन की प्रतीक्षा करने लगा।

तभी पुलिस के सायरन की आवाज से वातावरण गूंज उठा और पलक झपकते ही काहिरा पुलिस की एक जीप जेम्स बांड के समीप आकर रुकी।

जेम्स बांड हैरान था कि पुलिस इतनी जल्दी वहां कैसे पहुंछ गई ।
रोलैण्ड, तो अभी मुश्किल से टेलीफोन तक ही पहुंच पाया होगा ।

जीप में से एक सार्जेन्ट और चार सिपाही नीचे कूद पड़े । वे सफेद यूनिफार्म पहने हुए थे और उनके सिर पर तुर्की ढंग की लाल टोपियां चमक रही थीं जिन पर पुलिस के बैज लगे हुए थे।

सिपाहियों के कन्धों पर राइफलें लटक रही थीं और उनके हाथ में मोटे- मोटे डन्डे थे ।

सार्जेन्ट ने एक नजर पहले हत्यारे पर और फिर जेम्स

१५०

बांड पर डोली और फिर इगलिश में बोला- अभी किसी ने फोन किया था कि यहां खून हो गया है।'

फोन शायद शोर सुनकर किसी पड़ौसी ने कर दिया था -जेम्स बांड ने सोचा । प्रत्यक्ष में वह बोला- 'यू, आर राइट! और हत्यारा यह है। इसने मेरे मित्न पर गोली चलाई है।

'वह मर गया है?'

'मुझे अभी मालूम नहीं है। मैं तो गोली की आवाज सुनते ही हत्यारे के पीछे भाग लिया था।'

'लाश कहां है?'

जेम्स वांड ने बूचर के फ्लैट की ओर संकेत कर दिया। उसे सार्जेन्ट बड़ा अजीब आदमी लग रहा था। बूचर को देखे बिना ही उसने उसे मृत घोषित कर दिया था ।

सार्जेन्ट ने सिपाहियों को अरबी में कुछ कहा, और फिर जेम्स बांड से बोला- 'आइये ।'

जेम्स वांड सार्जेन्ट क साथ हो लिया।

पीछे सिपाही वड़ी बेरहमी से हत्यारे को घसीटते हुए ला रहे थे ।

वे लीग सीढ़ियों के समीप पहुंच गए । रौलैंड पहले ही वहां पहुंच चुका था।

पुलिस के इतने शीघ्र आगमन पर रौलैंड भी बहुत हैरान हुआ।

सार्जेन्ट ने बूचर के सीढ़ियों पर लुढ़के हुए शरीर के समीष भी जाने का उपक्रम नहीं किया।

'मर चुका है न?' उसने प्रश्न किया ।

'हां।' 'रौलैंड ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिलाते हुए कहा- 'एक गोली एकदम दिमाग में से गुजर गई है।

'और हत्या इसने की है?' सार्जेन्ट ने हत्यारे की ओर संकेत करते हुए प्रश्न किया।

'हां।'

सार्जेन्ट के चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई। उसने सिपाहियों को अरबी में कुछ कहा और फिर एक सिपाही का मोटा भारी-भारी डन्डा उसने अपने हाथ में ले लिया। दो सिपाहियों ने मजबूती से हत्यारे की दोनों बाहें पकड़ बीं।

हत्यारे के नेत्रों में गहन आतंक को छाया तैर रही थी।

१५१

एकाएक बड़े अप्रत्याशित ढंग से साजन्ट का डन्डे वाला हाथ ह्वा में घूमा और फिर पुलिस का भारी डंडा पूरी शक्ति से हत्यारे की घुटी हुई खोपड़ी पर पड़ा। हत्यारे के मुंह से एक कराह भी नहीं निकली। उसका सिर तरबूज की तरह फट गया। सिपाहियों ने अपनी पकड़ ढीली कर दी और अगले ही क्षण हत्यारे का मृत शरीर गली की धूल में लोट गया।

आतंक से जेग्स बाड के नेत्र फट पड़ा । लेकिन रोलैण्ड और यासमीन पर सार्जेन्ट के इस कृत्य का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था।

'यह यह क्या किया आपने?' - 'जेम्स बांड आतं-कित स्वर में बोला।

सार्जेन्ट ने डंडा सिपाही को वापिस कर दिया और बड़ी बेशर्मी से हंसता हुआ बोला- 'मैंने अपनी ड्यूटी भुगताई है, साहव । यह गंज। नामी चोर और हत्यारा है। हम इसे पहचानते हैं। पहले भी कई बार यह पुलिस के चंगुल से निकल कर फरार हो चुका है। इस बार भी यह हत्या करके भागने का प्रयत्न कर रहा था। इसे रोकने के लिए मैंने इस पर प्रहार किया जो दुर्भाग्य वश ज्यादा तगड़ा पड़ गया और यह मर गया।'

और सार्जेन्ट फिर बेशर्मी से हंसने लगा ।

'लेकिन आपने तो इसका नाम तक नहीं पूछा?' - जेम्स बांड बोला।

'क्या जरूरत थी?' हम खूब जानते हैं, इसे । यह तो पेशेवर हत्यारा है।

लेकिन आप इससे यह तो पूछते कि इसने किसके संकेत पर हत्या की थी?' 'क्या जरूरत थी? केस में पेचीदागियां बढ़ाने से कोई फायदा नहीं होता है, साहब। यह हत्यारा था इसे सजा मिल भई । जस्टिस इज डन ।' जेम्स बांड चुप रहा ।
'आपके विलायती तरीकों से बड़ा बखेड़ा होता है साहब - सार्जेन्ट उसे समझाने के से भाव से बोला- 'मैं इसे गिरफ्तार करता, फिर इसका बयान लेला, एफ० आई० आर० तैयार करता, केस अदालत में जाता, पुलिस इसे सजा दिलाने
१५२
की कोशिश करती, यह अपना बचाव करने की कोशिश करता, इसे फांसी की सजा होती, फिर सजा दी जाती। कितना बखेड़ा होता? जब कि नतीजा एक ही होना था। आप यह सोचिये कि मेरे इस एक्शन ने गवर्नमेंट की कितनी सिरदर्दी खत्म कर दी है। यहां ऐसा ही होता है, साहब । इस शहर में अपराध बहुत होते हैं। अगर पुलिस हर मामले में प्रोसीजर का ख्याल रखना आरम्भ कर दे तो पुलिस विभाग में पचास गुणा अधिक फोर्स बढ़ानी पड़ेगी।'
जेम्स बांड चुप रहा। बोलने के लिए उसके पास था ही क्या?
'अब इसका क्या होगा?' - रोलैण्ड ने पूछा। उसका "संकेत बूचर की ओर था। 'इसकी आप चिन्ता मत कीजिए, हम सब सम्भाल लेंगे" - सार्जेन्ट बोला। 'क्या सम्भालेगें आप? ' - जेम्स बांड ने प्रश्न किया ।
'हमें यह पता करने में कोई दिक्कत नहीं होगी कि मृत - कौन है? फिर हम इसकी लाश और इसका माल इसके रिश्ते दारों को सौंप देंगे ।'
'लेकिन काहिरा में इसका कोई रिश्तेदार नहीं है।'-रोलैण्ड बोला । 'तो फिर यह सब इसकी एंबैसी में सौंप दिया जायेगा।"
'सार्जेन्ट ।' - जेम्स बांड बोला- 'मैं इसका मित्र हूं ।
मैं इसके फ्लैट पर एक नजर डालना चाहता हूं।'
'यह सम्भव नहीं है।'-- सार्जेन्ट बोला ।.

'क्यों?'
'क्यों-च्यों कुछ नहीं।' यह संभव नहीं है। यहां ऐसा नहीं होता है।' जेम्स बांड वास्तव में बूचर का सामान देखना चाहता था। शायद उसमें से कोई सूत्र हासिल हो पाता।
बूचर की हत्या बड़े ही गलत समय पर हुई थी।
'और इसका सामान...'
'एम्बैसी में पहुंचा दिया जायेगा।'
'लेकिन...'
'आप में से कोई एक साइन अपना नाम और पता लिखवा दीजिये और फिर सब लोग यहां से तशरीफ ले जाइये ।'
१५३

रौलैंड ने अपना नाम और पत्ता बता दिया ।
फिर वे तीनों वहां से विदा हो गये ।
सार्जेन्ट ने किसी का बयान नहीं लिया था ।
उन्होंने एक टैक्सी ली और वापिस नील होटल की ओर चल दिये ।
'अब मेरा और आपका सम्पर्क तो सभाप्त हो गया, मिस्टर बांड ।' टैक्सी में रौलँड बोला- 'मेरा काम तो आपको बूचर तक पहुंचाना था, सो मैंने कर दिया।'
'हां ।'- जेम्स बांड धीरे से बोला ।
'अब आप क्या करेंगे?'
'यही मैं सोच रहा हूं कि अब मैं क्या करूंगा।'- जेम्स बांड बोला। उसके मस्तिष्क में एक बड़ा हल्का सा सूत्र घूम रहा था। कैसर-अल-नील व्रिज के पास नील नदी में खड़ी हुई सब से बड़ी हाउसबोट जहां से किसी

आदमी ने उन चार आदमियों को जेम्स बांड की हत्या का आदेश दिया था, जिन्होंने अलमाजा ऐयरोड्रोम से उसका पीछा किया था। शायद वह सूत्र किसी काम आ जाये ।
'आप लोग मेरा एक काम करवा सकते हैं?'- एका-एफ जेम्स बांड ने प्रश्न किया।
'क्या?'
'क्या आप यह मालूम करवा सकते हैं कि काहिरा में बूचर अधिकतर किन-किन जगहों पर जाता है और किन लोगों से मिलता था?'
'यह मैं मालूम कर दूंगा?' - रोलैण्ड बोला ।
'प्लीज, और जल्दी मालूम कीजियेगा। शायद इसी से आगे बढ़ने का कोई सिलसिला बने ।'
'मैं करूंगा।'- रौलैंड ने आश्वासन दिया ।
जेम्स बांड चुप होया।
वारह बजकर पांच मिनट पर टैक्सी नील होटल के सामने आकर रुकी।
तीनों टैक्सी से बाहर निकल आये ।
'वी आर लेट ।' - रौलेंड बोला और तेजी में होटल के भीतर की ओर बढ़ा ।
'यासमीन ।'- जेम्स बांड ने रौबैंड की बरह हो तेजी से

कदम उठाती हुई यासमीन को आवाज दी।
यासमीन ने प्रश्नसूचक नेत्रों से जेम्स बांड की ओर देखा.।
'जरा मेरे साथ आओ।'
यासमीन हिचकिचाई ।
'मैं एक मिनट के लिये तुम्हारी कार देखना चाहता हूं।'

'ओह ।' -- यासमीन बोली और जेम्स बांड के समीप या गई। उसने अटैन्डेन्ट को संकेत किया और कार पार्क की ओर चल दी ।

अटैन्डेन्ट फुर्ती से आगे बढ़ कर उनका मार्ग निर्देशन करने लगा।

वह उन्हें यासमीन की कार के सामने ले आया।

जेम्स बांड ने कार का हुड उठाया। उसने अपना सिगरेट लाइटर जला लिया और उसके प्रकाश में भीतर झांकने लगा। कुछ क्षणों के लिये उसके हाथ भीतर की तारों से उलझे रहे और फिर उसने लाइटर आफ किया। उसने कार का हुड गिराया और यासमीन से बोला- 'आओ ।'

यासमीन फिर उसके साथ लौट पड़ी ।

'क्या बात थी?'- रास्ते में यासमीन ने उत्सुकतापूर्ण. स्वर में पूंछा।

बूचर की हत्या के वाद मेरे मन में एक सन्देह उपजा था जो एकदम सच निकला है।'- जेम्स बांड ने उत्तर दिया।

'क्या?'

' बूचर की हत्या आज ही क्यों हुई?'

'संयोग ।'

'यह संयोग नहीं था? दरअसल शत्रुओं को बूचर की जानकारी आज ही हुई थी।'

'कैसे?'

'हमारी वजह से?'

'यह कैसे संभव है? किसी ने नील होटल से ले कर बूचर के फ्लैट तक हमारा पीछा नहीं किया था। मैं इस बात का दावा करती हूं।

'तुम्हारा दावा एकदम ठीक है। अब इस बात को इस सन्दर्भ से सोचो कि तुम्हारी गाड़ी ऐन मौके पर स्टार्ट नहीं

१५५

हो पा रही थी।'

'वह तो अक्सर हो जाता है। मैंने तुम्हें पहले भी बताया था कि उस में पैट्रोल रुकने लगता है।'

'लेकिन इस बार किसी ने जान-बूझ कर तुम्हारी गाड़ी को बिगाड़ा था।

'क्या?' - यासमीन हैरानी से बोली ।

'हां!' जेम्स बांड शांत स्वर में बोला- 'किसी ने जान-बूझ कर इंजन और वैटरी से सम्बंधित तारें तोड़ दी थीं।'

'लेकिन क्यों?'

'ताकि हम तुम्हारी कार पर न जा सके और टैक्सी बुलवायें ।'

'तो, तुम्हारा मतलव है कि'- यासमीन के नेत्र फैल गये - 'वह वह टैक्सी..।'

'एग्जैक्टली!'-- जेम्स बांड बोला- 'शत्रु को हमारा पीछा करने की जरूरत ही क्या थी जबकि हम लोग एन्थोनी बूंचर के फ्लैट पर उन्ही लोगों के आदमी की टैक्सी से जा रहे थे। हमारी ही वजह से उन्हें वूचर का पता लगा। जितनी देर में हम बूचर को दूसरी जगहों पर तलाश करके लौटे उतनी देर में शत्रुओं ने बूचर की हत्या का इन्तजाम कर लिया। जितनी बेताबी से हम लोग पार्क में फव्वारे पर बैठे बूचर का इन्तजार कर रहे थे, उतनी ही बेताबी से सामने के मकान की बालकनी में छुपा बैठा हत्यारा बूचर का इन्तजार कर रहा था।'

यासमीन ने गहरी सांस ली।

'जिस ढंग से बूचर की हत्या हुई है, उससे तो यही प्रकट होता है कि बूचर लड़कियों का व्यापार करने वाले गिरोह के संचालकों के बारे में कुछ भयंकर वातें जान गया था, इस-लिये वे लोग इतनी बेताबी से बूचर की तलाश कर रहे थे। इसीलिये इससे पहले कि बूचर मुझे कुछ बता पाता, उन्होंने उसकी हत्या कर दी।'

'या अल्लाह !' यासमीन बोली ।

'खेरे, छोड़ो।' - जेम्स बांड बोला- 'तुम मुझे एक बात बताओ ।'

क्या?'

□□□

'□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ ?'

'□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ ? ' -- □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□

'□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ ?'

'□□□, □□□□' - □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□-'□□□□□ □□□□ !'

… □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □

□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□

□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □

****

□□□□ □□□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□

□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □ □□□□ □□ □□□□□□□, □□□□□□□□□, □□□□□, □□□□□ □□□□□□□□, □□□-□□□□, □□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□

□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□ '□□' □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□-□□-□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□

□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□

□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□

१५७

लगी। अन्य हाउसबोटों से थोड़ा इट कर उसे 'प्रिंसेस' नाम की एक हाउसबोट दिखाई दी और वही उसे सबसे बड़ी हाउसबोट लगी। वह वाकई ऐसी मालूम हो रही थी, जैसे पानी में पूरा महल तैर रहा हो। अरव गुंडे ने, उसकी पह-चान एकदम ठीक बतायी थी ।

तो यही यह हाउसबोट थी जहां से किसी ने उन अरब बदमाशों को उसकी हत्या करने का आदेश दिया था- जेम्स बांड ने मन ही मन सोचा ।

लेकिन...

एकाएक जेम्स ब्रांड के मन में एक संदेह उठा ।

शायद कल तक नील नदी में इससे भी बड़ी हाउसबोट मौजूद हो जो आज जेम्स बांड के कैसर-अल-नील ब्रिज पर पहुंचने से पहले ही यहां से कूच कर चुकी हों।

अपना संदेह मिटाने का जेम्स बान को. एक ही तरीका दिखाई दिया कि वह आस पास पूछताछ करे।

उसने ऐसा ही किया!

लेकिन कोई नतीजा हासिल नहीं हुआ अधिकतर लोगों को तो यही समझ नहीं आया कि यह पूछना क्या चाहता है। और जिन्होंने उसका सवाल समझा, वे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके।

अन्त में जेम्स बांड वापिस अपने होटल के कमरे में लौट अनया।

उसके पास इस बात के अलावा और कोई चारा नहीं था कि वह 'प्रिसेस' को ही हाउसबोट समझ ले जिसका अरब गुंडे ने जिक्र किया था।

उसने अपने सूटकेस से एक शक्तिशाली दूरबीन निकाली और फिर कमरे की खिड़की के समीप आ बैठा। उसने दूर-बीन को नील नदी में तैरती हुयी 'प्रिंसेस' पर फोकस किया और फिर उसकी निगरानी करने का बोर काम आरम्भ कर दिया।

छः घण्टे लगातार वह हाउसबोट की निगरानी करता रहा। हाउसबोट पर अरब नौकरों और पहरेदारों के अति-रिक्त उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। उस

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

जेम्स बाँड भी उसक सामने बैठ गया।
'रौलैंड ने तुम्हारे कथनानुसार'- यासमीन बोली-'एन्थोनी बुचर की हत्या से पहले के कुछ दिनों की गतिविधि जानने की कोशिश की है।' 'मालूम हुआ कुछ?'- जेम्स बांड ने आशापूर्ण स्वर में पूछा ।
'वह यह तो नहीं मालूम कर सका कि बूचर किन-किन लोगों से मिला करता था लेकिन उसे एक ऐसी जगह की जान कारी हुई है जिसमें बूचर जरूरत से ज्यादा दिलचस्पी लेता था और वहां अक्सर जाया करता था।'
'कौन सी जगह है वह ?'
'स्फिंक्स क्लब! '
'स्फिंक्स क्लब ।' - जेम्स बांड ने दोहराया।
'हां ।' - यासमीन बोली- 'स्फिक्स क्लब काहिरा का सबसे रंगीन क्लब है। सारी-सारी रात वहां राग-रंग का सिलसिला चलता है। संसार के करोड़ पति लोग उस क्लब के पैट्रन हैं और वे कई बार तो उस क्लब की रंगीनियों से खिचे हुये अपना कामकाज छोड़ कर विशेष रूप से काहिरा आते हैं।' 'स्फिंक्स क्लब है कहाँ?' रेगिस्तान के एकदम किनारै पर होलयोपोलिस के इलाके में।'
'स्फिंक्स क्लब की विशेषता क्या है?'
'वहां की विशेषतायें बयान नहीं की जा सकतीं । वहां की विशेषतायें जानने के लिये वहाँ जाना बहुत जरूरी है। वैसे मिस्टर बांड, स्फिंक्स क्लब के विषय में एक बात तो मैं कहना चाहती हूं।'
'क्या?'
एक रात वहां की रंगीनियों में शामिल हो जाओगे तो यही चाहने लगोगे कि सारी जिन्दगी स्फिंक्स क्लब में ही गुजर जाये ।'
'आई सी!''
'प्लीज डू सी!'

एकाएक जेम्स बांड को एक ख्याल आया। उसने मेज के दराज में से फिर दूरबीन निकाल ली और उसकी सहायता से प्रिसेस की ओर देखा।
लाल चेहरे वाला आदमी और पुष्ट शरीर वाली लड़की दोनों अभी भी हाउसबोट की डेक पर खडे थे ।
यासमीन विचिव नेत्रों से जैम्स बांड को देख रही थी।
'यासमीन जरा यहां भाओ।'- जेम्स बांड बोला ।
यासमीन उठकर उसके समीप आ गई।
'इस कुर्सी पर बैठ जाओ।' - जेम्स बांड अपनी कुर्सी से

उठता हुआ बोला- 'यह दूरबीन अपनी आंखों में लगा लो और फिर खिड़की से बाहर कैसर-अल-नील ब्रिज की ओर देखो।'
यासमीन ने ऐसा ही किया।
'तुम्हें प्रिंसेस नाम की एक हाउसबोट दिखाई दे रही है। जेम्स बांड ने प्रश्न किया ।
'हां!'
. 'तुम जानती हो, इस हाउसबोट का मालिक कौन है?"
'नहीं।'- यासमीन ने दूरवीन आंखों से सटाये-सटाये उत्तर दिया। 'अच्छा' - जेम्स बांड फिर बोला 'उस हाउसबोट के डेक पर तुम्हें एक लाल चेहरे वाला आदमी और एक खूब-सूरत लड़की दिखाई दे रही है?'
'हां!'
'तुम उन दोनों में से किसी को पहचानती हो?'
'हां।' यासमी बोली- 'दोनों को पहचानती हूं।'
'वैरी गुड़ ।'-- जेम्स बांड संतुष्ट स्वर में बोला- 'कौन हैं वे?'

'आदमी जर्मन है। उसका नाम काउन्टवान ग्लीविज हैं। वह स्फिंक्स क्लब का मैनेजर है।'
जेम्स. बांड़ के कान खड़े हो गये ।
'और मालिक कौन है?'
'मुझे मालूम नहीं। शायद काउन्टवान ग्लीविज ही मालिक हो।'
'और लड़की?'
'लड़की का नाम एमी है। एमी स्ट्रिप-टीज डान्सर है। स्फिंक्स क्लब की प्रसिद्धी में नब्बे प्रतिशत हाथ इसका है।'
'ऐसी क्या करामात है इसमें?'"
'करामात यही क्या कम हैं कि इससे अधिक उत्तेजक स्ट्रिप-टीज डांस करने वाली डान्सर अमेरिका और योरोप में भी नहीं है! लोग इसके नृत्य को देखने के लिये, या यूं समझो कि इसके साँचे में ढले नंगे शरीर की एक झलक देखने के लिये चुम्बक की तरह स्फिंदस क्लब में खिंचे चले आते हैं।'
१६१

'मुझे तो यह ऐसी करामाती औरत नहीं मालूम होती।'
'अभी तुमने इसका देखा ही क्या है?'
'तुमसे ज्यादा खूबसूरत तो नहीं है यह ?'
'लेकिन अपने नग्न नृत्य द्वारा पैसे वाले लोगों की कामो-त्तेजना को आखिरी हद तक भड़का देने में यह मुझसे हजार गुणा होशियार है।'
'आई सी ।'- जेम्स बांड बोला और चुप हो गया।
यासमीन कुछ क्षण बाहर झांकती रही और फिर उसने दूरबीन मेज पर रख दी।
जेम्स बांड सोच रहा था।

क्या स्फिंक्स क्लब का, काउन्टवान ग्लीविज का, एमी का और 'प्रिंसेज' नाम की हाउस बोट का औरतों के व्यापार से, एन्थोनी बूचर, की हत्या से और खुद उसकी हत्या के प्रयत्नों से कोई सम्बन्ध हो सकता है?

'तुम काउन्ट और एमी को कैसे जानती हो?' एका-एक जेम्स बांड ने प्रश्न किया।

यासमीन जेम्स बांड के अप्रत्याशित ढंग से पूछे गये प्रश्न से क्षण भर के लिये सकपकाई और फिर सुसंयत स्वर में बोली 'एमी को मैं इसलिये जानती हूं क्योंकि वह पहले मेरी हम पेशा थी और काउन्टवान ग्लीविज को मैं इसलिये जानती हूं क्योंकि एक बार इसने नील होटल में मुझसे सम्पर्क स्थापित किया था। काउन्ट चाहता था कि जो कुछ मुझे नील होटल में हासिल होता है उससे दस गुणा ज्यादा बड़ी रकम के बदले में मैं स्फिंक्स क्लब में अपना नृत्य प्रस्तुत करना आरम्भ कर दं ।'

'मैंने उसकी आफर अस्वीकार कर दी।।

'क्यों?'

'क्योंकि मैं वैली नृत्य को एक आर्ट समझती हूं, जिस्म की नुमायशं का साधन नहीं। काउन्ट तो मुझे स्फिंक्स क्लब में न केवल नंगी नचाना चाहता था बल्कि मुझसे यह भी आशा करता था कि मैं नृत्य से बाद जरूरत पड़ने पर उसके करोड़पति मेहमानों के बिस्तर भी गर्म किया करूं।'

जेम्स बांड चुप रहा ।

एकाएक यासमीन उठ खड़ी हुई और बोली- 'मैं जाती हूं।'

'अच्छा--' जेम्स वांड अनिश्चित स्वर में बोला।

और जेम्स बांड उसके साथ द्वार की ओर बढ़ा ।

'जरूरत पड़ने पर मैं तुमसे कहां सम्पर्क स्थापित कर सकता हूं!'

'तुम होटल में रौलैंड से कहना। वह होटल में ही रहता है। वह मुझे वुला देगा।'

'ठीक है।'- जेम्स बांड बोला और इसने द्वार खोल दिया।

'अब तुम्हारा क्या इरादा है?'

'मैं आज रात को स्फिंक्स क्लव जाऊंगा।'- जेम्स बांड निश्चयात्मक स्वर में बोला।

यासमीन ने कुछ कहने के लिये मुंह खोला लेकिन फिर उसने अपना इरादा बदल दिया ।

'सी यू ।' वह बोली और ऐड़ियां खटखटाती हुई होटल के लम्बे गलियारे में आगे बढ़ गई ।

जेम्स वांड कुछ क्षण उसे जाता देखता रहा और फिर उसने द्वार बन्द कर लिया।

होलियोपोलिस के इलाके में रेगिस्तान के एकदम किनारे पर स्थित स्फिक्स क्लब के बाहरी रूप में ऐसी कोई बिशेषता नहीं दिखाई देती थी जो अमीर विदेशियों को इस हद तक आकर्षित कर सके कि वे अपने काम-धाम छोड़कर काहिरा की स्फिंक्स क्लब में चले आये। वह एक सफेद रंग की विशाल इमारत थी, इमारत की बांयी ओर कृत्रिम प्रकाश से जग-मगाता हुआ विशाल स्विमिंग पूल था ।

जेम्स बांड ने इमारत के भीतर कदम रखा और एकाएक उसे यूं लगा जैसे वह महारानी शीबा के महल में आ गया था। वैसी साज सज्जा जेम्स बांड ने अपने जीवन में कभी नहीं देखी थी। हर ओर ऐश्वर्य का साम्राज्य था। लोग दीन-दुनिया से बेखबर शराब और शबाब में गोते लगाते हुए गगन भेदी ठहाके लगा रहे थे। वेटर और अटैन्डेन्ट सब बेहद जवान

१६३

और खूबसूरत लड़कियां थी जो अपने उत्तेजक शरीर पर अन्डरवियर और ब्रेजियर के अतिरिक्त कुछ भी पहने हुये नहीं थीं ।

एक अरब स्टीवर्ड जेम्स बांड को डांस फ्लोर की बगल की एक मेज पर ले आया । तत्काल ही क्लब की एक होस्टेस वहां प्रकट हुई। वह एक शानदार पेरिस स्टाइल, का गाउन पहने हुये थी और सुरत शक्ल से अमेरिकन मालूम होती थी। वह जेम्स बांड को देखकर मुस्कराई और फिर उसके सामने की कुर्सी पर बैठ गई।

'स्काच!' उसने प्रश्न किया ।

जेम्स बांड ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

होस्टेस की आंखों के संकेत से ही एक वेट्रेस उसके समीप आ खड़ी हुई ।

वेट्रेस ने आर्डर लिया और फिर आदरपूर्ण ढंर्ग से सिर झुकाकर वहां से हट गई ।

जेम्स ब्रांड ने अपने आसपास दृष्टि दौड़ाई । हाल में संसार की हर राष्ट्रीयता के व्यक्ति दिखाई दे रहे थे। लड़कियां जेम्स बांड को अधिकतर जर्मन, अमेरिकन और ब्रिटिश दिखाई दीं।

वेट्रेस ने आर्डर सर्व कर दिया।

जेम्स कांड ने होस्टेस से गिलास टकराया और स्काचः की चुस्कियां लेने लगा।

'मेरा नाम जेम्स बांड है।' जेम्स बांड बोला।

'मेरा नाम शेती है-' होस्टे एक उत्तेजक मुस्कराहट अपने चेहरे पर लाती हुई बोती ।

'अमेरिकी?'

'नो । ब्रिटिश । वह बोली।

'सूरत शक्ल से तो मैंने तुम्हें अमेरिकन समझा था ।'

'मैं ब्रिटिश हूं।'

'यह तो और भी अच्छा है। मैं काहिरा में एक अपने ही देश के वासी से मिल रहा हूं।'

शेली केवल मुस्कराई।'

'यहां कब से हो?'

'दस महीने हो गये हैं।'

"मैं तो यहां पहली बार आया हूं।'--- जेम्स बांड सावधानी से शब्द चयन करता हुआ बोला- 'सुना है स्फिंक्स क्लब की वास्तविक रंगीनी आधी रात को आरम्भ होती है और फिर रंगीनियों का सिलसिला अंगली सुबह तक चलता है?'

'आपने एकदम ठीक सुना है।'

'आधी रात से सुबह तक क्या कुछ होता है यहां?"

'सभी कुछ होता है। असली कैबरें आइटम और मिस एमी की स्ट्रिप टीज परफारमेंस आधी रात के बाद ही आरम्भ होती है। आधी रात के बाद ही जुआघर खोला जाता है। फिर रात भर खाना पीना चलता है, नृत्य होते हैं, और भी बहुत कुछ होता है ।' - शेली अर्थपूर्ण स्वर में बोली- 'और फिर भोर होने पर शैम्पेन ब्रेकफास्ट के साथ एक रंगीन रात की समाप्ति हो जाती है।'

जेम्स बांड बिचार करने लगा। क्लब का जैसा प्रोग्राम शेली ने बताया था, उसके अनुसार क्लब की भीतरी विधियों का जान पाने का सही समय रात को दो बजे बाद था, जबकि हाल में मौजूद हर आदमी एक मदहोशी की-सी हालत में होता और किसी को अपने आपकी खबर नहीं होती ।

'आधी रात होने में तो अभी बहुत देर है।'- जेम्स बांड अर्थ पूर्ण स्वर में बोला- 'तब तक मैं क्या करूं?'

'क्या करना चाहते हैं आप?' शेली ने भी वैसे ही अर्थ पूर्ण स्वर में पूछा।

जेम्स बांड ने एक सरसरी दृष्टि. शेली के उत्तेजक शरीर पर डाली, फिर स्वीमिंग पूल की दिशा में देखा और फिर बोला- 'आओ, स्वीमिंग पूल पर चलें ।'

शेली ने अपना स्काच का गिलास खाली किया और उठ खड़ी हुई ।

"आप स्वीमिंग पूल पर पहुंचिये ।'- वह बोली- 'पन्द्रह मिनट बाद मैं आपको वहीं मिलती हूं।'

'ओ० के० बाई मी।'- जेम्स बांड बोला और वह भी उठ, खड़ा हुआ ।-

शेली उस पर एक अन्तिम मुस्कराहट फेंककर वहां से हट गई ।

जेम्स बांड स्वीमिंग पूल की ओर बढ़ गया ।

१६५
एक अरब अटेंडेंट ने उसकी तैराकी सम्बन्धी जरूरतें पूरी कर दीं।

पांच मिनट बाद जेम्स बांड एक अन्डरवियर पहने स्वीमिंग पूल की ओर बढ़ रहा था।

उसने लापरवाही से चलते हुए स्वीमिंग पूल का एक चक्कर लगाया।

पानी में केवल सात आठ लोग तैर रहे थे। कुछ और लोग स्वीमिंग पूल के किनारे.पर पड़ी कुसियों पर बैठे हुए थे और ड्रिंक्स ले रहे थे ।

अन्त में वह डाइविंग स्टेज की ओर बढ़ा ।

वह डाइविंग स्टेज की सीढ़ीयाँ चठकर प्लेटफार्म पर पर पहुंच गया।
प्लेटफार्म स्वीमिंग पूल से लगभग पचास फुट ऊंचा था और उस पर से, दूर-दूर तक चांद की रोशनी में चमकती हुईं रेगिस्तान की रेत और काहिरा शहर की जगमगाती हुई रोशनियां दिखाई दे रही थीं।

जेम्स वांड प्लेटफार्म के एक किनारे पर नीचे पांव लटका कर बैठ गया।

इतनी ऊंचाई से स्वीमिंग पूल बड़ा मोहक दृश्य प्रस्त कर रहा था । लहरें मारता हुआ पानी पूल की तह में फिट की हुई रंगविरंगी रोशनियों से चमचमा रहा था और उसमें तैरती हुई युवतियां जलपरियों-सी मालूम हो रही थीं।

'अभी तक पानी में नहीं कूदे?' एकाएक उसके कानों में शेली की आवाज पड़ी ।

जेम्स वांड ने घूम कर देखा। शेली काले रंग का बिकनी स्वीमिंग सूट पहने हुए थी और उसने अपने बालों को प्लास्टिक की एक टोपी से ढका हुआ था ताकि वे भीग न जायें । कृत्रिम प्रकाश में उसका पुष्ट और गोरा शरीर संगमर-मर की तरह चमक रहा था।

'मैं तुम्हारा इन्तजार कर रहा था।' जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला ।

'आ गई मैं।'- यह इठलाकर बोली और फिर जेम्स बांड की बगल में बैठ गई ।

क्लब में से आर्केस्ट्रा पर बजती हुई विलायती धून की आवाज आ रही थी।
नीचे स्वीमिंग पूल पर कई लोगों के मौजूद होने के बावजूद जेम्स बांड पूल से तीस फुट ऊंचे प्लेट-

१६६

फार्म पर शेली के साथ बैठा एकदम एकांत का अनुभव कर रहा था।

एकाएक जेम्स बांड ने अपना हाथ शेली की कमर में डाल दिया।

शैली के शरीर ने हल्की-सी झुरझुरी ली लेकिन उसने जेम्स बांड का विरोध नहीं किया।

जेम्स बांड ने उसके लगभग नग्न शरीर को अपने आलिंगन में लेकर उसे प्लेटफार्म पर लिटा दिया और फिर उसके खूव-सूरत गुलाबी होंठों पर अपने होंठ रख दिये ।

शैली की भुजायें भी उठी और जेम्स बांड की गर्दन से लिपट गई। धीरे- धीरे शेली की भुजाओं की पकड़ कंसने लगी और उसकी सांस तेज होने लगी ।

जेम्स वांड ने उसके होंठों से अपने होंठ हटा लिये और फिर तनिक नीचे झुककर अपने चेहरे को जोर से उसके वक्ष पर रगड़ा ।

. 'ओह!' - शेली कांपत्ते स्वर में बोली ।

उसी क्षण किसी के सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए कक्ष्मों की थप-थप सुनाई दी।

दोनों ने लगभग एक साथ अपनी पकड़ ढीली कर दी। दोनों एक-दूसरे से अलग हो गये और उठकर बैठ गये ।

एक जोड़ा प्लेटफार्म पर प्रकट हुया। दोनों प्लेटफार्म के सिरें पर पहुंचे और फिर बारी-बारी वहां से स्वीमिंग पूल में कूद गये ।

जेम्स बांड शेली की ओर देखकर मुस्कराया। शेली का चेहरा लाल हो गया और उसने नेत्र झुका लिये ।

'वह लाइट हाउस जैसी इमारत क्या है?'- एकाएक जेम्स बांड काहिरा नगर की ओर दूर कहीं उंगली उठाता हुआ बोला।

शेली के नेत्रों ने जेम्स बांड के संकेत का अनुसरण किया और फिर बोली- 'वह काहिरा की प्रसिद्ध मुहम्मद अली मस्जिद है और जो तुम्हें लाइट हाउस जैसा लग रहा है, वह उसी मस्जिद की एक मीनार है।'

'मस्जिद की मीनार?'

'हाँ, मैंने सुना है उसी मीनार पर चढ़कर मस्जिद का धार्मिक आदमी खुदा को याद करता है।'
'आई सी?'
'तुम देखने नहीं गये थे?'
'अभी नही लेकिन वापिस इंगलैंड लौटने से पहले नगर के प्रसिद्ध स्थानों का चक्कर लगाने का समय निकाल ही लूंगा।'
'तुम टूरिस्ट नहीं हो?'
'नही मैं विजनेस मैन हूं।'
'क्या बिजनेल. करते हो?'
'इंगलैंड में नाइट क्लब चलाता हूं। लंदन में मेरे तीन नाइट क्लब हैं।'
'काहिरा में कैसे आये?'
स्फिंक्स क्लब देखने ही आया हूं। बड़ी तारीफ सुनी थी मैंने इसकी। मेरा इरादा लंदन में ऐसी ही एक क्लब चलाने का है। इसीलिये में यहां इस ऊंचाई पर आकर बैठा था ताकि 'क्लब के ले आउट का मुझे थोड़ा-सा आइडिया हो जाये । लेकिन अभी भी इस इमारत की बहु बातें ऐसी हैं जिनका नक्शा मैं अपने दिमाग में बैठा नहीं पा रहा हूं।'
जेम्स बांड की तरकीव काम कर गई। फौरन ही शेली उसे इमारत की एक-एक डिटेल समझाने लगी। कहां क्या है? कहां क्या होता है? वगैरह
'अन्डर ग्राउन्ड कमरे नहीं हैं, इसमें? जेम्सवांड ने सावधानी से प्रश्न किया ।
नहीं।'
'हमारी क्लबों में तो होते हैं।'
'किस लिये?'
'कई काम आते हैं वे ।' - जेम्स बांड बोला - 'निश्चित समय के बाद बार और जुआ घर चलाने के लिये। ऐसे लोगों को मजे लुटने के लिये पूर्ण एकांत

का मौका देने के लिये जो समाज के डर से चोरी-छुपे हमारे क्लब में आते हैं और ऐसी लड़कियों को गिरफ्तार करके रखने के लिये जो हमारे पंजे से निकल भागने की कोशिश करने लगती है?'
'यहां ऐसा कुछ नहीं है।'
'क्यों?'
'क्योंकि यहां इस प्रकार की कोई समस्या नहीं है।
यहां जो कुछ भी होता है खुले आम होता है। किसी काम को छुपा-कर करने की यहां जरूरत ही नहीं है।'
'लेकिन यहां तो संसार भर के देशों की लड़कियां मौजूद हैं। ऐसी कुछ तो लड़कियां होगी ही जिन्हें यहां का वातावरण पसन्द नहीं आता होगा, या वे इस वातावरण से ऊब जाती होंगी और वापिस स्वदेश लौटने की जिद करने लगती होंगी।'
'जो वापिस जाना चाहती हैं, वें चली ही जाती हैं।'
'तुम्हारा मतलब है कि उन्हें वापस जाने की इजाजत दे दी जाती है? उन्हें जबरदस्ती यहां रहने के लिये मजबूर नहीं किया जाता??
'मेरे ख्याल से तो नहीं।'
'तुम्हारा मतलब है कि स्फिंक्स क्लब में ऐसा कोई गुप्त स्थान नहीं है जहां लड़कियों को जबर्दस्ती बन्द करके रखा जाता है?'
'नहीं है। ऐसा स्थान होने की तो. जैस ही समझ नहीं आती मुझे ।'
'तुम बहुत सीधी हो ।'
'क्या मालव?'
'मेरा मतलब है' - जेम्स बांड वात पलटकर बोला-'शायद वास्तव में स्फिंक्स क्लब में ऐसी कोई जगह हो लेकिन तुम्हें उसकी जानकारी न हो ?'
'यहां ऐसी कोई जगह नहीं है।' - शेली निश्चित स्वर में बोली ।
शेली उसे सच बोलती हुई महसूस हुई ।

'सम्भव है।' जेम्स बांड बोला ।

वह कुछ क्षण चुप रहा, और थोड़ी देर बाद उसने फिर शेली से इमारत के बारे में प्रश्न पूछने शुरू कर दिये ।

शैली के उत्तरों से जेम्स बांड को अनुभव हुआ कि क्लब की इमारत का एक भाग ऐसा भी था जिसके विषय में शेली को भी विशेष कुछ नहीं मालूम था। इमारत का वह भाग जब के शोर शराबे के मुकाबले में एकदम शान्त रहता था, उसकी खिड़कियों पर मोटे-मोटे पर्दे पड़ रहते थे जिनकी वजह से कमरों के भीतर झांक पाना सम्भव नहीं था। और शेली का ख्याल था कि उन कमरों की खिड़कियों में भी ताले लगे रहते थे ।

169

जेम्स बांड ने उससे कुछ अन्य प्रश्न पूछे जिनके उसे सीधे और संक्षिप्त उत्तर मिल गये। अव एकाएक शैली उसके प्रश्नों के उत्तर देते समय विचलित दिखाई देने लगी थी। उसने तत्कोल और प्रश्न पूछना बंद कर दिया ।

'आओ तैरें।' - वह एकाएक उठता हुआ बोला।

शेली भी उठ खड़ी हुई और फिर उसने तीस फुट ऊंचे प्लेटफार्म से पानी में छलांग लगा दी।

जेम्स बांड ने भी एक गहरी सांस ली और उसके पीछे स्वीमिंग पूल में कूद गया।

लगभग आधा घण्टा वे स्वीमिंग पूल के ठण्डे पानी का आनन्द लेते रहे।
फिर शेली पानी से बाहर निकल आंई।

जेम्स बांड भी बाहर निकल आया ।

'क्या बात है?' - जेम्स बांड ने पूछा।

'बारह बजने को हैं।' - शेली ने उत्तर दिया- 'ऐमी के" नृत्य का समय हो गया है।'

ओह.!'

"[illegible]' [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अपने शरीर से बेखबर-सी नाचती हुई ऐमी, 'जेम्स बांड के नेत्रों से केवल दो फुट सामने से गुजरी। जेम्स बांड की पलकं नहीं झपकी, वह, नहीं चाहता था कि एक क्षण के लिये भी उसके नेत्र बन्द हों और वह उसं अपार रूपराशि और यौवन के आनन्द से वंचित रह जाये ।

ऐमी दर्शकों के दिलों में आग-सी लगाती हुई तेजी से नाचे जा रही थी ।

स्वयं जेम्स बांड का उत्तेजना से बुरा हाल था। उसके होंठ खुले हुये थे; सांस तेजी से चल रही थी और वह अपने आपको भूला बैठा था।

नाचती हुई ऐमी फिर स्टेज के मध्य में पहुंच गई।

एकाएक धुये के बादल बेहंद गहरे हो गये और ऐमी उन बादलों में खो गई।
तीव्र कृत्रिम प्रकाश की मौजूदगी में भी लोगों की उन नीले बादलों की पर्त के पीछे ऐमी का शरीर दिखाई न दे रहा था।

फिर हाल के किनारों पर रखे तेज पंखे चलने लगे और पंखों की हवा से धुये के वादल छटने लगे ।

हाल में से धुआं जब बिल्कुल गायब हो गया तो ऐमी फिर स्टेज पर दिखाई दी लेकिन इस बार वह अपने शरीर

१७१

पर एक गहरे लाल रंग का गाउन पहने हुये थी। उसने झुक-कर हाल में बैठे दर्शकों का अभिवादन किया।

हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

ओरियन्टल संगीत वन्द हो चुका था और आर्केस्ट्रा फिर विलायती धुनें वजाने लगा था।

धीरे-धीरे तालियां बजनी बन्द हो गयीं ।

ऐमी ने अपने हाथ में एक माईक थाम लिया और अपने शरीरे को धीरे-धीरे हिलाती हुई बड़ी रोमान्टिक आवाज में एक गीत गाने लगी ।

जेम्स बांड ने हाल में चारों ओर दृष्टि दौड़ाई।

शेली उसे कहीं दिखाई नहीं दी।

जेम्स बांड धीरे से अपने स्थान से उठा और चुपचाप मेजों के बीच में से गुजरता हुआ हाल से बाहर की ओर चल दिया। किसी को उसकी ओर ध्यान देने की फुरसत नहीं थी।

हाल के मुख्यद्वार के समीप शानदार डिनर सूट पहने हुये काउन्टवान ग्लीविज खड़ा था और शेली और दो अन्य लड़-कियों के साथ बातें कर रहा था। हाउन्ट की कनपटी से लेकर गर्दन तक फैला हुआ गहरे जख्म का निशान कृत्रिम प्रकाश में और भी भयानक लग रहा था।

जेम्स बांड काउन्ट और शेली की नजर बचाकर हाल से बाहर निकल गया।

वह इमारत से बाहर निकल आया।

वाहर के अर्ध प्रकाशित वातावरण में उसने इमारत का चक्कर लगाना आरम्भ कर दिया। इमारत की एक दीवार पर एक लोहे की सीढ़ी लगी हुई थी जो छत से नीचे की ओर आती हुई जमीन से लगभग दस ग्यारह फुट ऊपर समाप्त हो जाती थी । जेम्स बांड सीढ़ी का सबसे नीचे का डण्डा पकड़ने के लिये ऊपर की ओर उछला लेकिन डण्डे तक उसका हाथ नहीं पहुंचा।

जेम्स बांड दुबारा छलांग लगाने की तैयारी कर ही रहा था कि उसे अपने पीछे हल्की सी खटखटाहट की आवाज सुनाई दी।

जेम्स बांड फुर्ती से पीछे घूमा और फिर सावधानी से आने वाले की प्रतीक्षा करने लगा ।

अन्धकार में से एक लम्बा-तड़ंगा अरब प्रकट हुआ। जेम्स बांड पर दृष्टि पड़ते ही वह फौरन ही जल्दी-जल्दी अरबी में कुछ कहने लगा ।

'क्या बक रहा है?' जेम्स बांड अंग्रेजी में बोला।

उत्तर में उस ने अरवी में ही कुछ कहा। प्रत्यक्ष था अरवी के अतिरिक्त उसे और कोई भाषा नहीं आती थी ।

फिर जेम्स बांड ने वह भाषा इस्तेमाल करने का इरादा किया जिसे गूंगे, वहरे, अन्धे सब समान रूप से समझते हैं।

"उसने अपना पर्स निकाला और उसे खोलकर अरब के सामने कर दिया ।

पर्स नोटों से ठूंसा हुआ था।

□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □

'□□ □□ □'- □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□" □□□□ □□ □□□□- '□□□ □□ □□ □□ □ □□□□ □'

□□□ □□□□ arb □□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□

□□□□ □□□ □□ □□□□-□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□

□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ ? □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □

□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ -□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □

□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□-□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□-□□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □ □□□

□□□

□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□

□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □

[illegible]

[illegible]

[illegible]

जेम्स बांड भीतर प्रविष्ट हो गया।

कमरे में उसे कोई सन्देहास्पद वात दिखाई नहीं दी ।

उसने देखा कमरे की खिड़कियों पर वाकई ताले लगे हुये थे।

; - अगर कमरों में कोई असाधारण वात नहीं थी तो खिड़-कियों में ताले क्यों? और फिर क्लब की भारी रौनक के मुकाबले में यह भाग सुनसान क्यों?

कमरे में एक विशेष प्रकार की सुगन्ध फैली हुई थी। एक ओर काकटेल कैबिनेट थी और वहां हर प्रकार की विस्की, बर्फ और सिग्रेट, सिगार वगैरह मौजूद थे। एक अन्य कोने में ड्रेसिंग टेवल थी जो स्त्रियों के बहुमूल्य सौंदर्य प्रसाधनों से भरी पड़ी थी ।

जेम्स बांड़ कमरे का निरीक्षण करने में इतना मग्न था कि उसे द्वार खोल कर भीतर घुस आये उस ठिगने आदमी का तब तक ज्ञान नहीं हुआ जब तक वह एकादम उसके सिर पर नहीं पहुंच गया ।

जेम्स वांड घूमकर पीछे घूमा ।

ठिगना विचित्र नेत्रों से उसे घूर रहा था। उसका एक हाथ उसके कोट की जेब में था जिसमें निश्चय ही पिस्तौल था।

जेम्स बांड ने अपने शरीर को ढीला छोड़ दिया और -लापरवाही से उसकी ओर देखने लगा।

'आप यहां क्या कर रहे हैं?' ठिगने ने कठोर स्वर से पूछा।

'क्या वाहियात सवाल पूछ रहे हो?' - जेम्स बांड बनावटी हैरानी का प्रर्दशन करता हुआ बोला- 'मुझे यहां आम-न्त्रित किया गया है। काउन्ट ने बताया नहीं तुम्हें?'

'नहीं।' ठिगना बोला। उसके नेत्रों में उलझन के भाव थे- 'मुझे तो आपके आगमन के विषय में सूचित नहीं किया गया था।

'काउन्ट' भूल गया होगा।'- जेम्स बांड लापरवाही से बोला-- 'गलती हो ही जाती है।'

१७५

'□□□□ □□□□ □□□□ □□ ?'

□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□- '□□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □'

□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □

'□□□□ □□□, □□ □'-- □□ □□□□- '□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □'

'□□□□□' □□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □..

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□

□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□

□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□□□ □□□ □□□

□□ □□□ □□□ □□□

□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□

वह विस्की और सिग्रेट का आनन्द लेता हुआ प्रतीक्षा करने लगा।

द्वार खुला ।

ठिगना अकेला नहीं आया था ।

उसके साथ चार लम्बे तडंगे अरब थे जो सूरत शक्ल से ही बेहद खूंखार लग रहे थे ।

सबसे आगे खुद काउन्ट वान ग्लीविज था ।

सब लोग भीतर प्रविष्ट हो गये तो ठिगने ने द्वार बन्द दिया।

जेम्स बांड ने अपने स्थान से उठने का उपक्रम नहीं किया। वह निलिप्त भाव से उन लोगों की ओर देखता रहा, विस्की की चुस्कियां लेता रहा और सिग्रेट के कश लगाता रहा।

कई क्षण कोई कुछ नहीं बोला । वातावरण में ब्लेड की धार जैसा पैनापन छाया हुआ था। काउन्ट स्थिर नेत्रों से उसे घूर रहा था।

फिर जो पहला वाक्य काउन्ट के मुंह से निकाला, वह बेहद अप्रत्याशित था -

'इस हरकत का क्या मतलब समझें, मि० बांड?'

प्रत्यक्ष में जेम्स बांड ने हैरानी जाहिर नहीं की। उसने स्काच का आखिर घूंट हलक से उतारकर गिलास नीचे रख दिया और उठ खड़ा हुआ। 1

'तो आप मुझे जानते हैं?'

'आपको कौन नहीं जानता, मि० बांड! काउन्ट बोला । वह बेहद स्पष्ट अंग्रेजी बोल रहा था ।

'मजाक?'

'यह मजाक नहीं है। फिंक्स क्लब में आने वाले मेहमानों के बारे में पूरी जानकारी रखना मेरा धन्धा है।'

'अच्छा? फिर तो आप एन्थोनी बूचर को भी जानते होंगे?'

जेम्स बांड का ख्याल था कि एकाएक एन्थोनी बूचर का जिक्र आ जाने की वजह से काउन्ट सकपकायेगा लेकिन जेम्स बांड को निराश होना पड़ा।

'जानता हूं, साहव । - काउन्ट शान्त स्वर में बोला-'एन्थोनी बूचर यहां अक्सर आया करता था ।'

'और वह आपके और आपकी स्फिंक्स क्लब के विषय में इतना अधिक जान गया था कि आपने उसकी हत्या करवा दी!'- जेम्स बांड -व्यंगपूर्ण स्वर में बोला।

'ऐसा कुछ नहीं हुआ है, मिस्टर बांड ।'- काउन्ट शान्त

१७७

स्वर से बोला - 'यह सच है कि बूचर यहां जब आता था, कुछ न कुछ सूंघता ही फिरता था। न जाने उसे कैसे यह वाहियात सा सन्देह हुया था कि स्फिंक्स क्लव में अमेरिका और योरोप से जबर्दस्ती भगाकर लाई गयी खूबसूरत लड़कियों को जबर्दस्ती बेचा जाता है। बूचर के सन्देह को मिटाने के लिये मैंने ही उसे वह सब जानने का मौका दिया था जिसे कुछ तुम कहते हो कि वह जान गया था। यह बात तुम स्फिंक्स क्लब में किसी से भी पूछ सकते हो कि मैंने खुद बूचर को यहां के चप्पे-चप्पे से परिचित कराया था, उसे स्फिंक्स क्लब की किसी भी होस्टेस से मिलने का पूरा- पूरा अवसर दिया था ताकि उसके मन में से यह संदेह मिट जाये कि यहां कोई गैर-कानूनी काम होता है और मुझे खुशी है कि आखिरी बार जब वूचर यहां आया था तब तक उसके सारे भरम मिट चुके थे।'

"फिर भी आपने उसकी हत्या करवा दी ।'

'हमने उसकी हत्या नहीं करवाई है, मिस्टर बांड।'

इस बार काउन्ट तनिक खीजभरे स्वर में बोला ।

'तो फिर बूचर की हत्या किसने करवाई है?'

'मैं इस वारे में क्या कह सकता हूं!' - काउन्ट हाथ फैलाकर बोला- 'काहिरा तो अपराधों और अपराधियों का शहर है। क्या पंता बूचर की हत्या किसने कर दी और क्यों कर दी?'

'आंप यह कहना चाहते हैं कि बूचर की मौत से आपका कोई सम्वन्ध नहीं है ??

'सवाल ही नहीं पैदा होता?'
'और अव आप चाहेंगे कि मैं आपकी बात का विश्वास कर लूं।'
'क्यों नहीं? इसके सिवाय और चारा ही क्या है आपके पास??
'और आप मेरी हत्या क्यों करवाना चाहते थे?'
'मिस्टर बांड ।'- काउन्ट प्यारभरे स्वर में बोला -'आप बहुत ज्यादा पी गये है।'
'मैं पूरी तरह होश में हूं।'- जेम्स बांड कठोर स्वर में बौला-- 'एयरोड्रोम के रास्ते में जिन लोगों ने मेरी हत्या का प्रयत्न किया था उसमें से एक ने मुझे बताया था कि मेरी
१७८
हत्या का आदेश उन्हें आपकी हाउस बोट से मिला था।'
'प्रिसेस से?' वो हिचकिचाया।'
'आपकी हिचकिचाहट ही आपके सवाल का बेहतर जवाब है।'
उसने कहा था कि उसे नील नदी में खड़ी सबसे बड़ी हाउस बोट से मेरी हत्या का आदेश मिला था।' 'जेम्स बांड भड़क कर बोला।
'आप जरा दिन की रोशनी में कैसर अल नील ब्रिज पर, दुबारा जाइये और अपनी आंखों को अच्छी तरह खोलकर वहां की हाउस बोटों को देखिये। आपको 'प्रिंसेस' जैसी कई बड़ी हाउस बोटें दिखाई देंगी वहां ।'
''मैं देख चुका हूं।'
'एक बार फिर देखिएगा और इस बार जरा अच्छी तरह देखिएगा।'
जेम्स बांड चुप हो गया। काउन्ट 'के बारे में जो कुछ उसने सोचा था उसका आधार केवल संदेह था और अब वह संदेह उसे, काफी हद तक निर्रथक लगने लगा था ।
'मिस्टर बांड ।' काउन्ट बोला- अगर आप स्फिंक्सः क्लब के विषय में कुछ जानना चाहते थे तो आपने मुझसे वात की होती । मैं आपकी हर सम्भव

सहायता करता। गुण्डों की तरह पहरेदार पर हमला करके और चोरों की तरह यहां घुसकर आप कोई नतीजा हासिल नहीं कर सकेंगे ।'

'सीधे पूछने पर आप यहां पर मौजूद हर देश की लड़कियों के बारे में मुझे कुछ बताते?' जेम्स बांड सन्दिग्ध स्वर में बोला ।

"क्यों नहीं बताता?'- काउन्ट आश्वासनपूर्ण स्वर में बोला 'छुपाने लायक यहां है ही क्या? स्फिक्स क्लब में मेहमानों का मनोरंजन करने के लिए यहां पर पच्चीस हाई क्लास लड़कियां मौजूद हैं, जिनमें से छः अंग्रेज हैं, चार अमेरिकन हैं, दो जर्मन हैं, दो डच हैं, एक चीनी है, दो रूसी हैं, एक जापानी है, और बाकी सात एशिया के विभिन्न देशों की हैं। सब यहां स्वेच्छा से मौजूद हैं और अपनी वर्तमान स्थिति से पूर्णतया संतुष्ट हैं। हमने किसी को यहां पर जबर-दस्ती नहीं रखा हुआ है। अगर कोई लड़की यहां नहीं रहना

179

चाहती तो हम तत्काल उसकी स्वदेश वापिसी का इन्तजाम कर देते हैं।'

'जबकि वास्तव में स्वदेश कोई भी लड़की नही पहुंचती ।

'जो लड़कियां अपने देशों से बाहर आकर वापिस नहीं पहुंचतीं उनसे हमारा कोई वास्ता नहीं है। वे किन लोगों के हाथ पड़ जाती हैं, इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। मैं स्फिक्स क्लब की लड़कियों के बारे में गारंटी करता हूं, उनके स्वदेश लौटने की इच्छा प्रकट करने भर की देर होती है और फिर फौरन सब इन्तजाम कर दिया जाता है।'

'काश, आपकी गारण्टी के स्थान पर इस प्रकार की कोई बात मैंने यहां की किसी होस्टेस के मुंह सुनी होती।'

'उसका भी इन्तजाम कर दिया जायेगा। आप जिस लड़की से भी पूछताछ करना चाहेंगे, उसे आपके सामने प्रस्तुत कर दिया जायेगा। मिस्टर बांड शायद आपको मालूम नहीं है. कि प्रत्येक होस्टेज ने स्फिक्स क्लव के धन्धे के दम पर लाखों पाउन्ड जमा कर लिए हैं। उन्हें जीवन की हर सुख सुविधा उपलब्ध है और वे यहां बड़ा ऐश्वर्यपूर्ण जीवन व्यतीत कर रही हैं। हमारा उन्हें यहां जबरदस्ती रखने का तो सवाल ही नहीं है, उल्टे अगर आप उन्हें यहां से ले जाना चाहें तो वे इन्कार कर देंगी।'

'आप मुझे यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि काहिरा में अमेरिका और योरोप से फुसलाकर लाई हुई लड़कियों की अरव शेखों को नीलामी का धन्धा नहीं होता?'

'हमें आपको ऐसा कोई विश्वास दिलाने की क्या जरूरत है। ऐसा धन्धा होता होगा। जरूर होता होगा?'

'लेकिन आपका उस धन्धे से कोई सम्बन्ध नहीं है?'

'सवाल ही नहीं पैदा होता। मिस्टर बांड, एन्थोरी बूचर की तरह आपको भी मैं स्फिक्स क्लव के चप्पे-चप्पे की तलाशी लेने का निमन्त्रण देता हूं। आप खुद ही सोचिए अगर मैं कोई ऐसा धन्धा करता तो क्या मैं आपको स्फिक्स क्लब की तलाशी लेने का अवसर देता?'

'क्या मतलब?'

'मतलब यह कि अगर मैं विदेशी लड़कियों को उनकी इच्छा के विरुद्ध जवरदस्ती वेचने का व्यापार करता हूं तो आपके ख्याल से उन लड़कियों को मैं छुपाता कहां हूं?'

१८०

'प्रिसेज में ।' - जेम्स बाण्ड के मुंह से अपने आप निकल गया ।

'ठीक है। - काउन्ट तत्काल बोला- 'आप अभी मेरे साथ मेरी हाउसबोट पर चलिए और एक सिरे से दूसरे सिरे तक उसकी तलाशी ले लीजिए।'

जेम्स बांड चुप रहा। काउन्ट की बात कहने का ढंग ही यह सिद्ध करने के लिए काफी था कि प्रिंसेज में कुछ नहीं रखा था।

'मिस्टर बांड, आप इसे स्थायी निमन्त्रण समझिये।'-काउन्ट चैलेंजभरे स्वर में बोला- 'आप जब चाहें मेरी हाउस' बोट पर आकर उसकी तलाशी ले सकते हैं।'

जेम्स बांड फिर चुप रहा। काउन्ट ने उसे पूरी तरह घिस दिया था।

'अब आप बताइये कि आप यहां क्या देखना चाहते थे?' - काउन्ट बोला।

'कुछ नहीं।'- जेम्स बांड गम्भीरता से बोला--'अब कुछ नहीं देखना चाहता मैं ।'.

उसे अपना मिशन फेल होता हुआ मालूम हो रहा था। अगर एन्थोंनी बूचर जीवित होता तो शायद शायद आगे बढ़ने की कोई गुंजायश निकल आती ।

'तो फिर क़्लब के एक सम्मानित अतिथि की तरह आप यहीं इसी कमरे में तशरीफ रखिये । मैं आपके भरपूर मनोरंजन का इन्तजाम यहीं कर देता हूं ।'

और काउन्ट अपने दल बल के साथ वापिस जाने के लिए घूमा।

'जस्ट ए मूमेंट ।'- जेम्स बांड जल्दी से बोला ।

- काउन्ट ने घूमकर प्रश्नसूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

'एक सवाल पूछना चाहता हूं मैं।'

'दस पूछिये ।'

'आप मुझे अपने हर कृत्य की इतनी सफाई देने की तकलिफ क्यों उठा रहे हैं? आप क्यों मुझे इस बात का विश्वास दिलाने -के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं कि आपका या स्फिक्सक्लब का गोरी नस्ल की औरतों की नीलामी के व्यापार से कोई वास्ता नहीं है?'

काउन्ट एक क्षण रुका और फिर बोला- 'इसका मुख्य कारण तो यही है कि आप हमारे सम्मानित मेहमान हैं। आप को हर हाल में सन्तुष्ट रखना हमारा धर्म है। दूसरा कारण भी पहले की तरह विशुद्ध व्यापारिक है। हम जो इस ध्येय को मानने वाले हैं, मिस्टर बांड कि एक सन्तुष्ट ग्राहक किसी भी धन्धे की सबसे बड़ी पब्लिसिटी होता है। एक सन्तुष्ट ग्राहक दस ग्राहक और खींच कर लाता है। अगर हम आप को यह विश्वास दिलाने में सफल हो जाय कि स्फिक्स क्लब में फेयर बिजनेस होता है, यहां मेहमान की सन्तुष्टि और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाता है और मनोरंजन के मामले में इससे बेहतर जगह मिलनी मुश्किल है, तो वह स्वदेश जाकर स्फिक्स क्लब का अच्छा खासा पब्लिसिटी का मीडियम जाना जायेगा। परिणाम स्वरूप यहां ज्यादा लोग आयेंगे और हमारा व्यापार बढ़ेगा।'

'यही इकलौता कारण है?'

'और क्या कारण हो सकता है, मिस्टर बांड?'

'शायद आप ठीक कह रहे हैं।' जेम्स बांड गहरी सांस लेकर बोला ।

'□□ □□□□ □□□□□ □□ ?'□□□□□□ □□□□ □ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□

'□□□ □□ □□□□□ □' - □□□□□ □□□□ □□□□□

□□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□

□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□- □□ □□ □□ □□ □□□ □□□ □□ □

□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□

□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□

'□□□□□□□'- □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □

'□□□□ □□□'- □□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□

'□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□, □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□□

□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□
□□□

□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□

□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□

'□□□ □□□ □□ □□□ □□□□' □□□□□ □□□□□ □□□□'- □□□□□ □□□□ □□□□ □

□□□□ □□□□ ?' - □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□

'□□□□□□□□ □□□□ □□□, □□□□□□ □□ □□□□ □□□, □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□'

'ऐसे सवाल तुम्हें काउन्ट से पूछने चाहिये।
'मैंने काउन्ट से बात की थी। उसी ने मुझे कहा था कि मैं जिन होस्टेस से चाहूं सवाल कर सकता हूं।'
'और इस समय तुम्हारी नजर मुझ पर है?'
'हां।'
'अच्छी बात है।' - शेली बोली और एकाएक उसने जेम्स बांड के गले में अपनी वाहें डाल दीं- 'लेकिन पहले तो तुम मेरे एक सवाल का जवाब दो?' 'पूछो।'
"मैं तुम्हें सुन्दर लगती हूं?'
'बेहद ।'
'अभी थोड़ी देर पहले डाईविंग प्लेट फार्म पर तुम मुझ से कुछ चाहते थे ?'
'हां।'
'और अव भी चाहते हो?'
'हां।'- जेम्स वांड मुस्कराता हुया बोला ।
'तो फिर वक्त क्यों वरवाद कर रहे हो?' - शेली शिकायत भरे स्वर से बोली ।-
'तुम ठीक कह रही हो।'- जेम्स बांड बोला और उसने शैली को अपनी ओर खींच लिया।
सवेरा हो चुकने के बाद जेम्स बांड की आंख खुली ।
शेली जा चुकी थी ।
वह आंखे मलता हुआ उठा और वाथरूम में प्रवेश कर गया।
१८३

बीस मिनट बाद वह नित्यकर्म से निवृत होकर बाहर निकला ।

एक वेटर ने उसे शेम्पेन ब्रेकफास्ट सर्व किया ।

बाद में वही वेटर उसे क्लब के उस भाग से बाहर ले चला।

कई गलियारों और दरवाजों में से गुजरता हआ वह जेम्स बांड को अन्त में क्लब के उस भाग में ले गया, जिसे जेम्स बांड पहले भी देख चुका था।

मेन हाल उजड़ा पड़ा था ।

सीड़ियों के पास काउन्ट खड़ा था। उसके हाथ में एक कागज था और होंठों पर एक कमीनी मुस्कराहट थी।

उसने वह. कागज जेम्स बांड के हाथों में थमा दिया ।

जेम्स बांड ने देखा वह क्लब का बिल था और ऐसा भयंकर विल उसने पहले कभी नहीं देखा था। स्फिंक्स क्लब में एक रात के मनोरंजन का बिल 'एम' द्वारा ब्रिटिश बैंक के माध्यम से काहिरा में जेम्स बांड के लिए भेजे गये धन का अस्ती-प्रतिशत था।

वाकई स्फिंक्स क्लब में केवल करोड़पति ही आ सकते थे।

'जेम्स बांड ने बिल की रकम का चैक लिख दिया और फिर अपनी-कोट की जेब में से एक सिक्का निकाल कर काउन्ट की हथेली पर रख दिया।

'यह क्या है?'- काउन्ट ने पूछा।

'तुम्हारी टिप।' जेम्स बांड प्रत्यक्षतः गम्भीर स्वर में बोला।

काउन्ट का चेहरा कानों तक लाल हो गया लेकिन वह मुंह से कुछ नहीं बोला ।

'जेम्स बांड क्लब से बाहर निकल आया ।

बाहर कोई टेक्सी नहीं खड़ी थी ।

पार्किंग में लोगों की लम्बी-लम्बी अमेरिकन गाड़ियों की कतार लगी हुई थी लेकिन कोई टैक्सी वहां नहीं थी। शायद स्फिंक्स क्लब के पैट्रन टैक्सियों पर सवार होने के आदी नहीं थे ।

जेम्स बांड क्लब की हद में से निकल कर सड़क के किनारे आ खड़ा हुआ ।

१८४
किसी से लिफ्ट मग कर काहिरा पहुंचने के अतिरिक्त और कोई रास्ता नहीं था।

उसे क्लब में से निकल कर एक कार सड़क पर आती दिखाई दी। जेम्स बांड ने लिफ्ट के लिए हाथ उठाना चाहा लेकिन फिर इरादा छोड़ दिया। उस कार में पहले से ही छः आदमी मौजूद ने ।

कार उसकी बगल में से गुजर गई ।

थोड़ी देर बाद उसे एक और बड़ी कीमती कार आती दिखाई दी। कार को वर्दी धारी शोफर चला रहा था।

जैम्स बांड ने हाथ उठाकर उसे लिफ्ट के लिए संकेत किया। लेकिन शोफर ने कार की गति धीमी करने का कोई उपक्रम नहीं किया।

शायद ट्रान्सपोर्ट के इन्तजाम के लिए काउन्ट को ही कहना पड़ेगा।- जेम्स बांड ने सोचा ।

कार सर से उसकी बगल में से गुजर गई ।

लेकिन तभी जेम्स बांड को ब्रेकों कीचरचराहट की आवाज. सुनाई दी ।

जेम्स बांड ने घूमकर काहिरा की ओर जाने वाली सड़क की दिशा में देखा ।

वर्दीधारी शोफर द्वारा चलाई जाने वाली कार सड़क पर रुक गई थी।

जेम्स बांड ने आशा पूर्ण नेत्रों से कार की ओर देखा।

कार में से किसी लड़की ने सिर निकाल कर उसकी ओर झांका फिरु सिर गायब हो गया और अगले ही क्षण कार बैंक होती हुई उसकी बगल में आ खड़ी हुई ।

कार की पिछली सीट पर बैठी लड़की ने हाथ बढ़ा कर कार का जेम्स बांड की ओर का द्वार खोल दिया और बोली-प्लीज कम ।'

:

जेम्स बांड कार में प्रविष्ट हो गया ।

कार फिर चल दी।
जेम्स बांड ने देखा उसकी 'बगल में बैठी हुई तह लड़की स्फिंक्स क्लब की स्ट्रिपटीज डान्सर एमी थी ।
'थैंक्य ।'- जेम्स बांड बोला ।
एमी केवल मुस्कराई।
'मुझे नहीं मालूम था, कि अपनी कार साथ न लाने पर
१८५
स्फिंक्स क्लब से काहिरा लौटना इतना कठिन होता है।'
'हमेशा ऐसा नहीं होता।'- एमी मुस्कराती हुई बोली 'क्लब के सामने चार पांच टैक्सियां खड़ी ही रहती हैं। आज ही न जाने क्यों वहां कोई टैक्सी नहीं थी।'
'मेरा नाम बांड है, जेम्स वांड ।'-- जेम्स बांड ने बताया।
'मैं जानती हूं आपको ।'
जेम्स बांड चौंका ।
'आप जानती हैं मुझे ।'--- जेम्स बांड ने दोहराया।
"हां, काउन्ट ने आपका जिक्र किया था।'
'ओह।'- वह गहरी सांस लेकर बोला।
'आप, सुना है, होटल के कर्मचारियों से बाकायदा मार कुटाई करके क्लब के उस भाग में घुस गये थे जहां लड़कियां 'एकान्त में मेहमानों का मनोरंजन करती हैं जबकि आपको केवल अपनी इच्छा जाहिर करने की जरूरत थी और काउन्ट खुद आप को वहां तक पहुंचा देता।'
'दरअसल, वह सव एक गलत फहमी में हुआ।' जेम्स बांड संकोचपूर्ण स्वर में वोला- 'आई फील सारी नाउ।

'मेरा नाम एमी है'- एमी ने बताया 'मैं स्फिंक्स क्लब की कैब्रे डान्सर हूं। रात को मेरे डान्स के समय आप हाल में थे या उस समय क्लब की दीवार फान्द रहे थे?'

'आपका डान्स मैंने देखा था और वाई गाड, आंखें फाड़-फाड़ कर देखा था। अगले दस साल तो मैं आपके नृत्य को भूल नहीं पाऊंगा।'

'थैंक्यू ।' - वह मुस्कराती हुई बोली ।

उत्तर में जेम्स बांड कुछ नहीं बोला। वह बड़ी गौर से उसके चेहरे को देखता रहा।

दो तीन वार एमी की निगाहें जेम्स बांड के नेत्रों से टकराई।-

'आप क्या देख रहे हैं, मिस्टर बांड? ' - अन्त में एमी नर्वस स्वर से बोली ।

'आपकी सूरत देख रहा हूं।'- जेम्स बांड गहरी सांस लेकर वोला ।

'ऐसा क्या है मेरी सूरत में?'

'आप बहुत सुन्दर हैं।'

एमी हंसी ।

जेम्स बांड नें धीरे से अपना हाथ एमी के कार की सीट "पर रखे हाथ पर रख दिया ।

एमी ने धीरे से हाथ खींच लिया और बोली- 'ओह तो मिस्टर वांड, प्लीज डोन्ट ट्राई टु बी फ्रेंक ।'

जेम्स बांड ने एक बार उसकी सूरत की ओर देखा और फिर उसके हाथ पर से अपना हाथ हटा लिया।

वाकी रास्ता लगभग खामोशी में गुजर गया । जेम्स बांड ने एक फलाकी स्ट्रीट में कार रुकवाई ।

'थैंक्स अगेन फार दि लिफ्ट ।'- वह मुस्कराता हुआ बोला और उसने द्वार के हैंडल की ओर हाथ बढ़ाया।

'मिस्टर बांड'- एमी एकाएक तनिक व्यग्र स्वर में बोली ।

जेम्स वांड उसके स्वर की असाधारणता से प्रभावित हुये बिना न रह सका । उसने हैंडल से हाथ हटा लिया और बोला - 'यस ।'

'देखिये ।' एमीं नर्वस स्वर में बोली- 'यह मत समझिये कि मैं आपके निजी मामलों में दखल देने का प्रयत्न कर रही हूं लेकिन फिर भी एक बात की अचानक जानकारी हो जाने की वजह से मैं स्वयं को चुप नहीं रख पा रही हूं।'

'वात क्या है?' - जेम्स बांड गम्भीर स्वर से बोला ।

'रात को मैंने काउन्ट को आपके सम्बन्ध में किसी से बातें करते सुना था। उन बातों से मैं इस नतीजे पर पहुंची हूं.कि आपकी जान खतरे में है।'

'यह तो मुझे पहले ही मालूम है।'

'फिर भी आप भयभीत नहीं हैं?' जेम्स बांड केवल मुस्कराया ।

'देखिये, आपके देश में खतरे की क्या परिभाषा होती है,

यह में नहीं जानती । क्योंकि अभी तक मैंने योरोप नहीं देखा. है लेकिन पूर्वी देशों के बारे में, मेरा ख्याल है, मैं आपसे बेहतर जानकारी रखती हूं। मैंने अपनी कैब्रे परफारमेंसेज के सिल-लिले में अलजीरिया से बगदाद तक हर नगर देखा है। यहां जॉन के खतरे का मतलब जान का चला जाना ही होता है।

'मैं आपकी चेतावनी का ख्याल रखूंगा।'

'मिस्टर, आपकी जगह अगर मैं होती तो फौरनः काहिरा

१८७

से कूच कर गई होती।'

'शायद मैं भी ऐसा ही करूं ।' - जेम्स बांड मुस्कराता हुआ बोला ।

एमी फिर नहीं बोली। उसने शोफर को संकेत किया और गाड़ी आगे बढ़ गई।
एक फलाकी स्ट्रीट से चलता हुआ जेम्स बांड आपेरा स्क्वायर पहुंचा।
न्यूज टैलीग्राफ एजेन्सी से उसने 'एम' को रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट में वह स्फिंक्स क्लब के भयंकर बिल का जिक्र करना नहीं भूला ।
आपेरा स्क्वायर से वह वापिस अपने होटल में आ गया ।
अपने होटल के कमरे से उसने नील होटल में फोन किया।
फोन मिलने पर उसने रौलैंड को बुलाया और प्रतीक्षाः करने लगा।
'हल्लो, रोलैंड हेयर ।' - थोड़ी देर बाद उसे कानों में रोलैंड की आवाज पंडी ।
'रौलैंड ।'- जेम्स बांड बोला- 'मैं जेम्स बांड बोल रहा हूं।
एक क्षण शान्ति रही और फिर रोलैंड बोला - 'यस, मिस्टर बांड ।'
'यासमीन ने मुझ से कहा था कि अगर मैं उससे सम्पर्क स्थापित करना चाहूं तो तुम्हें फोन करूं।'
'फिर?'
'फिर यही कि मैं यासमीन से मिलना चाहता हूं।'
'किस सिलसिले में?'
'मुझे उसकी सहायता की जरूरत है।'
'कैसी सहायता?'
** ' तुम जरूरत से ज्यादा सवाल पूछ रहे हो।'
'मैं ये सवाल इसलिये पूछ रहा हूं कि शायद मैं आपकी 'बेहतर सहायता कर सकूं। अगर आपने यासनीन से कोई कठिन या पेचीदा काम करने के लिए कहा, तब भी तो वह मुझे ही कहेगी।'
'आई सी!'
"अब मैं अपना सवाल दोहराता हूं। आप यासमीन से

१८८

कैसी सहायता की अपेक्षा कर रहे हैं?'

'मैं उस अरब के वारे में जानकारी चाहता हूं जिसने एन्थोनी बूचर की हत्या की थी ।'

'कैसी जानकारी?

'उसके परिवार के बारे में। उसके बीवी, बच्चे, या मां-बाप वगैरह होंगे । शायद उनसे मालूम हो सके कि उस अरब ने बूचर की हत्या किसके आदेश पर की थी'।'

'मैं पता लगाने की कोशिश करूंगा। जानकारी हासिल -हो जाने पर मैं सूचना आप तक पहुंचा दूंगा ।'

'थैंक्यू ।'- जेम्स बांड बीला ।

उसने रिसीवर क्रेडिल पर रख दिया ।

फिर उसने कपड़े उतारे और बिस्तर में घुस गया।

शाम को जिस समय जेम्स बांड कैसर-अल-नील ब्रिज "पर पहुंचा, उस समय अन्धेरा होने लगा था।

। 'प्रिंसेस' हाऊसबोट अपने पहले वाले स्थान पर ही खड़ी थी

वह विचारपूर्ण मुद्रा बनाये ब्रिज पर खड़ा रहा और सिगरेट के कश लेता रहा।

गैंग वे पर एक अरब पहरा दे रहा था।

जेम्स बांड ने सिगरेट फेंक दिया और हाऊसबोट के समीप आ खड़ा हुआ।

जिस समय पहरेदार गैंग वे के दूसरे सिरे पर पहुंचा, जेम्स बांड हाउसबोट में कूद गया और एक केबिन के बगल में घुस गया।

पहरेदार जिस समय उस केबिन के सामने से गुजरा, जेम्स बांड एकाएक उसके सामने आ कूदा। इससे पहले कि पहरेदार परिस्थिति को समझ पाता, जेम्स बांड के दाये हाथ का प्रचन्ड घूंसा उसके जबड़े से टकराया। पहरेदार के मुंह से आह भी न निकली और उसका शरीर डैक की ओर लहरा गया। जेम्स बांड ने डैक के फर्श तक पहुंचने से पहले ही उसके शरीर को संभाल लिया और उसे गैंग वे पर एक ओर घसीटने लगा ।

वगल में एक छोटा सा केबिन था जिसमें पुराना कबाड़ भरा हुआ था । जेम्स बांड ने पहरेदार को उसके अन्दर डाल

189

दिया और केबिन के द्वार को बाहर से बोल्ट कर दिया।

फिर जेम्स वांड हाउसबोट के भीतरी भाग में जाने के लिये कंपेनियन वे की ओर बढ़ा ।

वह लोहे की सीढ़ियां उतरने लगा ।

आखिरी सीढ़ी से हट कर उसने अपने पैर जमीन से टिकाये ही थे कि फिर मुसीबत आ गई ।

गलियारे के गलीचे बिछे फर्श के दूसरी ओर दो अलसेशियन कुत्ते खड़े थे और सावधान की मुद्रा में अपनी अंगारे जैसी जलतों आंखों से उसे घूर रहे थे ।

जेम्स बांड एकदम पत्थर की प्रतिमा की तरह अपने स्थान पर खड़ा रहा।
वह जानता था कि भागने का इरादा भर करने से भी कुत्ते बिजली की तरह उस पर टूट पड़ेंगे ।

फिर एक कुत्ता सावधानी से दांत निकालता हुआ उसकी ओर बढ़ा। दूसरा कुत्ता एक बार जोर से भौंका और पहले के पीछे चलने लगा।

पहला कुत्ता जेम्स बांड से चार कदम दूर आकर खड़ा हो गया और अपने तेज और चमकदार दांत निकाल कर उसे घूरने लगा जैसे प्रतीक्षा कर रहा हो कि शुरुआत जेम्स बांड' की ओर से हों ।

पिछला कुत्ता रह-रह कर भौंक पड़ता था ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

'मुझे बुलाया था।'- जेम्स बांड शान्ति से बोला ।
... 'किसने बुलाया था तुम्हें?'.
'काउण्ट ने । कल रात सिफंक्स क्लब में उसने मुझसे कहा था कि मैं जब चाहूं हाउसबोट पर ऑकर इसे एक सिरे से दूसरे सिरे तक देख सकता हूं।'. 'काउन्ट ने ऐसा कहा था तुम्हें?'- वह सन्दिग्ध स्वर में बोली । 'विल्कुल कहा था । तुम लोगों को नहीं बताया उसने?'
ऐमी ने अरबी में रिवल्वर वाले से कुछ पूछा। उत्तर में उसने नकारात्मक ढंग सिर हिला दिया और जल्दी-जल्दी कुछ कहने लगा । ऐमी ने फिर हाथ उठाकर उसे चुप करा दिया और फिर उसे कुछ आदेश दिया।
...अगले ही क्षण रिवाल्वर वाले ने रिवाल्वर अपनी जेब में रख ली।
दूसरे ने कुत्तों को सम्हाला और गलियारे में एक ओर चल दिये ।
'मेरे साथ आओ।'- ऐमी विपरीत दिशा में चलती हुई बोली ।
जेम्स बांड उसके पीछे हो लिया।
एमी उसे सजे हुये कमरे में ले आई।
'बैठो ।' - वह बोली ।
जेम्स बांड बैठ गया।
१६१

'तुम्हारा कमरा बहुत शानदार है ।' जेम्सर बांड कमरे में दृष्टि घुमता हुआ बोला ।
'यह मेरा कमरा नहीं है। यहां तो मैं केवल अस्थाई रूप से रह रही हूं।' 'यह हाउसबोट काउन्ट की है?'
'यह स्फिंक्स क्लव की प्रापर्टी है।'
'और काउन्ट मालिक है?'

'नहीं। मेरे ख्याल से वह तो केवल मैनेजर है।'
'मालिक कौन है?'
'मुझे नहीं मालूम ।'
'मुझे हाउसबोट दिखाने के मामले में तुम क्या कर रही हो?'
ऐमी ने उत्तर नहीं दिया ।
उसी क्षण किसी ने केबिन का द्वार खटखटाया।
'आ जाओ । - ऐमी अरबी में बोली ।
एक लम्बा तडंगा अरव भीतर प्रविष्ट हुआ।
'इसका नाम अब्दुल है।'- ऐमी बोली- 'हाउसबोट में तुम जो देखना चाहते हो, यह तुम्हें दिखा देगा।'
'इसे अंग्रेजी आती है?'
'थोड़ी-थोड़ी..! हाउसबोट देख चुकने बाद यहीं लौट आना।'
'ओ० के०!'
जेम्स बांड उठा और अब्दुल के साथ हो लिया ।
'एक सिरे से शुरू हो जाओ ।' - जेम्स बांड बोला-'और ख्याल रखना, कोई जगह छूट न जाये ।'
अब्दुल ने स्वीकृति सूचक ढंग से सर हिला दिया ।
जेम्स वांड ने उस महल जैसी बड़ी हाउसबोट का निरी-क्षण आरम्भ कर दिया।
शुरुआत स्टर्न से हुई।
फिर लोअर डैक!

लोअर डैक पर स्टोर रूम था, जिसमें छत तक बड़े-बड़े बक्से और ट्रक भरे हुये थे ।

फिर हाउसबोट का मध्य भाग ।

फिर एकदम नीचे का भाग ।

वहां जेलखाने की कोठरियों जैसे तीन केबिन थे। उसके

192

पोर्ट होलों पर धुंधले शीशे लगे हुये थे, जिसमें से बाहर नहीं झांका जा सकता था। भीतर घटिया फर्नीचर पड़ा था और केबिनों के बाहर भारी लकड़ी के द्वार लगे हुये थे जिन पर बड़े मजबूत ताले लगाने का इन्तजाम था।

'ये केबिन किस काम आते हैं?' उसने अब्दुल से पूछा।

अब्दुल ने उत्तर देने का उपक्रम नहीं किया ।

जेम्स बांड ने अपना पर्स निकाला और उसमें से ढेर सारे नोट निकाल लिये ।

! 'शायद अब तुम जवाब देने में सहूलियत महसूस करो ।' - जेम्स बांड ने नोट उसकी ओर बढ़ाते हुये कहा।

अब्दुल की जुबान उसके होंठों पर फिरने लगी। वह नजर चुराने लगा। इतने धन का लालच छोड़ पाना उसे काफी कठिन काम मालूम हो रहा था।

जेम्स बांड ने पर्स में से कुछ और नोट निकाल लिये और फिर सारे नोट उसकी आंखों के एकदम सामने लाता हुआ बोला-

'तुमको मुझे केवल इतना बताना है कि जेलखाना-सा 'लगने वाले ये तीन केबिन किस काम में लाये जाते हैं फिर ये सारा माल तुम्हारा हो जायेगा और किसी को कानों-कान खबर भी नहीं होगी।'

अब्दुल का मुह खुला ।

जेम्स बांड ने आशापूर्ण नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

'□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□, □□□□□□ □□□□ !' - □□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ !

□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□ □

'□□ □□□, □□□□□□' - □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ - '□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□-□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ ?'

'□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □' - □□□□□□ □□□□ □□ □□□-□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□

□□□

□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ □ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□, □□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □

□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □

"□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □

□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □

□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □

□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □

[illegible]

[illegible]

[illegible]

जेम्स बांड ने उसका अनुसरण किया ।

बाहर आकर उसने देखा, वह हाउसबोट का सबसे ऊपर वाला डैक था ।

एमी डैक के पिछले भाग की ओर बढ़ी। वहां नीचे जांती हुई पतली-सी लकड़ी की सीढ़ियां थीं। उन सीढ़ियों से नीचे उतर कर वह एक छोटे से प्लेटफार्म पर आगई, जहां बिल्कुल अन्धेरा था।

'यहां थोड़ी देर ठहरना पड़ेगा।'- वह बोली । 'अच्छी बात है।'- जेम्स बांड ने कहा । एमी चुपचाप उसके पास खड़ी रहीं ।

एक सवाल पूछ?' - एकाएक जेम्स बांड धीरे से बोला ।

'पूछो ।'- एमी भी वैसे ही धीमे स्वर से बोली । 'तुमने मुझे उस जेल खाने से क्यों निकाला ।'

एमी चुप रही ।

'मैं उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

"मैं सच्ची वजह बताऊंगी तो तुम्हें विश्वास नहीं होगा।

१६५

'सच्ची वजह क्या है?'

'सच्ची वजह यह है, मिस्टर बांड' - एमी एक गहरी सांस लेकर बोली- 'कि मैं खुद नहीं जानती कि मैंने तुम्हें वहां से क्यों निकाला है। मैं केवल इतना जानती हूं कि काउन्ट अपने पन्जे में फंसे हुए शिकार की बहुत दुर्गति करता है। वह बड़ा जालिम आदमी है। वह तुम्हें उसी वक्त ही कत्ल कर देता, लेकिन पहले वह देखना चाहता था कि किनारे पर तुम कोई अपना साथी तो नहीं छोड़ आये हो। अभी भी वह यही फ्ता करवाने की कोशिश कर रहा है। अगर किनारे पर तुम्हारा कोई साथी न हुआ अर्थात अगर उसके ख्याल से किसी को मालूम नहीं है कि तुम इस हाउसबोट पर आए हो तो वह तुम्हारी हत्या करके लाश को कहीं नदी में फिकवा देगा और अगर तुम्हारा कोई साथी हुआ तो वह तुम्हें पुलिस द्वारा गिरफ्तार करवा देगा।'

'पुलिस द्वारा मुझे गिरफ्तार करवाने से क्या होगा।"

'बहुत कुछ होगा। वह कहेगा कि तुम चोरी की नियत से उसकी हाउसबोट में घुसे थे और तुमने हाउसबोट के कर्म-चारियों पर हमला भी किया था।' 'मैंने किसी पर हमला नहीं किया था।'
'शायद तुम उस पहरेदार को भूल रहे हो, जिसे बेहोश करके तुम स्टोर में बन्द कर आये थे। काउन्ट को उसका पता लग चुका है।'
'ओह !
'पुलिस द्वारा तुम्हें सजा भी न हुई तो भी तुम्हारे डिपोर्टशन आर्डर (देश निकालने का आदेश) तो फौरन इश्यू हो जायेंगे । काउन्ट का काहिरा में इतना दबदबा तो है ही। तुम अरव से निकल गये तो काउन्ट के लिए मरे जैसे ही हो।'
'लेकिन तुमने मुझे मुक्त क्यों किया?'
'कहा न मैं नहीं जानती कि मैंने ऐसा क्यों किया। मेरे मन में एक भावना पनपी और भावना के वेग में मैं तुम्हें उस कोठरी में से निकाल लाई ।'
'लेकिन मुझे रिहा करके तुम खतरे में नहीं पड़ जाओगी?'
'नहीं।'
'कैसे?'
एमी ने उत्तर नहीं दिया। वह प्लेटफार्म के सामने के पतले गलियारे की ओर देख रही थी।
चेम्स बांड ने भी उधर देखा ।
एक आदमी उनकी ओर बढ़ रहा था।
जेम्स बांड एकदम सावधान हो गया। लेकिन एमी ने आश्वासन पूर्ण ढंग से उसका हाथ दबा दिया ।
वह आदमी उनके समीप पहुंचा ।

'इसका नाम हुसैन है।'- एमी बोली- 'काउन्ट ने तुम्हारी कोठरी की पहरेदारी पर इसे नियुक्त किया था। इसी के पास तुम्हारी कोठरी के ताले की चाबी थी मैंने इसे एक मोटी रिश्वत देकर ताले की इससे लेली थी। अब तुम्हारे गायब हो जाने की सारी जिम्मेदारी हुसैन के सिर पर होगी । अब तुम्हें महसूस हो गया कि तुम्हें रिहा करके मैं किसी खतरे में नहीं पड़ी हूं।'

'लेकिन लेकिन यह..।'

'इसे भी किसी प्रकार का खतरा नहीं है क्योंकि यह भी तुम्हारे साथ ही उस हाउसबोट से गायब हो रहा है।'

जेम्स बांड ने देखा हुसैन के चेहरे पर कोई भाव नहीं था । शायद वह अंग्रेजी नहीं समझता था।

'हुसैन काहिस में अजनबी है। इसका परिवार अदन में रहता है। एक लम्बे अरसे से वह अपने घर लौटने की कोशिश में है लेकिन पर्याप्त धन न होने के कारण यह वहां जा नहीं पाता। मैंने इसे काफी धन दे दिया है और तुम सैं भी आशा करती हूं कि तुम इसे कुछ दोगे । अदन की ही एक क्लब के मैनेजर के नाम, जो कि मुझे जानता है, इसे चिट्ठी दे दी है। वहां इसे नौकरी मिल जायेगी और फिर इसे जिन्दगी भर कभी काहिरा आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

'आई सी ।' - जेम्म बांड बोला। उसने अपना पर्स निकाला। यह सौभाग्य ही था कि किसी ने उसकी जेब के सामान को नहीं छेड़ा था। उसने अपने पर्स में से कुछ नोट निकाले और उन्हें हुसैन की ओर बढ़ा दिया।

हुसैन ने कृतज्ञतापूर्ण ढंग से दांत निकाले और नोट ले लिये ।

फिर वह अरबी में एमी से बात करने लगा। दो मिनट बाद वह अपने स्थान से हिला ।

१६७

वह कहीं से एक लम्बी रस्सी ले आया। रस्सी का एक सिरा उसने हाउसबोट की राहदारी की राड के साथ बांधा और दूसरा नीचे नदी में लटका दिया ।

फिर वह अपने हाथों को अपने कपड़ों से पोंछता हुआ वहां से गायब हो गए।

'अब तुम मुझे एक बात बताओ।' - हुसैन के जाने के बाद एमी बोली ।

'पूछो ।'
'तुम इस प्रकार यहां क्यों घुस आये थे?'
जेम्स बांड एक क्षण चुप रहा और फिर बोला- 'क्योंकि मुझे सन्देह है कि योरोप और अमेरिका के देशों से फुसलाकर भगाई हुई लड़कियां यहां गिरफ्तार करके रखी जाती हैं। मेरा इशारा उन लड़कियों की ओर है जो असन्तुष्ट होकर घर वापिस जाने की जिद करने लगतो हैं और जो बाद में अफ्रीका और अरब के बड़े-बड़े शेखों के हरमों में जबरदस्ती नीलाम कर दी जाती हैं।'
'ऐसा होता है?' - एमी आश्चर्य पूर्ण स्वर में बोली ।
'तुम्हें नहीं मालूम?'
'मैंने तो आज तक ऐसी कोई बात सोची तक नहीं।'
तुम स्फिंक्स क्लब में कब से हो?'
'डेढ़ साल से ज्यादा हो गया है।'
'तुम आज भी क्लब में वही होस्टेस देखती हो जो आज से डेढ़ साल पहले यहां मौजूद थी ।'
'नहीं तो। तब से तो कई नई लड़कियां आ गई हैं।'
'और पुरानी कहां चली गई हैं?'
'काउन्ट कहता है कि वे क्लब से ढेर सारा धन कमाकर स्वदेश लौट गई हैं।' 'यह सरासर झूठ हैं। मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि एक भी लड़की आज तक स्वदेश वापिस नहीं लौटी है। ऐसी लड़कियां जबरदस्ती अरब शेखों के हरमों में पहुंचा दी जाती हैं।
एमी अविश्वासपूर्ण नेत्रों से उसकी ओर देखती रही ।
मैं हकीकत बयान कर रहा हूं।'
'कमाल है । काउन्ट ऐसा भयानक धन्धा करता है।'

'तुम तो इस हाउसबोट पर रहती हो। क्या तुमने यहाँ
१६८
कोई ऐसी बात नहीं देखी जो मेरे कथन की पुष्टि कर सके? क्या नीचे के तीन केबिन तुम्हें जेलखाना नहीं मालूम होते?'.
'मिस्टर बांड, मैंने तुम्हें पहले भी कहा था कि मैं यहां रहती नहीं हूं। मैं जमालेक में रहती हूं। वहां मेरे अपार्टमैंट में कुछ मरम्मत वगैरह चल रही थी, इसलिए पिछले तीन सप्ताह से मैं यहां रह रही हूं। कल मैं यहां से अपने अपार्टमेंट में चली जाऊंगी ।'
'पिछले तीन सप्ताहों में तुमने यहां पर कोई सन्दिग्ध बात नहीं देखीं ?'
'नहीं। बशर्ते कि कुछ ताला लगे दरवाजों को तुम सन्देहजनक न मानो।' 'उनके भीतर क्या है?'
'मैं उन्हीं तीन कमरों की बात कर रही हूं जिन्हें तुम जेलखाना बता रहे हो और जिनमें से एक में तुम खुद गिरफ्तार थे। तुमने खुद देखा है कि वे खाली हैं।'
जेम्स बांड ने उत्तर नहीं दिया।
एमी चुपचाप उसकी बगल में खड़ी रही ।
'तुम चाहो तो तुम मेरी थोड़ी सहायता कर सकती हो'
- कुछ क्षण बाद जेम्स बांड बोला ।
'कैसे?'
'तुम यहीं इस हाउस बोट पर कुछ दिन और रह जाओ और यहां होने वाले कार्यकलापों पर विशेष रूप से नजर रखो जैसे।'
लेकिन एमी पहले ही उसकी बात काटकर बोल पड़ी-'यह सम्भव नहीं है।' 'क्यों?'

'क्योंकि मैं काउन्ट को पहले ही कह चुकी हूं कि कल मैं अपने अपार्टमैंट में वापिस चल जाऊंगी। पूरे तीन सप्ताह मैं काउन्ट के सामने यहां रहने की असुविधाओं का जिक्र करती रही हूं। अब अगर मैंने यहां और रहने की इच्छा प्रकट की तो यह युक्तिसंगत नहीं लगेगा और काउन्ट सन्दिग्ध हो उठेगा।'

'ओह ।'

उसी क्षण सीटी वजने की हल्की सी आवाज जेम्स बांड के कानों में पड़ी ।

१६६
'यह क्या है?' - जेम्स बांड सतर्क स्वर में बोला।

'हुसैन!' - एमी बोली और उसने रेलिंग से नीचे नर्दी में झांका ।

हाउसबोट की जड़ में एक छोटी सी नाव खड़ी थी और नाव में बैठा हुआ हुसैन ऊपर की ओर झांक रहा था।

'इसी रस्सी के सहारे नीचे नाव में उतर् जाओ' - एमो बोली- 'बाद में मैं रस्सी खोल लूंगी। हुसैन तुम्हें नदी में बहुत आगे ले जाक किनारे पर छोड़ देगा। वहां से तुम जहां 'चाहो चले जाना।'

'ओ० के० ।'

'और मिस्टर बांड, खुदा के लिए स्फिंक्स क्लब में या इस हाउसबोट पर दुबारा कभी मत आना। अच्छा तो यही है कि काहिरा से ही कूच कर जाओ।'

अगर मैं यहां न आया और स्फिंक्स क्लब भी न गया तो तुमसे मुलाकात कैसे होगी? मैं तुम्हारा मदभरा नृत्य कैसे देख पाऊंगा।'

'उसके लिये तुम्हें स्फिंक्स क्लब आने की जरूरत नहीं है। मैं दिन भर अपने अपार्टमैंट में रहती हूं। तुम कभी भी वहां आ सकते हो । मैं तुम्हारा स्वागत करूंगी।'

'जमालेक में तुम्हारा अपार्टमैंट कहां है?'

'शैरिया अब्दुल हमीद में अमेरिकन ब्लाक में। वहां हर कोई मुझे जानता है। तुम्हें पहुंचानने में दिक्कत नहीं होगी।'

'और तुम्हारे इस अहसान का बदला मैं कैसे चुका सकता हूं? अगर तुम यहां न होती तो अभी भी मैं नीचे जेल खाने में सड़ रहा होता या शायद अभी तक मेरी लाश...

एमी ने उसके होंठों पर 'उ'गली रखकर उसे चुप करा दिया और बोली- 'इस विषय में हम तब बात करेंगे, जब तुम मेरे अपार्टमैंट में आओगे - बशर्ते कि तब तक तुम काहिरा न छोड जाओ।'

'ओ० के० ।' - जेम्स बांड बौला। वह रेलिग की ओर बढ़ा।

फिर एकाएक वह रुक गया। उसने घूमकर एमी की ओर देखा और अपने दोनों हाथ उसकी ओर बढ़ा दिये ।

एमी जैसे उसका मन्तव्य समझ गई। वह हौले से जेम्स बांड की बांहों में आ गई।

२००

जेम्स बांड ने उसे अपने आलिंगन में बांध लिया और अपने होंठ उसके अधखुले होंठों पर रख दिये। एमी की बांहें भी उसकी गरदन से लिपट गई।

कुछ क्षण वे उसी प्रकार गाढ़ालिंगन में वन्ध खड़े रहे। फिर एमी ने अपनी वांहें उसकी गरदन से निकाल ली और उसे धीरे से पीछे धकेलती हुई बोली- 'प्लीज गो।'

जेम्स वांड ने बड़े अनिच्छा पूर्ण ढंग से उसे छोड़ दिया । फिर वह वापिस घूमा और रस्सी के सहारे नीचे नाव में उतर गया।

****

जेम्स बांड ने नील होटल में रौलैंड को फोन किया ।

'मेरा काम हुआ?'- रौलैंड के लाइन पर आने के बाद उसने पूछा।

'हां । - रौलैंड ने उत्तर दिया- 'आप कहां ले बोल रहे हैं।'

'अपने होटल के कमरे ले ।'

'आप वहीं रहिए। एक घन्टे के भीतर-भीतर यासमीन आप के पास पहुंच रही है, वही आपको सूचना देगी।'

'ओ० के०। मैं उसका इन्तजार करूंगा।'

सम्बन्ध विच्छेद हो गया।

जेम्स बांड ने रिसीवर रख दिया ।

वह एक ईजी चेयर पर बैठ गया। उसने एक सिंगरेट सुलगा लिया और प्रतीक्षा करने लगा।

रात को लगभग नौ बजे किसी ने उसके कमरे का द्वार खटखटाया।

जेम्स बांड ने सिगरेट ऐश ट्रे पर रख दिया और द्वार की ओर बढ़ा ।

द्वार पर एक लगभग पन्दरह साल का गन्दा सा लड़का खड़ा था। वह बेहद मैले ढीले ढाले वस्त्र पहने हुए था और सिर पर अपनी खोपड़ी के नाप से दो साइज बड़ी फैज टोपी पहने हुए था। उसके चेहरे पर यूं मैल की परतें जमी हुई थीं जैसे वह कई दिनों से नहाया न हो।

'क्या है? -' जेम्स' बांड कर्कश स्वर में बोला ।

लड़के के चेहरे पर मुस्कराहट दौड़ गई।

प्लीज लैट मी इन, मिस्टर बांड ।' वह बोला ।

२०१

जेम्स बांड के नेत्र फैल गए। वह यासमीन की आवाज थी।

'तु... तु...तुम!' वह हक्का-बक्का सा उसे घूरता हुआ बोला ।

यासमीन मुस्कराई।

जेम्स वांड द्वार से एक ओर हट गया।

यासमीन अपनी आस्तीन से नाक पोंछती हुई भीतर अवेश कर गई।

'कमाल है' - जेम्स बांड प्रशन्सात्मक स्वर से बोला-'तुम तो मेकअप में बड़ी उस्ताद हो।'

यासमीन ने उत्तर नहीं दिया ।
'लेकिन इस बहुरूप की जरूरत क्या थी?'
'बताती हूं।'- यासमीन बोली- 'जिस अरब ने ऐन्थोनी बूचर की हत्या की थी, उसका एक अहमद नाम का भाई है। अहमद गामरा में रहता है । गामरा ऐसा इलाका नहीं है जहां कोई मेरे जैसी लड़की कदम रख सके ।'
'कैसा इलाका है वह ?' - जेम्स बांड ने उत्सुकता से पूछा।
'जब अहमद से मिलने जाओगे तो खुद ही देख लोगे'-यासमीन ने उत्तर दिया । 'अहमद करता क्या है?'
'वही जो कुछ उसका भाई करता था। पेशेवर हत्यारा है वह।'
"आई सी ।'
'रौलैंड और मैं उसे बड़ी मुश्किल से तलाश कर पाए थे।
'तुमने उससे कुछ बात की है?'
'मैंने उसे केवल इतना कहा है कि एक बहुत रईस विदेशी यह जानना चाहता है कि उसके भाई एन्थोनी बूचर की 'हत्या करने के लिए किसने कहा था। बदले में उसे ढ़ेर सारा धन मिलेगा। अहमद बोला कि वह उस रईस आदमी से ही बात करेगा। मतलब यह कि वह हमें कुछ नहीं बताना चाहता थां । वह तुम्हीं से बात करेंगा।
'उसे मालूम है कि उसके भाई को किसने किराये पर लिया था?'
२०२
'उसके बात करने के ढंग से तो यही लगता था कि उसे सालूम है, लेकिन सम्भव है वह झूठ बोल रहा हो।'
'तुम मुझे उसके पास कब ले जा सकती हो?'
'जब तुम चाहो।'
'मैं तो अभी जाना पसन्द करूंगा ।'

'मेरा भी यही ख्याल था। इसीलिए मैं यह बहु रूप धारण करके आई थी।'
'तो फिर चलें?'
'हां।'
दोनों कमरे से बाहर निकल आये. ।
'तुम सामने से होटल से बाहर चलो' - बाहर आकर यासमीन बोली- 'मैं पिछली ओर से घूमकर आती हूं।'
'क्यों?'
'मेरी सूरत नही देख रहे हो। अगर मैं सामने से गुजरी तो रिसेप्शनिष्ट मुझे चोर समझकर पकड़कर पुलिस में दे देगा ।'
'अरे नहीं।'
यासमीन सर्विस स्टेयर्स की ओर बढ़ चली।
जेम्स बांड लिपट के सहारे नीचे आया। वह कमरे की चाबी काउन्टर पर फेंकता हुआं होटल से बाहर निकल गया ।
मोड़ पर वह यासमीन की प्रतीक्षा करने लगा। दो मिनट बाद यासमीन भी वहां पहुंच गई। -
'चलो' - वह बोली- 'आगे से ट्राम मिल जायेगी । ट्राम हमें गामरा के काफी पास तक ले जायेगी। उसके बाद लगभग एक मील पैदल चलना पड़ेगा।'
'लेकिन'- जेम्स बांड हैरानी से बोला- 'ट्राम क्यों? टैक्सी क्यों नहीं?'
'कोई टैक्सी वाला ग़ामरा जाने के लिए राजी नहीं होगा । बड़ा खतरनाक इजाका है वह ।
जेम्स बांड ठिठकर खड़ा हो गया और फिर यासमीन का मुंह देखने लगा - 'फिर भी तुम मेरे साथ गामरा चल रही हो?'
'क्या हर्ज है?'

'रौलैंड क्यों नहीं चलता?"

'वह बिजी है!'

२०३-
'लेकिन फिर भी......।'

'घबराओ नही, मि० वांड। अपने इस मेकअप में मैं गामरा की गन्दगी का ही एक भाग मालूम होऊंगी। गामरा में तुम्हें तो थोड़ा सा खतरा हो सकता है, मुझे नहीं। और फिर मैं औरत जरूर हूं लेकिन डरपोक नहीं हूं।'

'लेकिन यह कैसे सम्भव है कि कोई टैक्सी वाला उधर जाता ही न हो?'

'मैं सच कह रही हूं।'

'तुम यह कहना चाहती हो कि सारे ही टैक्सी वाले इतने डरपोक हैं कि।'

'यह बात नहीं है जो तुम समझ रहे हो। गामरा के रहते वाले टैक्सी वालों को बखेड़ों में फंसा लेते हैं। । वे जान जानबूझकर टैक्सी के सामने आकर घायल हो जाते हैं और फिर हरजाने के रूप में ढेर सारा धन वसूल करने की कोशिश करने लगते हैं। बड़ा बखेड़ा होता है।'

'लेकिन यह तो बड़ा खतरनाक काम है। टैक्सी से टकरा कर लोग मर भी सकते हैं।'

'मर सकते हैं. क्या मर जाते हैं। लेकिन कौन परवाह करता है। धन हासिल करने के लिए जीवन को दांव पर लगा देना उन्हें असाधारण नहीं लगता। बल्कि इस प्रकार आदमी मर जाता है तो उसके रिश्तेदारों की चांदी हो जाती है।''

'हारीबलं!

'हां यह है।'

भरपूर धक्का मुक्की के बाद बड़ी मुश्किल से वे लोग ट्राम पर चढ़ पाये । ट्राम गन्दे गन्दे अरबों से खचाखच भरी हुई थी। हर कोई ट्राम में चढ़े जेम्स बांड को आश्चर्य और सन्देह युक्त निगाहों से देख रहा था। ट्राम जोर-जोर से घंटी बजाती भीड़ भरी सड़कों पर मस्त हाथी की तरह लपकी जा रही थी।

एक स्थान पर यासमीन ने उसे संकेत किया और वे ट्राम से नीचे उतर गए ।

जेम्स बांड ने अपने आस-पास देखा । वह बेहद गंदा इलाका था। गंदे भिखारियों और फेरी वालों के अलावा वहां कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। जेम्स बांड एक नये काहिरा शहर की सूरत देख रहा था। वहां कोई विदेशी सुरक्षित नहीं

२०४

था, यहां बड़ी-बड़ी इमारतें नहीं थी, यहां चौड़ी, बिजलियों की रोशनियों से जगमगाती हुई, सड़कें नहीं थीं, यहां विदेशी मोटर गाड़ियां दिखाई नहीं दे रही थीं, यहां सम्पन्न चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे, वहां हवा तक गंदी और बदबूदार थी।

वह यासमीन के साथ चलं पड़ा ।

यासमीन एक बेहद गंदी, पतली टेढ़ी-मेढ़ी और अंधेरी गली में से गुजर रही थी।

'अपना पर्स सम्भालकर रखना।'- रास्ते में यासमीन ने उसको चेतावनी दी थी। और उसी चेतावनी के फलस्वरूप जेम्स बांड का एक हाथ अपनी उस जेब में था, जिसमें उसका पर्स था ।

'अभी और कितनी दूर जाना है?'- एकाएक जेम्स बांड वहां की भीड़, गंदगी और अन्धेरे से घबराकर बोला ।

'बस थोड़ी दूर और। - यातसीन ने आश्वासन दिया ।

ज्यों-ज्यों वे लोग आगे बढ़ते जा रहे थे, गली पतली, होती जा रहीं थी और गंदगी बढ़ती जा रहीं थी। गली के दोनों ओर ऊंची-ऊंची खस्ता हाल इमारतें थीं जो ऊपरी सिरे पर गली को ओर झुकी हुई मालूम होती थी और हर क्षण ऐसा मालूम होता था जैसे वे भरभराकर ढेर हो जायेंगी। सिर उठाने पर आसमान मुश्किल से दिखाई देता था। गर्मी इतनी थी कि जेम्स बांड के शरीर पर पसीने के धारे बह रही

एकाएक यासमीन एक दरवाजे के सामने आकर रुक गई । दरवाजे पर एक तेल की कुप्पी जल रही थी जिसका धूआं दूषित हवा को और भी दूषित कर रहा था ।

'अहमद इस इमारत में रहता है।'- यासमीन बोली -सबसे ऊपर की मंजिल पर एक अकेला कमरा है। उसमें ।'

'चलो।'- जेम्स बांड बोला ।

यासमीन हिचकिचाई।

'क्या वात है?'- जेम्स बांड हैरानी से बोला ।

, मेरा ख्याल है, ऊपर तुम अकेले चले जाओं ।'- हिच-किचाती हुई वह बोली ।

'क्यों?'

यासमीन ने उत्तर नहीं दिया।

२०५

'डर लग रहा है क्या? अगर यहां तक आने में नहीं डरी तो फिर इस इमारत में घुसने में...'

'यह बात नहीं है ।' - धीरे से बोली ।

'तो फिर?'

कोई वजह बताने के स्थान पर यासमीन बोली-'अच्छा चलो। चलती हूं।'

यासमीन की हिचकिचाहट जेम्स बांड की समझ न नहीं आई।

वे सीढ़ियां चढ़ने लगे ।

जल्दी ही जेम्स बांड को मालूम हो गया कि यासमीन इमारत में प्रविष्ट होने से क्यों हिचकिचा रही थीं।

वह एक वेश्यालय था।

इमारत की हर मंजिल पर सात-सात आठ-आठ वेश्यायें मौजूद थीं । जेम्स बांड ने देखा अधिकतर लड़कियां चौदह और बीस साल के बीच की आयु की थीं। वे सस्ते सिगरेट औरे नाली के पानी जैसी काफी पी रही थीं।

एक विदेशी को उस इमारत में देखकर सभी हैरान थी और हैरानी का आलम हटते ही वे उसको उसकी बांह पकड़ कर खींचने का प्रयत्न करने लगी थीं और अरबी में कुछ अला बला बकने लगी थीं। यासमीन उसकी पीठ से चिपकी हुई एकदम उसके पीछे-पीछे चल' रही थी। जेम्स की वजह से किसी का ध्यान यासमीन की ओर नहीं था।

चौथी मंजिल पर एक लड़की उसे देखकर अपने स्थान से उठी और बांहें फैलाये उसकी और बढ़ी। इससे पहले कि जेम्स बांड सम्भल पाता, वह आकर उससे लिपट गई । जेम्स बांड ने एक झटके से उसे अपने से अलग किया और उसे कमरे में बैठी अन्य वेश्याओं पर धक्का दे दिया।

सब चींख-चीख कर हंसने लगीं ।

अन्त में जेम्स बांड सबसे ऊपर की मंजिल पर पहुंचा।

वहां एक ही कमरा था और यासमीन के कथनानुसार वही अहमद का कमरा था।

जेम्स बांड ने घूमकर देखा। यासमीन उसके पीछे नहीं थी । वह शायद नीचे की मंजिल पर कहीं रह गई थी।

उसने उस कमरे का दरवाजा खोला ।

भीतर एक तेल की कुप्पी का धंधला प्रकाश फैला हुआ था।

२०६

उस धुंधले प्रकाश में पहले तो जेम्स बांड को कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर उसे पलंग के पास फर्श पर एकः मानव शरीर पड़ा दिखाई दिया ।

जेम्स बांड लपक कर उसके पास पहुंचा ।

वह शायद अहमद था। अपने भाई से अर्थात एन्थौनी बूचर के हत्यारे से उसकी सूरत हूबहू मिलती थी। उसके गले के इर्द-गिर्द एक सिल्क की डोरी फंसी हुई थी। उसकी जबान बाहर निकली हुई थी और आंखें उबली पड़ रही थीं ।

वह मर चुका था ।

जेम्स बांड कमरे से बाहर निकल आया। वह यासमीन की तलाश में नीचे उतर आया। तीसरी मंजिल पर उसे यासमीन दिखाई दी ।

तीन चार वेश्यायें उसे जबरदस्ती अपने काबू में करने का प्रयत्न कर रही थी और यासमीन मछली की तरह उनकी पकड़ में तड़फड़ा रही थी ।

कई और वेश्यायें झुंड बनाये खड़ी तमाशा देख रही थीं।

पहला ग्रुप यासमीन के कपड़े उतारने का प्रयत्न कर रहा था।

पता नहीं अभी तक उन्हें मालूम हुआ है या नहीं कि 'यासमीन लड़का नहीं लड़की थी- जेम्स बांड ने सोचा ।

फिर उसने आस-पास खड़ी वेश्याओं को धक्का देकर अलग किया और जो वेश्यायें यासमीन को थामे हुई थीं, वह उन्हें बाल पकड़-प्रकड़ कर जबरदस्ती घसीट कर अलग करने लगा।

अगले ही क्षण यासमीन उनसे अलग खड़ी हांफ रही थी।

दो वेश्यायें क्रोधित होकर जेम्स बांड पर ही झपट पड़ीं। जेम्स बांड के दोनों हाथ चले और वे गेंद की तरह उछल कर कमरे के दूसरे सिरे पर जा पड़ी ।

उसके बाद शान्ति छा गई ।

जेम्स बांड ने यासमीन का हाथ पकड़ा और उसे कमरे में से निकाल लाया।

'आई एम सारीं।'- जेम्स बांड खेदपूर्ण स्वर में बोला

२०७
- 'मुझे नहीं मालूम था कि तुम इसलिए इमारत में नही घुसना चाहतीं थीं ।'

'इट्स आल राइट नाउ । डोंट बादर' - यासमीन हांफती हुई बोली ।

जेम्स बांड उसे बांह पकड़ कर अकेले कमरे में ले आया। उसने फर्श पर पड़ी हुई लाश की ओर संकेत करते हुए यास-मीन से पूछा- 'यह अहमद ही है न ?

यासमीन ने स्वीकृति सूचक ढंग से सिर हिला दिया ।

'आओ।'- जेम्स बांड बोला ।

दोनों सीढ़ियां उतरने लगे ।

इस बार किसी वेश्या ने उनके साथ छेड़खानी करने की कोशिश नहीं की।

'दुश्मन अहमद तक हमसे पहले कैसे पहुंच गए?' इमारत से बाहर गली में आकर जेम्स बांड विचारपूर्ण स्वर में बोला।

'अहमद की तलाश में हमें गामरा के इलाके में बहुत पूछताछ करनी पड़ी थी ।' - यासमीन धीरे से बोली-'शायद उसी वजह से दुश्मन के कानों में भनक पहुंच गई हो कि कोई दूचर के हत्यारे के रिश्तेदारों को तलाश कर रहा है।'

'यही हुआ लगता है।'- जेम्स बांड बोला ।

दोनों चुपचाप गली में बाहर की ओर चलते रहे।
'अब तुम्हारा क्या इरादा है?' - एकाएक यासमीन ने पूछा।

'कल फिर स्फिक्स क्लब में जाऊंगा। - जेम्स बांड निश्चयात्मक स्वर में बोला- 'वहां एक जगह है जहां से कोई आगे बढ़ने का रास्ता निकल सकता है।'

यासमीन फिर नहीं बोली।

इस वार जेम्स बांड ने स्फिक्स क्लब टेक्सी पर जाने की गलती नहीं की। इब्राहीम पाशा स्ट्रीट के एक गैरेज से उसने एक कार किराये पर ली और उसे स्वयं ड्राइव करता हुआ वह स्फिक्स क्लब पहुंच गया ।

२०८

जेम्स बांड ने अपनी कार को पार्किंग की भीड़ से अलग एक ऐसे स्थान पर पार्क किया जहां फौरन भाग जाने की स्थिति आ जाने पर वह फौरन अपनी कार तक पहुंच सकता ।

वह क्लव के भीतर पहुंच गया । उसने अपनी घड़ी पर दृष्टि पात किया ।

ग्यारह बजने को थे । असली प्रोग्राम आरम्भ होने में अभी एक घण्टे की देर थी। एमी कहीं दिखाई नहीं दे रहीं थी।

वह हाल में जाकर एक सीट पर बैठ गया ।

स्टेज पर एक समूह नृत्य चल रहा था, जिसमें हाल में बैठे हुए लोग कोई विशेष दिलचस्पी नहीं ले रहे थे ।

एक बेहद सुन्दर जर्मन लड़की उसके समीप आ खड़ी हुई।

वह जेम्स बांड की ओर देखकर मुस्कराई।

'सारी' - जेम्स बांड खेदपूर्ण ढंग ने मुस्कराता हुआ बोला- 'माई प्रिफ्रेंस इज शेली।'
लड़की के चेहरे पर नाराजगी के भाव उभरे और गायब हो गए।
'ऐज यू विश, सर।' वह अपने चेहरे पर नुमायशी मुस्कराहट लाती हुई बोली ।
'थैंक्यू ।'- जेम्स बांड बोला । जर्मन लड़की वहां से हट गई।
पांच मिनट बाद शेली उसकी टेबल पर आ गई।
'हैल्लो, मिस्टर बांड ।' - शेली उलझनपूर्ण स्वर में बोली ।
जेम्स बांड अपने स्थान से उठा। उसने अपने सामने की कुर्सी के सभीप पहुंचकर शैली को उस पर बैठने में सहायता की और फिर वापिस अपनी सीट पर आ गया।
शेली विचित्र नेत्रों से उसकी ओर देख रहीं थी ।
'तुम्हारी सूरत से ऐसा मालूम हो रहा है' - जेम्स बांड उपहासपूर्ण स्वर में बोला- 'जैसी मेरी स्फिक्स क्लब में मौजूदगी तुम्हारी असुबिधा का कारण बन रही हो।'
'यह बात नहीं है' रोजी जल्दी से बोली- 'लेकिन लेकिन...।'
'लेकिन क्या...?'
२०६
'लेकिन काउन्ट तो कहता था कि तुम दुबारा यहां आने को कभी हिम्मत नहीं करोगे ।'
'अच्छा। ऐसा कहा था उसने?'
'हाँ।'
'क्यों? मेरा चैक कैश नहीं हुया क्या?"
'बह बात नहीं है।'
'तो फिर?'

'छोड़ो।'- शेली विषय परिवर्तन कर हुई बोली-'क्या पियोगे?'
'जो पिला दोगी।'
'अच्छी बात है। आज मैं अपनी ही मर्जी की शराब मंगाती हूं।'
उसने सर्विस करती हुई एक अर्धनग्न लड़की को संकेत से अपने पास बुलाया और उसे धीरे-धीरे कुछ बताने लगी । वेट्रेस ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिलाया और वहां से हट गई ।
पन्द्रह मिनट बाद उन्हें आर्डर सर्व हो गया ।
जेम्स बांड ने अपने गिलास के तरल पदार्थ की एक चुस्की ली।
'यह क्या चीज है?' - वह होंठों पर जुबान किराता हुआ बोला ।
'बह बड़ी स्पेशल काकटेल है। - शेली मुस्कराती हुई 'बोली- "मैंने इसका नाम 'नॉक-आउट काकटेल' रखा हुआ है। दो तीन काकटेल ही साधारण आदमी का दिमाग सातवें आसमान पर पहुंचा देने के लिए काफी होती हैं।'
अच्छा!'
'लेकिन तुम्हें कुछ नहीं होगा।'
'क्यों?
'क्योंकि तुम तो साधारण आदमी नहीं हो।'
'ओह ! थैंक्यू । थैंक्यू फार दी काम्पलीमैंट्स ।'
जेम्स बांड चुपचाप काकटेल की चुस्कियां नेता रहा।
'उस रात तुमने मुझे बड़ा धोखा दिया।'- थोड़ी देर बाद जेम्स बांड बोला।
'कैसे?' शैली चौंक कर बोली ।
'मैंने तो सोचा था कि बाद में मैं तुमने कुछ बातें करूंगा।
२१०

लेकिन सुबह जब मेरी नींद खुली, तब तक तुम कमरे से गायब हो चुकी थीं।'

'उस रात जो कुछ हमने किया था।' - शेली मादक स्वर में बोली- 'उनके बाद बातें करने की गुंजायश रह गई थी क्या?'

'हां।'- जेम्स बांड गम्भीरता से बोला- 'मैं तुमसे कुछ ऐसी बातें पूछना चाहता था जिसका सम्बन्ध तुम्हारे वर्तमान जीवन से, तुम्हारे हिताहित से भी था।'

'ऐसी बातें आज कर लेना। शेली लापरवाही से बोली ।

'तो फिर

उसी क्षण हाल की बत्तियां बुझ गई।

'बंद करो।'- शेली बोली- 'अब एमी का डान्स देखो। बाकी बातें डान्स के बाद ।

जेम्स वांड चुपचाप काकटेल पीने लगा और स्टेज" की ओर देखने लगा।

एसी का कामुक डान्स आरम्भ हुआ ।

क्लब का हाल लोगों की गर्म सांसों और सिसकारियों से गूंजता रहा ।.

एमी साक्षात वासना की प्रतिमूति बनी लोगों के दिल में आग लगाती रही।

लोगों की लालसा से झुलसती हुई आंखें बिना झपके उसके पारे की तरह हिलते हुए नग्न शरीर पर दहकती हुई सलाखों की तरह चुभती रही।

एमी दीन-दुनिया से बेखबर सी नाचती रही।

नृत्य समाप्त हो गया।

बत्तियां फिर जल कठीं । हाल तालियों से गूंज उठा। एमी एक छलावे की तरह कहीं गायब हो गई।

हाल में शायद जेम्स बांड अकेला आदमी था जो नृत्य में रस नहीं ले सका। लोगों की भावनाओं के विपरीत वह तो प्रार्थना कर रहा था कि नृत्य जल्दी समाप्त हो।

'काकटेल और मंगवाओ।'- जेम्स बांड आशापूर्ण स्वर में शेली से बोला ।

'मैं तुम्हारे लिए मंगवाती हूं। - शेली बोली- 'लेकिन मैं और नहीं पिऊंगी।'
२११
'क्यों?!
'तीन नाक झाउट काकटेल मेरी लिमिट है।'
'एक और ।' - जेम्स बांड अनुरोधपूर्ण स्वर से बोला ।
'हाल में नहीं।'- शेली बोली- 'बहक गई तो खाम-खाह तमाशा वन जाऊगी। ऊपर कमरे में चलने के बाद जितनी कहोगे, पियूंगी।'
मर्जी तुम्हारी।' - जेम्स बांड बोला। बोली बहुत होशियार लड़की थी ।
उसको ज्यादा शराब पिलाकर पूछ पाना सम्भव नहीं था।
'चलो बाहर चलें।'- एकाएक जेम्स बांड बोला ।
'स्वीमिंग पूल पर?' - शेली ने पूछा।
'नहीं। लान में। काकटेल थोड़ी-थोड़ी मेरे दिमाग को भी चढ़ रही है।
जरा ठण्डी हवा लगेगी तो तबीयत सुधर जायेगी ।'
'ओ० के० ।' - शेली उठती हुई बोली- 'तुम बाहर 'चलो। मैं थोड़ी देर में आती हूं। लान में फव्वारे के पास इन्त-जार करना।'
'अच्छा।'- जेम्स बाँड बोला और उठ खड़ा हुआ ।
वह हाल से बाहर की ओर चल दिया।
एकाएक उसे सामने से काउन्ट आता हुआ दिखाई दिया । जेम्स बांड ने आंख चुराकर निकल जाने की कोशिश की लेकिन काउन्ट ने उसे देख लिया था।
'हैल्लो, मिस्टर दांड ।' - काउन्ट उसके समीप आकर बोला
'हल्लो, काउन्ट वान ग्लीविज ।' - जेम्स बांड शिष्ट स्वर में बोला ।
क्लब की भीड़ भाड़ में काउन्ट की ओर से उसे कोई खतरा नहीं था।
काउन्ट इतना मूर्ख नहीं था कि किसी मेह-मान के साथ कोई ज्यादती करके अपना धन्धा बिगाड़ लेता ।

'मैं तुम्हें दुबारा यहां देखने की आशा नहीं कर रहा था।'- काउन्ट बोला ।

'तुम तो शायद इस बात की भी आशा नहीं कर रहे थे कि मैं तुम्हारे हाउस बोट वाले जेल खाने में से निकल भागूँगा।'

"तुम सच कह रहे हो।' - काउन्ट गम्भीर स्वर में बोला- 'मुझे अपने नौकरों से दगाबाजी की आशा नहीं थी।

२१२

हुसैन को कितनी रिश्वत दी थी तुमने?'

'रिश्वत नहीं मैंने उसे अरब का प्रसीडेंट बनवा देने का वादा किया था।' -- जेम्स बांड बोला । मन ही मन वह खुषा था कि काउन्ट भी यही समझ रहा था कि जेम्स बांड हुसैन को रिश्वत देकर वहां से निकल भागा था। एमी काउन्ट के संदेह से परे थी ।

काउट कुछ क्षण चुप रहा और फिर व्यंग्यपूर्ण स्वर में बोला- 'तुम्हारा चेहरा काफी सूज गया है। शायद घूसा ज्यादा जोर से पड़ गया था और पसलियों का क्या हाल है? कोई चटकी तो नहीं?'

'पसलियां ठीक हैं।' जेम्स बांड बोला- 'और मेरा चेहरा अब तुम्हारे जैसा लगने लगा है। सोचता हूं बच्चों को डराने का काम शुरू कर दूं।'

काउन्ट मुस्कराया। 'अभी लड़के हो ।' -- वह बोला।

जेम्स बांड ने कुछ कहने के लिए मुंह खोला लेकिन काउन्ट ने उसे अवसर नहीं दिया।

'और देखो।' काउन्ट बोला- 'अगर आज तुम्हें मनोरंजन के लिए किसी साथी की जरूरत पड़े तो मेहरवानी करके टार्जन बनने की कोशिश मत करना। तुम केवल मुझे कह देना और क्लब की सबसे खूबसूरत और सबसे कमसिन लड़की तुम्हारे आगोश में होगी। मेरे नौकरों को पीटने से और सीढ़ियां फांदने से तुम इससे बेहतर नतीजा हासिल नहीं कर सकोगे ।'

"मैं ख्याल रखूंगा।'- जेम्स बांड शराफत से बोला ।

'थैंक्यू ।'- काउन्ट बोला- 'एन्जॉय यअर सैल्फ, माई ब्वाय ।'

और काउन्ट यू उसका कन्धा थपथपा कर आगे वढ़ गया जैसे यह सचमुच ही उसका 'माई ब्वाय' हो ।'

जेम्स बांड बाहर आ गया।

उसने एका सिगरेट सुलगा लिया और फव्वारे के समीफ पहुंच कर शेली की प्रतीक्षा करने लगा।

दूसरे सिगरेट के अन्त में शेली आई। उसके नेत्रों में लाली के डोरे चमक रहे थे और चेहरे पर मेकअप की ताजी परत दिखाई दे रही थी।

२१३
जेम्स बांड ने सिगरेट फेंक दिया और उसकी कमर में हाथ डाल दिया।

शेली उस के साथ सट गई।

जेम्स बांड ने अनुभव किया कि वह अपने शरीर के साथ एकदम चिपके हुए लाल गाउन के नीचे कुछ भी नहीं पहने हुए थी। वह उसकी कमर में हाथ डाले उसे एक घने कुंज की ओर ले चला।

'कहां ले जा रहे हो मुझे?' शेली उसके कन्धे से लिपटी हुये मादक स्वर से बोली ।

'वहां जरा एकान्त में चलकर बैठेंगे ।' जेम्स बांड कुंज की ओर संकेत करता हुआ बोला ।

'एकान्त में' -- शैली होंठ दबाकर हंसी 'ऊपर चलो??

'नहीं। यहीं ठीक है।'

'अच्छा।'

कुंज में जाकर दोनों एक बैंच पर बैठ गये ।

जेम्स बांड ने उसे अपनी बाहों में ले लिया। शेली लता की तरह उसके साथ लिपट गई। उनके युवा शरीर की गर्मी उसके गाउन में से फूट कर जेम्स बांड के शरीर तक पहुंच रही थी।

जेम्स बॉड अपने होंठ धीरे-धीरे उसके होंठों पर, बालों पर और गरदन पर फिराने लगा।

शेली बेहद उत्तेजित हो उठी और मजबूती से जेम्स दांड के साथ लिपट गई।
दस मिनट बाद उसने स्वयं को शेली के बन्धन से अलग कर लिया। उसने जेब से सिगरेट का पैकेट निकाल कर दो सिगरेट सुलगाये। और एक उसने अपने होंठों में लगाया और दूसरा शेली की ओर बढ़ा दिया ।
: शैली ने सिगरेट ले लिया और उसके छोटे-छोटे कश लगाने लगी ।
'हाउ डू यू फील? ' - जेम्स बांड ने प्रश्न किया।
'फाइन' - शेली ने मुस्कराते हुए उत्तर दिया। उसने सिगरेट का एक कश और लगाया और फिर सिगरेट फेंक दिया।
'घर कब जा रही हो?' - एकाएक जेम्स बांड ने प्रश्न किया।
२१४
'घर!' - शैली चौको- 'तुम किस घर का जिक्र कर रहे हो।'
'इंगलैंड । तुम्हारा अपना देश ।'
'ओह ! वह । जाऊंगी ही।'
'कब?'
'एक दो महीने में स्फिंक्स क्लब में रहकर काफी धन कमा लिया है। धन की खातिर ही मैं यहां आई थी। अब वापिस यार्कशायर में अपने घर जाऊंगी और ठाठ से जिन्दगी बिताऊंगी।'
'अभी तक कितना धन जमा कर लिया है तुमने?'
'साठ हजार पाउन्ड ।'
"नहीं- जेम्स वांड अविश्वास पूर्ण स्वर में बोला।
'मैं सच कह रही हूं।'
'इतना धन तुमने दस महीने में कमा लिया।'
'हां। और यह भी थोड़ा है। स्फिंक्स क्लब में तो करोड़-पति लोग आते हैं ।'

'वह तो ठीक है लेकिन लाभ तो क्लब को मिलता होगा।'
'लाभ का बड़ा भाग क्लब को मिलता है लेकिन हमारा शेयर हमें भी मिलता है।'
'दस महीने में साठ हजार पाउन्ड कमा लेना तो करिश्मा मानता हूं मैं ।' 'करिश्मा तो है ही। इसीलिये तो जब इंगलैंड में मुझे यहां की आफर दी गई थी तो मैंने फोरन हां कर दी थी।'
'आफर क्या थी?''
'यही कि स्फिंक्स क्लब में आकर होस्टेस का काम करूं । मुझे तीन हजार पाउन्ड महीना वेतन और बिजनेस पर कमी-शन मिलेगा। अगर मैं क्लब की आफर से सन्तुष्ट नहीं होऊगी तो मुझ कभी भी वापिस लौट आने की इजाजत होगी। मिस्टर बांड, इंग्लैंड में मैं एक सिगरेट बताने वाली कम्पनी में काम करती थी और वहां मुझे मुश्किल से पांच पाउन्ड प्रति सप्ताह मिलता था। ढेर सारा धन कमाने का ऐसा सुनहरी मौका भला मैं कैसे छोड़ देती ।'
'और तुम यर्हा आ गयी।'
'हां।'
२१५
'और अब तुम साठ हजार पाउन्ड की मोटी रकम कमा कर स्वदेश जाने की सोच रही हो?'
'हां ।'-- शेली प्रसन्न स्वर से बोली ।
'साठ हजार पाउन्ड तुमने कौन से बैंक में जमा किये हुये हैं?'
'बैंक में नहीं। मेरा धन काउन्ट के पास जमा है। बाकी लड़कियां भी यही करती हैं।'
जेम्स बांड ने अपना माथा ठोक लिया ।
'क्या हुआ?' - शेली हैरानी से उसे देखती हुई बोली ।

'शेली!' - जेम्स बांड बोला- 'तुम मूर्ख हो । मूर्ख ? महामूर्ख हो।'

'क्यों?' शेली हड़बड़ा कर बोली ।

'क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता कि तुम धोखे के कितने वड़े जाल में फंसी हुई हो? क्या तुम समझती हो कि काउन्ट तुम्हें इतनी मोटी रकम देकर स्वदेश वापिस जाने देगा??

'क्यों नहीं जाने देगा?' शेली विश्वासपूर्ण स्वर में बोली --- 'मेरे सामने कई लड़कियां गयी हैं।'

'शेली, मेरा विश्वास करो, कोई भी लड़की इस क्लब में काउल्ट के चंगुल में फंसने के बाद घर वापिस नहीं पहुंचीं है। काउन्ट उन लड़कियों का धन हड़प कर जाता है और उन्हें अरब के शेखों के हरम में बेच देता है, जहां एक बार पहुंच जाने के बाद वे जिन्दगी भर बाहरी दुनियां का मुंह नहीं देख पाती।

शेली के चेहरे का रंग उड़ गया। वह आंखें फाड़े जेम्स बांड का मुंह देखने लगी ।

'नहीं।' वह अविश्वासपूर्ण स्वर में बौली ।

'बाई गाड, मैं हकीकत बयान कर रहा हूं।' - जेम्स बांड बोला- 'ये लोग लड़कियों को वापिस नहीं जाने देते । बाद में भी नहीं और पहले भी नहीं। अगर तुम आते हीं वापिस लौटने की इच्छा प्रकट करती तो भी वे तुम्हें वापिस नहीं जाने देते । काउन्ट की 'प्रिंसेस' नाम की एक हाउसबोट नील नदी में खड़ी है। काउन्ट एसी लड़कियों को वहां गिरफ्तार कर लेता है और फिर मौका लगने पर उन्हें बेच देता है। इसलिये वे लोग लडकियों को मोटी-मोटी रकम देने का वादा कर देते है क्योंकि उन्हें मालूम है कि धन उसके अधिकार से बाहर जाना ही नहीं है। तुम्हारा भी वही हाल होगा

शेली। ज्यों ही तुमने वापिस लौटने की इच्छा प्रकट की, काउन्ट तुम्हें नीलाम कराने के लिये हाउसबोट में ले जाकर कैद कर लेगा और तुम्हारी सारी कमाई हड़प जायेगा।'

'ओ माई गाड! ओ माई गुड गॉड!' - शेली दहशत-भरे स्वर में बोली ।

'शेली'।'- जेम्स बांड उसकी ओर झुकता हुआ गंभीर'. स्वर में बोली- 'मैं इंग्लैंड में कोई क्लब नहीं चलाता हूं। मैंने पहले तुमसे झूठ बोला था। वास्तव में मैं ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस का एजेन्ट हूं और

काहिरा में विशेष रूप से औरतों की नीलामी के इस धन्धे का पर्दाफाश करने के लिये आया हूं। तुम भी इंगलिश हो । मैं तुम्हारा देशवासी हूं। मैं तुम्हें धोखा नहीं दूंगा। । अगर जैसा मैं कहता हूं, वैसा तुम करो तो मैं तुमको यहां से बचा ले जाने का वादा करता हूं। इससे तुम्हारा ही नहीं, क्लब में मौजूद और भी लड़कियों का हित होगा। सब अरब शेखों के हरमों में नीलाम होने से बच जायेंगी, जहां एक बार पहुंच जाने के बाद. शायद वे जीवन भर दिन का प्रकाश नहीं देख पायेंगी।'

भय से शैली का शरीर कांपने लगा और उसके नेत्रों से आंसू बहने लगे ।

जेम्स बांड ने उसे फिर अपनी बांहों में ले लिया और उसका सिर थपकता हुआ जसे सांत्वना देने लगा ।

शेली उसके कन्धे से लगी धीरे-धीरे सुबकती रही और भगवान को याद करती रही।

एकाएक उसने स्वयं को जेम्स बांड के आलिंगन से मुक्त कर लिया। उसने अपने आंसू पोछे और फिर निश्चयात्मक स्वर में बोली- 'मिस्टर बांड, तुम जो कहोगे, मैं करूंगी।'

'दैट्स ए गुड गर्ल ।'- जेम्स बांड बोला- 'देखो, जो काम तुम एक महीने में करने वाली हो, वह आज ही कर दो।'

'क्या मतलब?'- वह उलझनपूर्ण, स्वर में बोली।

'तुम आज ही काउन्ट को नोटिस दें दो कि तुम फौरन स्वदेश लौटना चाहती हो इसलिये तुम्हारी कमाई हुई रकम के ट्रांसफर का इन्तजाम कर दिया जाये और इंग्लैंड के लिये तुम्हारा एयर पैसेज बुक कर दिया जाये। संभव हो तो तीन चार और लड़कियों को भी काउन्ट को ऐसा नोटिस देने के

२१७

लिये तैयार कर लो। अभी से मेहमानों का मनोरंजन करना बन्द कर दो और काउन्ट को कहो कि वह फौरन तुम्हारे लौटने का इन्तजाम करे। मेरा पूरा विश्वास है कि काउन्ट बड़ी शराफत से हां कर देगा और जब तक तुम लौट नहीं जातीं वह तुम्हें अपने मेहमान के रूप में हाउसबोट में रहने का निमन्त्रण दे देगा।'

'वह क्यों?'

'दो कारण हैं। एक तो तुम वहां रहकर स्फिंक्स क्लब की बाकी लड़कियों को बरगला नहीं पाओगी और दूसरे हाउसबोट से नदी के रास्ते किसी लड़की को गायब कर देना आसान है।'

'आई सी । फिर?'

'फिर काउन्ट हाउसबोट के निचले बैंक में बने जेलखाने में तुम्हें कैद कर देगा और मौका पड़ने पर किसी अरब शेख के हाथ तुम्हें बेच देगा।'

'लेकिनः।'

'लेकिन ऐसी नौबत नहीं आयेगी। मैं इस बात का इन्त-जाम कर दूंगा कि मेरा कोई साथी निरन्तर तुम्हरी निगरानी करनी आरंभ कर दे। तुम्हारे हाउसबोट पर पहुंचते ही मुझे खबर हो जायेगी। उसके बाद मैं काहिरा पुलिस विभाग पर ऐसा राजनैतिक दबाव डलवाऊंगा कि उन्हें काउन्ट के खिलाफ एक्शन लेना ही पड़ेगा और फिर काउन्ट को यह बताना पड़ेगा कि इस सारे बखेड़े में वास्तविक हाथ किसका है।'

'तुम्हारा मतलब है कि काउन्ट बास नहीं है?'

'मुझे ऐसा ही मालूम होता है।'

'शेली कुछ क्षण चुप रही और फिर दृढ़ स्वर में बोली - 'मैं करूंगी।' मैं, जो कुछ तुम कह रहे हो, करूंगी। क्लब की तीन चार लड़कियां मुझे बहुत मानती हैं। मैं उन्हें भी अपने पक्ष में करने का प्रयत्न करूंगी।'

'वैरी गुड ।' जेम्स बांड सन्तुष्ट स्वर में बोला। अंब उसे कुछ काम होता दिखाई दे रहा था।

'अब मैं जाऊ?' शली उठती हुई बोली ।

'हां, हां, शौक से ।'- जेम्स बांड भी उठ खड़ा हुआ-'मैं भी बापिस काहिरा जा रहा हूं।'

२१८

जेम्स वांड ने आखिरी बार शेली का चुम्बन लिया, आखिरी बार उसको आश्वासन दिया और फिर उसे वहीं खड़ी छोड़कर क्लब के मेन हाल की ओर चल दिया ।

हाल में एक स्थान पर उसे काउन्ट दिखाई दिया ।

'वेटर!'- जेम्स बांड काउन्ट की ओर संकेत करके उच्च स्वर में बोला- 'बिल ।'

काउन्ट के आसपास खड़े लोग कभी जेम्स बांड का और कभी काउन्ट का मुंह देखने लगे ।

काउन्ट का चेहरा कानों तक लाल हो गया था।

***

अगले दो दिन बड़े बोर गुजरे ।

जेम्स बांड, रौलैंड और यासमीन शिफ्टों में स्फिंक्स क्लब की निगरानी करते रहे लेकिन शैली या कोई अन्य क्लब से हाउसबोट पर नहीं ले जाई गई।

शाम को जेम्स बांड अपने होटल के कमरे में से निकला और आपरा स्क्वायर की ओर चल दिया।

आज शाम को स्फ़िक्स क्लब की निगरानी यासमीन कर रही थी। रात को बारह बजे के बाद जेम्स बाँड की शिफ्ट शुरू होने वाली थी।

न्यूज टेलीग्राफ एजेन्सी से उसने 'एम' की रिपोर्ट भेजी और पूर्ववत टहलता हुआ वापिस सेमिरामिस होटल के डाइनिंग रूम में प्रविष्ट हो गया।

डिनर समाप्त कर चुकने के बाद वह ऊपर अपने कमरे में आ गया।

कमरे में यासमीन बैठी थी। वह लड़के के मेकअप में थी और पहले वाले ही मेले-कुचैले वस्त्र पहने हुए थी।

'तुम कमरे में कैसे पहुंच गई?' - वही पहला प्रश्न जेम्स बांड की जुबान पर आया।

'रिसेप्शनिस्ट को अपनी वास्तविकता बताकर और उसे पांच पौंड रिश्वत देकर ।'

जेम्स बांड नें देखा यासमीन बहुत चिंतित थी और बेहद धीरे स्वर में बोल रही थी।

- 'यासमीन ।' जेम्स बांड ने कहना चाहा - 'क्या बात

219

है तुम..!'

'मिस्टर बांड ।'- यासमीन उसके समीप आ गई और परेशान स्वर में बोली- 'बहुत गड़बड़ हो गई है।'

गड़बड़ का नाम सुनकर जेम्स बांड को ख्याल आया कि यासमीन को तो स्फिंक्स क्लव के आसपास होना चाहिये था।

'गड़बड़!" - जेम्स वांड व्यग्र स्वर में बोला - 'कैली' गड़बड़?'

'आज शेली और तीन और लड़कियां एक बहुत बड़ी कार में क्लब से हाउसबोट पर लाई गई थी। मैंने क्लब से उन्का पीछा किया था और उन्हें हाउसबोट में ले जाते देखा था।'

'यह तो होना ही था। इसमें गड़बड़ की कौन सी बात है?'

'गड़बड़ की बात यह है कि लड़कियां अब हाउसबोट में नहीं हैं।'

'क्या मतलब?' जेम्स बांड चौंका।

'मतलब यह कि लड़कियों के हाउसबोट पर पहुंचते ही मैंने होटल में तुम्हें टेलीफोन किया था।'- यासमीन रूआँसे स्वर में बोली- 'लेकिन तुम अपने कमरे में नहीं थे। मैं कैसर-अल-नील ब्रिज के समीप खड़ी हाउसवोट की निगरानी करती रही। लगभग आधे घण्टे बाद नदी के नीचे की ओर से एक मोटर लांच आई और हाउसबोट के साथ आ लगी। फिर मैंने लड़कियों को हाउसबोट से मोटर लांच पर ट्रांस्फर किये जाते देखा और फिर पलके झपकते ही मोटरलांच वापिस चल पड़ी । मेरे पास मोटर लांच का पीछा करने का कोई साधन नहीं था। मैंने तुम्हें फिर फोन किया लेकिन तुम तब भी अपने कमरे में नहीं थे। हाउसबोट की निगरानी करना बेकार समझकर मैं तुम्हारे इन्तजार में यहां होटल में आ बैठी।'

'यह तो बाकई बहुत गड़बड़ हो गई।'- जेम्स बांड चिन्तित स्वर में बोला ।

यासमीन अपराधी सी चुपचाप खड़ी रही।
'तुम्हें पूरा विश्वास है कि वे शोली वगैरह वही लड़कियां थीं जो क्लब से हांउसबोट पर लाई गई थीं?'
'लगता तो यही था।
२२०
'लेकिन तुम दावे के साथ नहीं कह सकतीं ।'
'वहां काफी रोशनी नहीं थी।'
जेम्स बांड कुछ क्षग चुप रहा और फिर 'आओ मेरे साथ।'
यासमीन उसके साथ हो ली ।
जेम्स बांड अपने कमरे से बाहर निकला, होटल से बाहर निकला और फिर कैसर-अल-नील ब्रिज की ओर चल दिया।
प्रिंसेस ते थोड़ी दूर पहुंचकर वह रुक गया। उसने हाउस बोट की ओर दृष्टि दौड़ाई । हाउसबोट पर सन्नाटा छाया हुवा था। गैंग वे पर एक पहरेदार लापरवाही से घूम रहा था।
'मैं हाउसबोट पर जा रहा हूं।'- वह यासमीन की ओर 'घूमकर बोला - 'अगर पन्द्रह मिनट में मैं वापिस नहीं आऊ तो तुम पुलिस को फोन कर देना।' यासमीन ने स्वीकृतिसूचक ढंग से सिर हिला दिया।
जेम्स वांड ने हाउसबोट की ओर कदम बढ़ाया ।
'मिस्टर बांड ।' यासमीन ने उसकी बांह थाम ली ।
'हां।'- जेम्स बांड बोला।
यासमीन ने अपने वस्त्रों में कहीं हाथ डाला और एक चमवाती हुई चीज निकालकर उसकी ओर बढ़ा दी ।
जेम्स बांड ने देखा, वह एक छोटी सी खूबसूरत रिवाल्पर थी। जेम्स बांड ने रिवाल्वर ले ली।

'थैंक्यू ।' वह बोला- 'इट विल बी ए ग्रेट हैल्प ।'

वह यासमीन को वहीं छोड़कर आगे बढ़ा।

पहरेदार के गैंग वे दूसरे के सिरे पर पहुंचते ही वह हाउस बोट में कूद पड़ा। वह केबिन की एक दीवार के साथ चिपक गया ।

पहरदार के समीप से गुजरते ही जेम्स बांड ने उस पर छलांग लगा दी ।
जेम्स बांड का एक ही प्रहार उसे बेहोश कर देने के लिए काफी था।
पहरेदार फर्श पर लेट गया। इस बार जेन्स बांड ने उसका बेहोश शरीर कहीं छुपाने का प्रयत्न नहीं किया।

वह गैंग वे में आगे बढ़ा और एक लम्बे गलियारे में अविष्ट हो गया। वह दूसरे सिरे की ओर बढ़ा जहां नीचे

२२१

जेलखाने की तरह इस्तेमाल किये जाने वाले कमरों की ओर ले जाने वाली सीढ़ियां थीं।

अभी उसने आधा गलियारा ही पार किया था कि दायीं ओर के एक केबिन का द्वार खुला और दो आदमी बाहर निकले । जेम्स बांड ने देखा, उनमें से एक अब्दुल था।

दोनों के चेहरे पर आश्चर्य के भाव आये और वे जेम्स बांड की और झपटे ।

जेम्स बांड ने रिवाल्वर उनकी ओर तान दी।

दोनों ठिठककर खड़े हो गये और उन्होंने अपने हाथ ऊपर उठा दिये ।..

जेम्स बांड धीरे-धीरे उनकी और बढ़ा ।

तभी भड़ाक से बगल का दरवाजा खुला और इससे पहले कि जेम्स बांड सम्भल पाता, किसी भारी चीज का प्रहार उसकी रिवाल्वर वाली कलाई पर पड़ा और रिवाल्वर उसके हाथ से निकल गई।

जेम्स बांड ने देखा द्वार पर काउन्ट खड़ा था। उसके हाथ में एक भारी नेजा था और उसका नेज चमकता हुआ फल जेम्स बांड की छाती पर टिका हुआ था ।

काउन्ट के चेहरे पर एक विषैली मुस्कराहट थी।

अब्दुल और उसका साथी गलियारे में वापिस भागे ।

पलक झपकते ही वे वापिस लौट आये। इस बार उनके साथ दो अरब और थे ।
चारों के हाथ में कारबाइन थमी हुई थीं और उनका रुख जेम्स बांड की ओर था।

'एक बार बच निकलने के बाद भी तुम यहां आ गये, मिस्टर' बांड।'- काउन्ट विषैले स्वर में बोला- लेकिन मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं कि इस बार तुम यह। से बचकर नहीं जा सकोगे ।'

'अगर ऐसा ही एक नेजा मेरे हाथ में होता।'- जेम्स बांड मुस्कराकर बोला 'और फिर तुमने यह 'बात कही होती तो मैं तुम्हारी तारीफ करता। चार हथियारबन्द आदमियों की मौजूदगी में ऐसी धमकी तो चूहा भी दे सकता है।'

काउन्ट क्रोधित दिखाई देने लगा।

जेम्स बांड सोचने लगा, शायद काउन्ट के पौरुष को ललकारने से कोई तरीका हासिल हो सके ।'

'शायद अब अपने खानदानी शौर्य से तुम्हारा दूर-दूर का वास्ता भी नहीं रहा है।'- जेम्स बांड व्यंगपूर्ण स्वर में बोला -- 'अब तो तुम स्वयं को कहकर काउन्ट के टाइटिल को बदनाम कर रहे हो। अपने दिल पर हाथ रखकर एक-क्षण के लिये सोचो और तुम्हें अनुभव होगा कि तुम भी इन काले कुत्तों जैसे ही कायर और नामर्द हो।'

काउन्ट का चेहरा लाल हो गया और क्रोध से उसका शरीर कांपने लगा। वह गर्ज-गर्ज कर जर्मन में कुछ कहने लगा, जिसका एक भी शब्द जेम्स बांड की समझ में नहीं आया। फिर उसने जेम्स बांड की छाती से नेजा हटा लिया ।

वह अपने आदमियों की ओर घूमा। उसने उन्हें अरवी में कुछ कहा और फिर अपना भारी नेजा सम्भाले लगभग भन्नाता हुआ गलियारे में कहीं गायब हो गया ।

अब्दुल और उसके साथियों की कारबाइन जेम्स बांड़ की ओर बनी हुई थीं ।

काउन्ट का एक्शन जेम्स बांड की समझ में नहीं आया।

'अब तुम कुत्तों की मौत मरोगे, मिस्टर' अब्दुल टूटी फूटी अंग्रेजी में बोला- 'ने'जे की लड़ाई में काउन्ट का दुनिया भर में कोई मुकाबला नहीं कर सकता ।'

जेम्स बांड'चुप रहा।

फिर वहां एक आदमी और आया। उसने अब्दुल को संकेत किया।

'चलो।'- अब्दुल अपनी कारबाइन जेम्स बांड की पीठ से सटाता हुआ बोला।

जेम्स बांड चल पड़ा ।

वे उसे एक बड़े से कमरे में ले आये। उस कमरे में दो ओर दरवाजे थे और एक ओर कतार में पोर्ट होल बने हुए थे जिन पर उस समय पर्दे पड़े हुए थे। कमरे के बीचोंबीच छत के सहारे एक बड़ा-सा बल्ब लटका हुआ था, जो वहां प्रकाश का एक मात्र साधन था।

थोड़ी देर बाद काउन्ट वापिस लौटा। इस बार वहे अपने दोनों हाथों में दो भारी नेजे थामे हुए था। उसकी आंखों से खून उबल रहा था। उसने खा जाने वाली निगाहों से जेम्स बांड की ओर देखा और फिर एक नेजा उसकी ओर उछाल दिया।

२२३

नेजा थामने में जेम्स बांड के हाथ झनझना गये । उसको अब्दुल की बात सच मालूम होने लगी। शायद वाकई वह कुत्ते की मौत मारा जाने वाला था। अपने पूरे जीवन में उसने अपने हाथ में नेजा नहीं थामा था और काउन्ट अब्दुल के कथनानुसार, नेजे की लड़ाई में मास्टर था। जिस ढंग से वह अपने नेजे को अपने हाथ में थामे हुए था, उससे यही मालूम होता था कि नेजे से द्वन्द्व युद्ध लड़ना उसके लिये आम बात थी। पता नहीं काउन्ट इसी प्रकार कितने आदमियों को मौत के घाट उतार चुका था।

उसने अपने आदमियों को आदेश दिया। तत्काल वे दोनों दरवाजों से बाहर निकल गये । दरवाजे बाहर से बन्द हो गये । बन्द हमरे में जेम्स बांड और काउन्ट रह गयें ।

'तुम एक नेजा अपने हाथ में भी चाहते थे न?' - काउंट फूंफकारा- 'अब तैयार हो जाओ।'

जेम्स बांड ने पोजीशन ले ली।

काउन्ट ने पूर्ण आत्मविश्वास से नेजे का एक नपा-तुला प्रहार जेम्स बांड पर किया। जेम्स बांड तेजी से वार बचाने के लिए पीछे हटा। काउन्ट के नेजे की नोंक जेम्स बांड की नाक के समीप से होती हुई नीचे घूमी। छाती से लेकर पेट तक जेम्स वोड का कोट और कोट के नीचे की कमीज चर्र से कटी और नेजे की नोक उसके शरीर फर लाल रंग की एक पतली-सी लकीर छोड़ती हुई गुजर गई।

काउन्ट ने एक गगनभेदी अट्टहास किया और बोला -'पहले मैं तुम्हें नंगा करूंगा और फिर तुम्हारी बोटी-बोटी अलग कर दूंगा।'

जेम्स बांड बेचैन हो उठा!

तभी काउन्ट ने फिर प्रहार किया।

जेम्स बांड ने नेजा हवा में घुमाया। दोनों नेजे एक दूसरे से टकराये और फिर जेम्स बांड का हाथ बांह तक झनझना गया। नेजा उसके भय से छूटते- छूटते बचा।

ने फिर अट्टाहास किया। अभी तक उसने जेभ्स बांड पर गम्भीरता से आक्रण करने का प्रयत्न नहीं किया था। वह फिलहाल उसे चूहे बिल्ली की तरह खिजा रहा था।

एकाएक जेम्स बांड को एक तरकीब सूझी।

कमरे के दोनों दरवाजे बाहर से बन्द थे, और बाहर कारबाइन धारी अरब पहरा द रहे थे, इसलिये जेम्स बांड का वहां से भाग निकलना असम्भव था।
काउन्ट को अपने आप घर शत प्रतिशत भरोसा था कि वह जेम्स बांड को मार गिरायेगा लेकिन वह एक छोटी-सी बात भूल गया था।

कमरे में प्रकाश का साधन वह इकलौता बल्ब था जो कमरे के बीचों-बीच छत से लटक रहा था ।

जेम्स बांड एकदम आगे की ओर यूं बढ़ा जैसे वह काउन्ट घर प्रहार करने वाला हो।

काउन्ट सम्भल कर खड़ा हो गया।

लेकिन काउन्ट पर प्रहार करने के स्थान पर उसने नेजा बिजली के बल्ब की बोर घुमाया, बल्ब के परखचे उड़ गये और अगले ही क्षण कंमरा अन्धकार के गर्त में डूब गया।

फिर वह फुर्ती से द्वार के समीप पहुंच गया। उसका ख्याल था कि काउन्ट अपने आदमियों को आवाज देगा। अब जेम्स बांड के हाथ में भी एक शस्त्र था, द्वार खुलते ही उसके बचकर बाहर निकल भागने की काफी सम्भवना थी।

लेकिन काउन्ट ने अपने आदमियों को आवाज नहीं दी । शायद उसे भरोसा था कि वह अंधेरे में भी जेम्स बांङ को मार गिराने वाला था।

निपट अन्धकार में आंखें फाड-फाड कर देखने पर भी जेम्स बांड काउन्ट को नहीं देख पा रहा था । शायद वह दबे पांव उसी की ओर बढ़ रहा हो, जेम्स बांड ने सोचा। फिर वह भी दवे पांव द्वार से थोड़ा दूर हट गया। काउन्ट उसकी अपेक्षा द्वार के समीप ही कही रहा होगा।

उसी क्षण कमरे के पोर्टहोलों वाली दीवार की ओर हल्का-सा उजाला फैल गया। काउन्ट ने सिरे के एक पोर्टहोल का पर्दा हटा दिया था और किनारे की रोशनियों के नदी के लहराते हुए पानी पर प्रतिविम्बित होते हुए प्रकाश की कुछ किरणें पोर्टहोल के रास्ते कमरे में भी पड़ रही थीं।

जेम्स बांड जानता था कि सारे पोर्टहोलों से पर्दे हटते ही कमरे में पर्याप्त प्रकाश हो जाने वाला था और स्थिति फिर पहले जैसी हो जाने वाली थी।

उसका मस्तिष्क तेजी से नई मुसीबत से बचने की तरकी च सोचने लगा ।

जेम्स बांड तेजी से कितु दबे पांव उस दिशा में बढ़ा

२२५

जिधर उसके ख्याल के दूसरा पोर्टहोल था। रास्ते में वह एक कुर्सी से टकराया। उसके मन में एक और विचार पनपा। उसने एक हाथ में कुर्सी उठा ली और आगे बढ़ा। पोर्टहोल से चार मीटर दूर पहुंचकर वह रुक गया।

काउन्ट उसी पोर्टहोल की ओर बढ़ रहा था।

जेम्स दांड ने कुर्सी अपने सामने रख दी। फिर वह स्वयं एक ओर हट गया और उसने कुर्सी को पांव की ठोकर मार कर लुढ़का दिया ।

कुर्सी हल्की-सी धम्म की आवाज से जमीन पर गिरी। काउन्ट चिल्लाया और वह सामने की ओर झपटा। उसका नेजा हवा में घूमा । काउन्ट ने अनुमान से भी एकदम सच्चा वार किया था। अगर जेम्स बांड कुर्सी से पीछे अपनी

पहले वाली स्थिति में खड़ा होता तो काउन्ट का नेजा उसकी छाती से आर-पार गुजर गया होता।

उसी क्षण जेम्स बांड ने पूरी शक्ति से अपने नेजे का प्रहार काउन्ट पर कर दिया ।

काउन्ट के मुंह से एक चीत्कार निकली और फिर दो धमाकों की आवाज से कमरा गूंज उठा। पहले काउन्ट का भारी शरीर लड़की के फर्श से टकराया और फिर उसके हाथ से छूट कर नेजा ।

जेम्स बांड ने आंखें फौड़-फाड़ कर कमरे के फर्श की ओर देखा । काउन्ट फर्श पर पड़ा मछली की तरह तड़प रहा था.।

जेम्स बांड ने अपनी जेव में से सिगरेट लाइटर निकाल कर जलाया। लाइटर की हल्की-सी रोशनी कमरे में फैल गई।

काउन्ट के गले में से खून का फव्वारा छूट रहा था। जेम्स वांड का नेजा उसके गले में घुस गया था।

काउन्ट मर रहा था।

जेम्स बांड ने अपना नेजा फेंक दिया। वह घुटनों के बल काउन्ट के समीप बैठ गया और तेजी से बोलने लगा-'काउन्ट! काउन्ट वान ग्लीविज! तुम मर रहे हो इसलिये मेरी बात गौर से सुनो। सफेद औरतों का व्यापार का यह सारा किस्सा संसार भर के अखबारों में छपेगा। शीघ्र ही तुम्हारे गन्दे कर्मो की जानकारी सारे संसार को हो जायेगी।

२२६

मैं तुम्हारा और तुम्हारे शाही 'खानदान का नाम गन्दगी से बचाने को मौका दे रहा हूं। तुम मुझे यह बता दो कि तुम्हारा बॉस कौन है, शेली और बाकी लड़कियां कहां ले जाई गई हैं और लड़कियों की नीलामी कहां होती है तो मैं तुमसे वादा करता हूं कि मैं तुम्हारा नाम अखबार में नहीं आने दूंगा।'

काउन्ट ने फटी-फटी आंखों से जेम्स बांड की ओर देखा। उसके गले में से खून बह रहा था और उसकी सांस उखड़ी जा रही थी। वह कुछ ही क्षणों का मेहमान था।

'काउन्ट वान ग्लीविज!'- उसे बोलता न देखकर जेम्स बांड दुबारा बोला- 'कम से कम आखिरी बार तों अपने नाम को बदनाम होने से वचालो। तुम क्यों

अपने खानदानी नाम और ओहदे को कलंकित करना चाहते हो। काउन्ट, अपने मान-सम्मन की रक्षा करने का यह तुम्हारे लिये आखिरी मौका है। क्या तुम इज्जत की मौत नहीं मारना चाहते? क्या तुम चाहते हो कि तुम्हारी गंदी हरकतों की वजह से तुम्हारी मौत के बाद संसार भर के लोग तुम्हारे खानदान के नाम पर थूकें । काउन्ट तुम..।'

जेम्स बांड एकदम चुप हो गया।

काउन्ट कुछ कहने का प्रयत्न कर रहा था ।

जेम्स बांड एकदम काउन्ट के मुंह पर झुक गया।

काउन्ट के होंठ हिले और वह बेहद अस्पष्ट स्वर में बुद-बुदाया 'लाल'लालकिला तेल अमारा शेख यु-यु-युसुफ-फ-फ प- पाशा - आ-

और काउन्ट ने दम तोड़ दिया ।

जेम्स बांड उठ खड़ा हुआ ।

'मैं अपना वादा पूरा करूंगा, काउन्ट वोन ग्लौंविज ।' - जेम्स बांड बुदबुदाया 'मैं तुम्हारी खानदानी प्रतिष्ठा की रक्षा करूंगा।'

उसने फर्श पर से नेजा फिर उठा लिया। अभी उसे बाहर के चौकीदारों से निपटना था।

वह गैंग वे वाली दिशा के द्वार के समीप पहुंचा, उसने धीरे से द्वार को खटखटा दिया और स्वयं एक ओर हट गया।

तत्काल द्वार खुला और अब्दुल भीतर प्रविष्ट हुआ।

२२७

जेम्स बांड ने लाठी की तरह नेजे को उसके सिर की ओर घुमाया ।

अब्दुल बिना एक शब्द भी मुंह से निकाले फर्श पर ढेर हो गया।

द्वार के बाहर एक कारवाइन धारी पहरेदार और था। इससे पहले की स्थिति को समझ पाता जेम्स बांड ने उसे भी ठंडा कर दिया ।

अब्दुल और उसके साथी के यूं मार खा जाने की बड़ी वजह यह थी कि उन्हें जेम्स वांड के कमरे से जीवित बाहर निकलने की आशा नहीं थी और इसीलिए द्वार खोलते समय वे पूरी तरह लापरवाह थे ।

जेम्स बांड ने अब्दुल के हाथ से गिरी हुई कारवाइन उठा ली और गलियारे में निकल आया ।

वह सावधानी से चलता हुआ डेक पर पहुंच गया।

डेक पर अरब पहरेदार मौजूद था। उसके हाथ में लाठी थी । वह जेम्स बांड को देखकर लाठी लहराता हुआ उसकी तेर झपटा।

जेम्स बांड ने कारबाइन उसकी ओर' तान दी ।

कारबाइन की सूरत देखते ही उसने लाठी फेंक दी। बह एक क्षग के लिए ठिठका और फिर एक एकाएक उसने डैक पर से नदी के पानी में छलांग लगा दी।

जेम्स बांड किनारे पर आ गया।

यासमीन उसे देखते ही उसकी ओर झपटी ।

जेम्स बांड के फटें हुए कपड़े और उसकी शरीर पर खिची हुई खून की लकीर देखकर उसके मुंह से सिसकारी निकल गई।

'नैवर माइण्ट इट ।'- जेम्स बांड तनिक रूक्ष स्वर में बोला- 'तुम मेरी सुनों ।'

यासमीन ने प्रश्नसूचक नेत्रों से उसकी ओर देखा ।

' तेल-अमारा क्या बला है?' - जेम्स बांड ने पूछा ।

'तेल-अमारा नील नदी किनारे यहां से लगभग ढाई सौ मील दूर स्थित एक स्थान का नाम है।'- यासमीन ने बताया। '

वहां कोई लाल किला है?'

'हां।'

'और शेख युसुफ पाशा क्या चीज है?'

□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ - '□□□ □□□□□ □□□□ □□□-□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□'

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□- '□□□□'

''□□□□?'

'□□□ □□□□□□'

'□□□□□?''

' □□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ '

□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□

□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □ □□□-□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□

□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□

□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□-□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□ □□ □ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□

□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□

□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□

□□□

यासमीन आगे बढ़ी । - पहरेदार ने उसे देखा तो वह सतर्क हो गया ।

यासमीन मुस्कराती हुई उसके समीप जा खड़ी हुई और अरबी में कुछ कहने लगी। फिर उसने बातों-बातों में पहरे-दार के कन्धों पर हाथ रखा और उसकी पीठ जेम्स बांड की ओर कर दी।

जेम्स बांड बिल्ली की तरह दबे पांव आगे बढ़ा। इससे पहले कि पहरेदार खतरे से खबरदार हो पाता, जेम्स बांड ने कारवाइन का एक तगड़ा प्रहार उसकी खोपड़ी पर कर दिया। पहरेदार वहीं ढेर हो गया। फर्श पर मोटा कालीन विछा होने की वजह से उसके जमीन पर गिरने की आवाज तीन चार गज से आगे न जा सकी ।

जेम्स बांड सतर्कता से कारवाइन संभाल कर आगे बढ़ा । यासमीन उसके साथ सटी हुई उसके पीछे चल रही थी।

जिस गलियारे में वे चल रहे थे, वह आगे चलकर बायें घूम गया। गलियारे के दूसरे सिरे पर एक बड़ा सा दरवाजा था जो बन्द था । दरवाजे पर एक बहुत बड़ा ताला झूल रहा था । दरवाजे के सामने दो पहरेदार खड़े थे, जिनके कमरबन्दों के साथ बड़ी-बड़ी तलवार लटक रही थीं।

जेग्स बांड पर नजर पड़ते ही उनके हाथ फुर्ती से अपनी तलवारों की ओर बढ़े । जेम्स बांड ने कारबाइन, उनकी ओर तान दी। यासमीन ने जल्दी से अरवी में कुछ कहा।

पहरेदारों के हाथ तलवारों की मूठ से हट गये ।।

'इनसे कहो ये फाटक खोलें?'- जेम्स वांड बोला । यासमीन ने वही बात अरवी में दोहराई।

एक पहरेदार ने अपने कमरबन्द से लटकी हुई बड़ी सी चाबी की सहायता से ताला खोल दिया।

जेम्स बांड ने आगे बढ़कर एक पहरेदार की कमर से भारी तलवार को म्यान समेत उतार लिया ।

'घूम जाओ।' - वह संकेत करता हुआ दोनों से बोला ।

दोनों झिझकते हुये दरवाजे की ओर घूम गये । जेम्स वांड ने तलवार को लाठी की तरह घुमाया।

दोनों मूह से एक आह भी निकाले विना फर्श पर ढेर हो गये ।

□□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □

□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□

□□□-
□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□

□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□ □

□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□

□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□-□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□

□□ □□□□□ □□□□-□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□, □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□

'□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ ?' □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□

□□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □ □□□□ □□□ □

'□□□□ □□□ □□□□ □□□' □□ □□□□ '□□□ □□□□□□□ □□□□

'□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ □□ ?'

'□□□□'

'तुम लोग यहां अपनी मर्जी से रह रही हो?'
'यहां कोई भी लड़की अपनी मर्जी से नहीं रह रही है-.
लिजा बोली "सब या तो जबर्दस्ती भगाकर लाई गई हैं, या जान से मार दिये जाने की धमकी देकर जबर्दस्ती स्फिंक्स क्लब से लाई गई हैं या पैसा देकर खरीदी गई हैं। यहां कोई अपनी मर्जी से नहीं रह रहा है। हम सब शेख के इस हरम में बन्दी हैं। तुम कौन हो?
'मेरा नाम जेम्स बांड है। मैं तुम्हें स्वतन्त्र कराने आया हूं।' 'तुम अकेले क्या कर सकते हो?'
'मैं अकेला नहीं हूं। यहां कम से कम अस्सी लड़कियां मौजूद हैं। तुम सब मेरी सहायता नहीं करोगी ।'
'इस नर्क से निकलने की खातिर हम कुछ भी करने के
२३२
लिये तैयार हैं।'- लिजा दृढ़ स्वर में बोली ।
'गुड।' जेम्स बांड बोला---'इस समय शेख कहाँ है?'
'वह अपने महल में है।'
'इस महल के सामने वाला महल उसका है?'
'हां। और किसी को उसमें प्रवेश करने की आज्ञा नहीं है।'
'महल से इस समय कितने पहरेदार मौजूद हैं?'
'शेख के महल में कम-से-कम दस पहरेदार हर समय रहते हैं। इस महल में आज यही दो थे जिन्हें तुमने बेहोश कर दिया। आज मेले का दिन है इसलिये बाकी पहरेदार मौज मारने गये हैं।'
'आज किले में चार नई लड़कियां आई हैं?'
'आज यहां कोई नई लड़की नहीं आई है।'

'तुम्हें कैसे मालूम?'

' नई लड़की पहले यहां लाई जाती है फिर यहां से उसे श्र ंगार बगेरह कराके शेख के पास भेजा जाता है।'

'क्या यह संभव नहीं है कि वे सीधी दूसरे महल में ले जाई गई हों?'

'मुझे यह संभव नहीं लगता। लड़कियां हमेशा काहिरा से मोटर लांच पर लाई जाती हैं। हमने अभी तक मोटर लांच के आने की आवाज नहीं सुनी।'

'मोटर लांच कहां आकर रुकती है।'

'चला मैं दिखाती हूं।'

जेम्स बांड ने यासमीन को वहीं ठहरने का संकेत किया और लिजा के साथ बाहर निकल आया ।

यासमीन ने उसके बाहर निकलते ही भीतर से द्वार बन्द कर लिया।

लिजा उसे कई रास्तों से घुमाती हुई एक अर्ध प्रकाशित गलियारे में ले आई। महल का वह भाग सामने के भाग की तरह सुसज्जित नहीं था।

फिर वह एक पुराने से द्वार के सामने पहुंची जिस पर ताला लटक रहा था।

लिजा ने प्रश्नसूचक नेत्रों से जेम्स बांड की ओर देखा।

जेम्स ब्रांड ने समय नष्ट नहीं किया। अब वह कारबाइन् की आवाज सुने जाने के प्रति चिन्तित नहीं था क्योंकि लिजा के कथानुसार महल में और पहरेदार मौजूद नहीं थे। उसने कारवाइन को ताले के साथ सटाया और फायर कर दिया। ताला टूट गया। जेम्स बांड ने ताले को कुंडे से निकाला और दरवाजा खोल दिया। आगे एक लम्वा गलियारा था जिसके दूसरे सिरे पर किले की दीवार दिखाई दे रही थी।

जेम्स बांड गलियारे के सिरे पर पहुंचा ।

सिरे पर सीढ़ियां थी जो सीधी पचास फुट नीचे पानी में उतर गई थी। आगे दीवार के निचले भाग में एक विशाल जंगला था जो उस समय खुला हुआ था ।

'जंगले का खुला होना सिद्ध करता है।'- लिजा बोली - 'कि आज मोटर लांच आने वाली तो जरूर है लेकिन वह अभी तक पहुंची नहीं है । अगर मोटर लांच आई होती तो वह सीढ़ियों के सिरे पर खड़ी होती ।

'शायद वह आकर लौट गई हो?'

'मैंने कहा न हमने लांच के आने की आवाज नहीं सुनी।'

जेम्स बांड चुप हो गया ।

"आओ अब तुम्हें एक चीज और दिखाऊं ।'

लिजा उसे एक अन्य गलियारे में ले आई। उस गलियारे के सिरे पर सीढियों के स्थान पर लोहे का जंगला लगा हुआ, था। वे जंगले के समीप पहुंच गये। जेम्स बांड ने देखा नीचे सामने की दीवार में मोटर जांच के रास्ते जैसा ही जंगला लगा हुआ था, लेकिन वह वन्द था। नीचे नील नदी का पानी दीवार से टकरा रहा था। लेकिन वहां पानी शांत नहीं था। वहां बुरी तरह हलचल मची हुई थी। लिजा ने कोई बटन दबाया और फिर गलियारे के जंगले और किले की दीवार के बीच में बने खाली स्थान में प्रकाश हो गया ।

उस प्रकाश में जेम्स बांड को जो दृश्य दिखाई दिया, उससे उनके रोंगटे खड़े हो गये ।

नीचे पानी में कम-से-कम बीस भयानक मगरमच्छ अपने जबाड़े फैलाये पानी में पूंछें पटक रहे थे। दाई ओर की दीवार में एक के ऊपर दूसरी छोटी- छोटी खिड़कियां दिखाई दे रही थी। उन खिड़कियों में से चिड़ियाघर के जानवरों की तरह विभिन्न आयु के स्त्री पुरुषों के भयभीत चेहरे झांक रहे थे।

'ये वे लोग हैं'- लिजा धीरे से बोली- 'जिन्होंने शेख को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है था उसकी आज्ञाओं का उल्लंघन किया है। इनमें वे लड़कियां भी है जो मेरी तरह स्फिंक्स क्लब में होस्टेस नियुक्त हुई थीं लेकिन जल्दी ही घर जाने की जिद करने लगी थीं और जो यहां लाये जाने के बाद शेख के हरम की सक्रिय सदस्य बनने का विरोध करती रही थीं या शेख को सम्पूर्ण शारीरिक सन्तुष्टि देने में जिन्होंने तन और मन दोनों से पूरी दिलचस्पी नहीं ली थी। शेख के इस कैदखाने में से रोज एक आदमी मगरमच्छों का आहार बनने के लिए नीचे पानी में फेंक दिया जाता है। हम लोगों को शेख यह दृश्य यहां लाकर विशेष रूप से दिखाता है ताकि हम कभी भी शेख का विरोध करने की हिम्मत न हो।'

'जेलखाने की कोठरियों का रास्ता किधर से है?'

'पीछे से। मैं तुम्हें दिखा दूंगी।'

उसी क्षण दूर कहीं से मोटर लांच की चग-चग की आवाज आई।।

'शायद लांच आ रही है।'- लिजा बोली ।

जेम्स बांड ने सहमतिसूचक ढंग से सिर हिलाया और कारबाइन सम्भाल ली।

लिजा ने बत्ती बुझा दी और फिर वे वापिस पहले गलियारे में आ गये ।

मोटर लांच जंगले के नीचे से गुजरती हुई किले की हद में आ गई और फिर धीरे-धीरे से सीढ़ियों के साथ आ लगी। फिर मोटर का इन्जन बन्द हो गया। कुछ क्षण शांति रही।

फिर मोटर लांच में से निकलकर पहले दो आदमी सीढियों पर आये, फिर चार लडकियां, जिनमें से एक शेली भी थी और उसके बाद दो आदमी और फिर एक मोटा ताजा सम्पन्न-सा लगने वाला आदमी जो शायद लांच का कैप्टन था ।.

वे लोग सीढ़ियां चढ़ने लगे ।

जेम्स बांड़ लिजा को लिये गलियारे में काफी पीछे हट गया।

वे लोग सीढ़ियां चढ़ते हुए गलियारे में बढ़े और फिर उस स्थान पर पहुंच गये जहाँ प्रकाश ज्यादा था ।

जेम्स बांड एकाएक कूदकर उसके सामने आ खड़ा हुआ ।

२३५

'सब लोग अपने हाथ ऊपर उठा लो।'-उस ने कारबाइन उनकी ओर तानकर आदेश दिया ।

जेम्स बांड पर दृष्टि पड़ते ही शेली के मुंह से प्रसन्नता-पूर्ण किलकारी निकल गई।

केप्टन का हाथ - बिजली की तरह अपनी जेब की ओर बढ़ा।

जेम्स बांड ने फायर किया।

केप्टन के मुंह से एक चीख निकली और वह फर्श पर लोट गया। केप्टन की हालत बाकी चार आदमियों को भय-भीत करने के लिये काफी थी। उन्होंने फौरन अपने-अपने हाथ सर से ऊपर उठा लिये। वे आतंकित दिखाई दे रहे थे ।

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□

□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□- '□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□. □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □

'□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□'- □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □

'□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ ?' □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□.□

□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□

□□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□-□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□

'□□□ □□□□ □□□ □□ □ □□□□ □'- □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □

□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □

'□□□ ! □□□□ □'- □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□-□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□ □

□□□□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □

'तुम इन सिपाहियों को कवर करके रखना।'- वह शेली से बोला- 'कोई जरा-सी शरारत करे तो उसे फौरन गोली मार देना ।'

शेली ने सहमतिसूचक ढंग से सिर हिलाया।.

जेम्स बांड ने जेलर की पीठ के साथ कारबाइन की नाल अड़ा दी और उसे आगे बढ़ने का आदेश दिया ।

जेलर कांपता हुआ आगे बढ़ा । लिजा जेम्स बांड की बगल में चल रही थी।

जेम्स बांड के अदिश पर जेलर ने कैदखाने की सारी कोठरियों के द्वार खोल दिए । लिजा ने टूटी-फूटी अरबी में कैदियों को समझा दिया कि अब वे स्वतन्त्र थे और जहां चाहें जा सकते थे ।

कैदियों में से कई नवयुवक आगे बढ़े और जोर-जोर से चिल्ला-चिल्ला कर कुछ कहने लगे ।

'ये क्या कह रहे हैं?' जेम्स बांड ने जेलर से पूछा।

'ये कह रहे हैं।' - जेलर थर-थर कांपता 'हुआ बोला-ये शेख यूसुफ पाशा का खात्मा किए बिना यहां से नहीं जायेंगे।'

तभी बीस पच्चीस अरव झुण्ड की सूरत में आगे बढ़ गए। जेम्स बांड ने उन्हें रोकने का प्रयत्न नहीं किया। वह जेलर को साथ लेकर वापिस उसके कमरे में आ गया।

उसने कमरे में से सारी रायफले निकालें कर बाहर गलियारे में फेंक दीं और जेलर और कैदियों को भीतर छोड़-कर दरवाजा बाहर से बन्द कर दिया ।

वह लड़कियों के साथ वापिस हरम की ओर बढ़ा ।

'यहां से काहिरा जाने का कोई तरीका है?' - उसने लिजा से प्रश्न किया।

'शेख के पास दस हवाई जहाज जैसी बड़ी गाड़ियां हैं।'- लिजा ने बताया ।

'ठीक है।' - वह बोला- 'तुम लड़कियों को कहो कि वे उन गाड़ियों को अपने अधिकार में कर लें और उन्हीं में भर कर काहिरा पहुंच जायें। अगर कोई रास्ते में रुकावट डाले तो उसे बेहिचक गोली मार दें। तुम लोगों के काहिरा पहुंच जाने पर मैं तुम्हारा अपने-अपने दूतावास में पहुंचाये जाने का इन्तजाम कर दूंगा।'..

'ओ० के० ।'- लिजा कृतज्ञतापूर्ण स्वर में बोली 'एण्ड थैंक्यू फार एवरीथिंग यू डिड फार अस। यू आर नो लैस देन ए गाड टू अस ।'

जेम्स बांड मुस्कराया।

: हरम में उसने यासमीन को अपने साथ लिया और फिर वह शोली और बाकी तीन लड़कियों के साथ महल से बाहर निकल आया ।

महल के बाहर उसे एक अनोखा दृश्य दिखाई दिया।

कैदी शेख यूसुफ पाशा को उसके महल में से निकाल लाये. थे । शेख एक लगभग चालीस साल का बेहद मोटा आदमी था और उस समय एकदम नंगा था। कैदियों ने उसके शरीर को अपने सिरों से ऊपर उठाया हुआ था। शेख दहशत से मरा जा रहा था और कैदियों की पकड़ से छूटने के लिए छटपटा रहा था । लेकिन उसका शरीर इतने अधिक लोगों के हाथों में था कि उसका छूट पाना असम्भव था। कैदी उसे हरम वाले महल की ओर ले जा रहे थे।.

- शेली ने पूछा। 'ये लोग इसे कहां ले जा रहे हैं?'

'मुझे लग रहा है कि शेख वही मौत मरने वाला है जो वह अपने कैदियों को देता है। कैदी जरूर उसे मगरमच्छों का भोजन बनने के लिए पानी में फेंकने ले जा रहे हैं वर्ना इन्होंने शेख को उसके महल में ही मार दिया होता ।'

शेली सिहर उठी ।

जेम्स बांड लड़कियों को लेकर बाहर निकल आया।

२३८

किले से छूटे हुए कैदी स्थान पर पहुंच चुके थे। किसी ने भी जेम्स बांड वगैरह को किले से बाहर निकलने से रोकने का प्रयत्न' नहीं किया। शायद तेल अमारा के सारे ही निवासी शेख के सताये हुए थे। किले में जो हो रहा था, लोग उसमें खुश थे । शेख के बचे-खुचे सिपाही पहले ही जनता में मिल चुके थे ।

जेम्स बांड वापिसं अपनी कार में आ बैठा और लड़कियों के साथ काहिरा को उड़ चला।

उसके पीछे ही दस अन्य कारों का काफिला था जिसमें शेख के हरम की मुक्त बेगमें भरी हुई थीं।

जेम्स बांड का अरव मिशन सफल रहा।

ब्रिटिश इन्टैलीजैस और सी० आई० ए० की यह धारणा तों सही सिद्ध हुई कि योरुप और अमेरिका के विभिन्न नगरों से फुसलाकर लड़कियां काहिरा ही ले जाई जाती थीं लेकिन उनका वह विचार गलत था कि बाद में वे लड़कियां विभिन्न अरब शेखों के हाथों में उनके हरमों की शोभा बढ़ाने के लिए नीलाम कर दी जाती थीं। वास्तव में ऐसी तमाम लड़कियां केवल एक ही आदमी की लिप्सा की शांति के लिए इकट्टी की जाती थी और वह आदमी था शेख युसुफ पाशा। पिछले एक लम्बे अरसे में गायब हुई तकरीबन सारी लड़कियां उसी के हरम में या स्फिक्स क्लब में बरामद हुई थी।'

शेख यूसुफ पाशा और काउन्ट वान ग्लीविज की मृत्यु के बाद स्फिक्स क्लब बन्द हो गई और इस प्रकार वह वीभत्स धन्धा भी बन्द हो गया।

शेख के हरम की लड़कियां काहिरा में अपने-अपने देशों के दूतवासों में पहुंचा दी गई। हर देश के दूतावास ने इस विषय में अरब सरकार को कड़ा विरोध पत्र लिखा जिसकी वजह से अरब सरकार भी मामले की एक ऊंचे स्तर पर तफ्तीश कराने पर मजबूर हो गई। फलस्वरूप काहिरा के कई सरकारी पदाधिकारी जिनमें अधिकार पुलिस अफसर थे, नौकरी से अलग कर दिए गए ।

२३६

स्फिक्स क्लब और उसके अनोखे धन्धे के सारे किस्से का वृत्तान्तं संसार भर के समाचार पत्नों में छपा लेकिन काउन्ट बान ग्लीविज का जिक्र कहीं नहीं था। जेम्स बांड ने अपना वादा पूरा किया था। इस सन्दर्भ में उसने काउन्ट का नाम समाचार पत्र में हीं आने दिया था।

अन्त में यासमीन और रोलैंड के प्रति भरपूर कृतज्ञता प्रकट करने के बाद जेम्स बांड लन्दन रवाना हो गया ।

लन्दन एयरोड्रोम पर वह शाम को सात बजे के करीब उतरा। वहां से वह 'एम' से मिलने के ब्रिटिंश इन्टैलीजेन्स के हैड क्वार्टर जाने के स्थान पर सीधा 'एम' की सैक्रेट्री मिल मनीपेनी के अपार्टमेंट की ओर रवाना हो गया।

उसके कानों में सैक्रेट्री का स्वर गूंज रहा था।

'... [illegible] [illegible] [illegible]

REGISTAN KE PECHHE CHHIPA GUNAAH KA SAMANDER...

चमकते हुए आलीशान बुर्ज, सोने की गाड़ियां और अथाह पैसा—यह मध्य-पूर्व की वो दुनिया है जो सबको दिखाई देती है। लेकिन इसी चकाचौंध के पीछे, रेगिस्तान के एक गुप्त और बेहद सुरक्षित किले में एक खौफनाक खेल चल रहा है। दुनिया के कोने-कोने से धोखे से लाई गई बेगुनाहनााह लड़कियों को बंधक बनाकर एक ताकतवर शेख के हवाले किया जा रहा है।